राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 | अंक : 225 पटना (बिहार) सोमवार 16 जून 2025 | पेज - 12 | मूल्य: 1 | R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

पुणे: इंद्रायणी नदी पर बना पुल गिरा, 30 लोगों के बह जाने की आशंका, 3 शव निकाले गए

ब्यूरो

पुणे : पुणे में रविवार (15 जून) की शाम बड़ा हादसा हो गया. इंद्रायणी नदी पर बने पुल का आधा हिस्सा टूटकर गिर गया. जब ब्रिज गिरा, तब मौके पर कई लोग उसी पुल पर मौजूद थे. ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि करीब 25 से 30 लोग नदी में बह गए हैं. वहीं, अब तक तीन लोगों की मौत की पुष्टि हुई है. दरअसल, पुणे के मावल में कुंड मॉल में पुल गिरने से कुछ पर्यटक डूब गए हैं. बताया जा रहा है कि यह घटना दोपहर करीब 3.30 बजे की है. पुल का जो हिस्सा गिरा, वहां पत्थर भी मौजूद थे. जो लोग पत्थर पर गिरे हैं, उन्हें गंभीर चोटें आई हैं. वहीं, कई लोग नदी की धारा में बह गए हैं. कुंडमाला पार करने वाला पुल गिरा :पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस आयुक्तालय की तलेगांव दाभाड़े पुलिस मौके पर पहुंच गई है. कुंडमाला को पार करने के लिए एक पुल है, इस पार से उस पार जाने के लिए. यही पुल गिर गया है. छुट्टी होने के कारण थी ज्यादा भीड़ :रविवार होने के चलते बड़ी संख्या में पर्यटक वहां मौजूद थे. कुछ लोग पुल पर खड़े थे और तस्वीरें खिंचवा रहे थे. कितने लोग डूबे हैं, यह अभी स्पष्ट नहीं है. प्रारंभिक जानकारी के अनुसार लगभग 20 से 25 लोग डूबे हैं. मौके पर करीब 200 पर्यटक मौजूद थे. हादसे के बाद

सभी को मौके से हटाया गया है, ताकि रेस्क्यू ऑपरेशन में कोई दिक्कत न आए. बाइक लेकर पुल पर पहुंचे थे लोग :कई सारे बच्चे भी अपनी फैमिली के साथ छुट्टी मनाने इस ब्रिज पर पहुंचे थे. यहां एक मंदिर भी है, जहां दर्शन करने के लिए भारी संख्या में लोग आते हैं. फिलहाल, एनडीआरएफ की दो टीमों को मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू ऑपरेशन में लगी हैं. बताया जा रहा है कि पहले से ही जर्जर हुए इस पुल पर कुछ लोग बाइक लेकर भी पहुंच गए थे. पुल ज्यादा भार सह नहीं पाया और टूट गया. पहले भी हुई थी पुल की शिकायत :बताया जा रहा है कि पहले भी पुल की स्थिति खराब होने की शिकायतें प्रशासन के पास पहुंची थीं, लेकिन इसपर काम नहीं हुआ. पुल पर काफी जंग लगा हुआ था. सावधानी बरतने के लिए लगातार अनाउंसमेंट किए जा रहे थे. बीते कुछ दिन से पुणे में लगातार बारिश भी हो रही है, जिसकी वजह से इंद्रायणी नदी में बहाव तेज था. 22 एंबुलेंस मौके पर पहुंचीं :मौके पर रेस्क्यू ऑपरेशन तेजी से शुरू कर दिया गया है. पर्यटकों को बचाने के लिए 20-22 एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई हैं. शाम का समय होने की वजह से बचाव कार्य में तेजी लाई जा रही है, क्योंकि अंधेरा होने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन में बाधा आ सकती है. जिला मुख्यालय से कई टीमों को बचाव कार्य के लिए रवाना किया गया है. नदी के बहाव की दिशा में आगे के गांवों में भी लोगों को बचाने के लिए काम जारी है. रेस्क्यू के लिए बचाव वैन और फायर टेंडर नाव मौके पर पहुंच गई

दिल्ली से लौटते ही भाजपा सांसद का पुत्र हुआ लापता, तलाश में जुटी पुलिस

क्राइम संवाददाता द्वारा

दरभंगा :मधुबनी से भाजपा सांसद अशोक कुमार यादव के पुत्र विभूति कुमार यादव दरभंगा के लहेरियासराय थाना क्षेत्र के बंगाली टोला स्थित आवास से गायब हो गए है। इसको लेकर परिजन के द्वारा लहेरियासराय थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराया गया है। फिलहाल घटना की जानकारी मिलते ही लहेरियासराय थाना की पुलिस सांसद के पुत्र की तलाशी में जुट गई है। घटना के संबंध में परिजनों का कहना है कि रविवार की दोपहर विभूति यादव बंगाली टोला आवास से बाजार के लिए निकले थे। देर शाम तक वह घर वापस नहीं लौटे। तब घर के सदस्य उनके मोबाइल पर कॉल करने लगे, मोबाइल रिसीव नहीं हो सका। लिहाजा परिजनों की चिंता बढ़ने लगी। फिर उनकी खोजबीन शुरू हो गई, विभूति यादव का कहीं कोई पता नहीं चल पाया। थकहार कर परिजन लहेरियासराय थाना में गुमशुदगी का मामला दर्ज कराते हुए विभूति यादव को खोजने की गुहार लगाई। मामला हाई प्रोफाइल होने के कारण पुलिस भी एक्टिव नजर आ रही है। परिजनों का कहना है कि सांसद अशोक यादव का पुत्र विभूति कुमार यादव दिल्ली में रहकर लॉ की पढ़ाई कर रहा था। वह लॉ के सेकंड समेस्टर का छात्र है। वह दो दिन पहले ही दिल्ली से अपने घर आया था। आज रविवार की दोपहर काले रंग का पेंट और हरे रंग का टीशर्ट पहनकर घर से निकला था। लेकिन शाम तक वापस घर नहीं लौटा है। परिजनों ने सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों से करते हुए सूचना देने की बात कही है। विभूति कुमार यादव पूर्व केंद्रीय मंत्री हुकुमदेव नारायण के पौत्र है। विभूति के पिता अशोक यादव दरभंगा के केवटी विधानसभा से दो बार भाजपा के विधायक भी रह चुके है। इसके बाद वह मधुबनी से दूसरी बार लगातार सांसद चुने गए है। वर्ष 2019 में केंद्र की नरेंद्र मोदी की सरकार ने पूर्व केंद्रीय मंत्री हुकुमदेव नारायण यादव को पद्मभूषण पुरस्कार ने नवाजा था। इस पूरे मामले पर भाजपा सांसद ने कहा कि जो सोसल मीडिया पर चल रहा वह सही खबर है। मैं अभी काफी परेशान हूँ। कुछ जानकारी मिलने पर साझा करूँगा।

संक्षिप्त समाचार

लालू यादव की बढ़ेंगी मुश्किलें! इस मामले में दर्ज हो सकता है नया केस

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना। : आंबेडकर के अपमान प्रकरण में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को बिहार राज्य अनुसूचित जाति आयोग ने नोटिस भेजकर 15 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण मांगा है। आयोग ने पूछा है कि क्यों नहीं उनके विरुद्ध एससी-एसटी एक्ट के अंतर्गत मुकदमा दर्ज कराया जाए। यह नोटिस आयोग के उपाध्यक्ष देवेंद्र कुमार ने भेजा है, जिस पर तिथि 13 जून, 2025 अंकित है। नोटिस में लिखा है कि आपने अपनी जन्मतिथि पर संविधान निमार्ता बाबा साहेब डॉ. भीम राव आंबेडकर के फोटो का अपमान किया है, जो इंटरनेट मीडिया पर लगातार देखा जा रहा है।ज्ञात हो आंबेडकर के अपमान से वर्ग विशेष नहीं, पूरे देश के सम्मान को ठेस पहुंची है। अतः 15 दिन के अंदर स्पष्टीकरण दें और बताएं कि क्यों नहीं आप पर अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया जाए। उल्लेखनीय है कि लालू की जन्मतिथि से संबंधित एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित है। उसमें एक कार्यकर्ता उन्हें उपहार के रूप में आंबेडकर की तस्वीर दे रहा है।

पटना छोड़ने से पहले आखिरी वार, अवकाश कुमार ने मंटू हत्याकांड के कातिलों को दबोचा

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटना :पटना के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अवकाश कुमार ने रविवार को अपने कार्यालय में आखिरी प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मात्र पांच महीने तक राजधानी की कानून-व्यवस्था की कमान संभालने वाले अवकाश कुमार का हाल ही में तबादला कर दिया गया है। बिहार गृह विभाग ने शनिवार को 18 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया, जिसमें पटना एसएसपी का नाम भी शामिल है। अब पूर्णिया एसपी कार्तिकेय शर्मा पटना के नए एसएसपी होंगे। प्रेस वार्ता के दौरान एसएसपी अवकाश कुमार ने बताया कि 19 मई को पटना सिटी के खांचेकलां थाना क्षेत्र के दुल्दी घाट में मंटू राय की हत्या के मामले में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। इस मामले में तीन शूटर और दो लाइनर को गिरफ्तार किया गया है। सभी गिरफ्तार अपराधी पटना सिटी इलाके में सुपारी लेकर हत्या की घटनाओं में शामिल थे। गिरफ्तार किए गए अपराधियों में अनिकेत, आयुष और राजन प्रमुख शूटर हैं। इन्होंने पटना सिटी, मालसलामी, रामकृष्ण नगर और खांचेकलां थाना क्षेत्र में सुपारी लेकर हत्या करने की बात स्वीकार की है। इनके पास से दो देसी पिस्टल, पांच जिंदा कारतूस, दो मोटरसाइकिल और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए

बिहार में जमाई आयोग का हो गठन, -तेजस्वी यादव

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में महिला आयोग सहित अन्य आयोगों में हुई नियुक्तियों को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधा है। रविवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होने कहा कि मै मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से निवेदन करूंगा कि वो बिहार में जमाई आयोग का गठन कर दे। इसको लेकर भी उन्होने अपने तर्क दिये तेजस्वी यादव ने कहा, टायर्ड नहीं बल्कि रिटायर्ड अधिकारी बिहार चला रहे हैं. आप चढ़ावा चढ़ाइए और पोस्टिंग पाइएङ्ग जन प्रतिनिधियों की कोई सुनवाई नहीं होती है. बिहार गरीब राज्य है, अधिकारी लूटकार खा रहे हैं और भ्रष्टाचार कर रहे हैं. ED और उड़क भी सुस्त पड़ी हुई है अगर ईमानदारी से जांच हो जाए तो कोई नहीं बचने वाला है तेजस्वी ने कहा कि मुख्य मंत्री जी से अपील करते है कि समर्पित जमाई आयोग का गठन किया जाए। रामविलास पासवान जी के दामाद को आयोग में जगह मिली है, मांझी जी के दामाद को आयोग में जगह मिली है, अशोक चौधरी के दामाद को जगह मिली है। महिला आयोग के सदस्य के रूप में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार की पत्नी की नियुक्ति पर तेजस्वी ने कहा कि ये तो छोड़िये डीके बॉस का जो हम कह रहे थे, महिला आयोग के सदस्य के रूप में उन्हे नियुक्ति किया गया है। उन्हे शिक्षाविद् के रूप में लिया गया है, क्या कोई और योग्य शिक्षाविद् नहीं

मिला। मजेदार बात ये है कि उन्होने अपने पति का नाम छुपाने की कोशिश की है। पति की जगह पिता का नाम लिखा है। नीतीश कुमार के प्रधान सचिव दीपक कुमार की पत्नी को बनाया गया महिला आयोग का सदस्य, नोटिफिकेशन में किया गया बड़ा खेल मुख्यमंत्री जी अचेत है या उनसे करवा रहे है ये तो मुख्यमंत्री जी को जवाब देना चाहिए। जो दलित-अल्पसंख्यक विरोधी लोग है वहीं सचिवालय में कब्जा कर चुके है। बीजेपी के कार्यकर्ता इंतजार करते रह है कि हमारा नंबर कब आएगा, निष्ठावान कार्यकर्ता को जगह नहीं दी गई। प्रधानमंत्री जी यहां आकर परिवारवाद की बात करते है, यहां छुपाछुपाकर मलाई खिलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री दोनों मिलकर बिहार में स्पेशल अरेंजमेंट कमीशन का गठन कर दें जिसमें फलना जी के बेटा को , फलना जी के दामाद, फलना जी के पत्नी को एडजस्ट वहां डाल दे, हमें परिवारवाद पर ज्ञान देते है और हो क्या रहा है इस सरकार में देख लीजिये। बिहार का मंत्रालय में भी बर्बाद कर दिया अब सचिवालय बर्बाद कर रहे है भूजा पार्टी के लोग।

औरंगाबाद-पटना हाईवे को मिलेगा नया जीवन, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

संवाददाता द्वारा

मगध-गया :दक्षिण बिहार की जीवनरेखा कहे जाने वाले औरंगाबाद-पटना राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-139 (NH-139) की फोर लेनिंग को लेकर एक बार फिर उम्मीद जगी है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आश्वासन दिया है कि इस सड़क की चौड़ीकरण की समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। नई दिल्ली के भारत मंडपम में देशभर के चुनिंदा संपादकों के साथ आयोजित संवाद कार्यक्रम में औरंगाबाद के कमल किशोर ने NH-139 की जर्जर स्थिति, बढ़ते ट्रैफिक और दुर्घटनाओं के मुद्दे को केंद्रीय मंत्री के समक्ष रखा। उन्होंने बताया कि इस मार्ग से प्रतिदिन 18 से 19 हजार वाहन गुजरते हैं, जो किसी भी फोर लेन मार्ग की मानक सीमा (15 हजार वाहन प्रतिदिन) से अधिक है। कमल किशोर ने यह भी बताया कि यह हाईवे बिहार के औरंगाबाद, अरवल के साथ-साथ झारखंड के पलामू, लातेहार, रांची और छत्तीसगढ़ के कई हिस्सों को राजधानी पटना से जोड़ता है। सड़क की संकरी चौड़ाई के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं और जाम की समस्या आम है। पत्रकार की इस पहल पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने गंभीरता से विचार करते हुए कहा कि NH-139 की फोर लेनिंग के

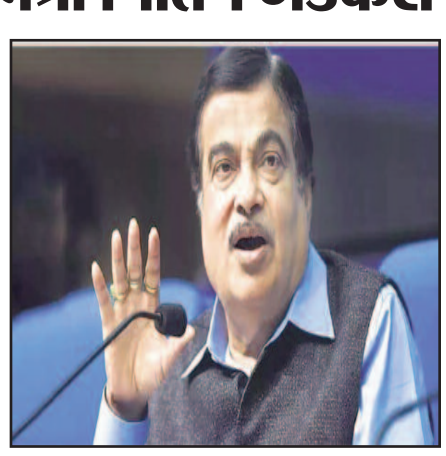

प्रस्ताव पर वे जल्द ही ठोस कार्रवाई करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह विषय उनके संज्ञान में है और जल्द ही इस दिशा में समाधान निकाला जाएगा। उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष गया में एक सार्वजनिक सभा के दौरान पूर्व सांसद सुशील कुमार सिंह की पहल पर गडकरी ने 5500 करोड़ रुपये की लागत से NH-139 की फोर लेनिंग की घोषणा की थी। बावजूद इसके अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं होने के कारण लोगों में नाराजगी थी।

मिसेज खान' के घूंघट से खान सर ने उठाया पर्दा, जानिए किसका था ये आइडिया

संवाददाता द्वारा

सिवानः 'मिसेज खान' की घूंघट को लेकर खान सर ने इत्मीनान से सबकुछ बताया। उन्होंने ये भी बताया कि घूंघट रखने का आइडिया किसका था? दरअसल, भारत-पाकिस्तान तनाव के वक्त खान सर की शादी हुई। इसका खुलासा उन्होंने लाइव क्लास में स्टूडेंट्स के बीच किया। इसके बाद 2 जून को पटना में शानदार रिसेप्शन दिया। इसमें काफी संख्या में वीवीआईपी शामिल हुए। 'मिसेज खान' को लेकर लोगों के मन में क्यूरोसिटी थी। मगर, जब रिसेप्शन वाले स्टेज पर 'मिसेज खान' के साथ खान सर खड़े हुए तो मैडम के चेहरे पर घूंघट था। इसके बाद सोशल मीडिया पर ट्रोलर गैंग ऐक्टिव हो गया। इसी लेकर खान सर ने पर्दा उठाया की मिसेज खान ने घूंघट क्यों किया था? न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में 'मिसेज खान' को लेकर खान सर ने कहा, 'किसी पर्सन की अपनी मेहनत से कमाई हुई कई चीजें होती हैं। मेहनत की बदौलत एक मुकाम हासिल करता है। उसमें किसी को भी अच्छा लगता है। किसी दूसरे का नाम जब जोड़

दिया जाता है तो अच्छा नहीं लगता है। कल को फिर कोई कहेगा कि नहीं? हम अपने टीचिंग में है वो (मिसेज खान) अपने काम में हैं। हम उसमें इंटरफेयर नहीं करते। जहां हम दोनों की जरूरत रहती है, एक दूसरे के साथ रहते हैं।' रिसेप्शन में 'मिसेज खान' की घूंघट तो लेकर खान सर से सवाल पूछा गया तो उन्होंने कहा, 'हमने बोला था उनसे (मिसेज खान)। ये वाइफ का ही डिसीजन था कि हमको घूंघट में रहना है क्योंकि उनका कहना था कि बचपन का शौक है मेरा। हर लड़की का सपना होता है कि वो दुल्हन बने तो घूंघट में रहे। उतने भीड़ के बीच घूंघट में दुल्हन की अलग पहचान होती है, ऐसे ही रहना है। तो, हम कहे ठीक है भाई चलिए।' घूंघट पर सोशल मीडिया ट्रोल को लेकर खान सर ने कहा, 'अब लोगों के हिसाब से देखिए... हम लोग गांव से आए हैं तो हमारे गांव में एक कल्चर होता है। हम गांव नहीं छोड़ सकते हैं। शहर में आने का मतलब ये नहीं है। भसुर रहते हैं तो वहां पर भी थोड़ा-सा ऐसे कतरा कर (साइड से) निकल जाते हैं लोग। तो थोड़ा-सा गांव वाला रहता है। पिताजी आएंगे वहां पर तो.. वहां पर गांव वाला भी कल्चर रहता है और हमारी पहचान वही है। काम पर क्या कोई हम घूंघट लगा के थोड़ी जाता है? फिर बात खाना पकाने की आई तो खान सर ने सीधे-सीधे हाथ खड़ा कर दिया। उन्होंने कहा कि हमें खाना बनाने नहीं आता है। मम्मी और वो (मिसेज खान) किचन का काम संभालती हैं। शादी का फंक्शन लीक नहीं होने को लेकर खान सर ने कहा, 'अभी देखिए... नीट का पेपर लीक हो जाता है। बीपीएससी का पेपर लीक हो जाता है। हमको ये नहीं समझ में आता। मेरी शादी लीक नहीं हुई। इनका पेपर कैसे लीक हो जाता है? शादी में तो उतने लोग होते हैं।'

भारत बनेगा मध्यस्थता का वैश्विक केंद्र : अर्जुन राम मेघवाल

भारत की मध्यस्थता प्रणाली का भविष्यः संस्थागत मध्यस्थताः विवाद समाधान के लिए एक प्रभावी ढांचा विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन भारत मंडपम में

नई दिल्ली;।

भारत को वैश्विक मध्यस्थता केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, संस्थागत मध्यस्थता पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन 14 जून, 2025 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया गया। इस सम्मेलन का आयोजन कानून और न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग द्वारा, ओएनजीसी लओएनजीसी) और इंडिया इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (आईआईएसी) के सहयोग से किया गया। यह एकदिवसीय सम्मेलन देशभर के वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों, केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (सीपीएसईएस) के प्रतिनिधियों, विधि विशेषज्ञों और मध्यस्थता क्षेत्र के पेशेवरों को एक मंच पर लेकर आया। इसका उद्देश्य वाणिज्यिक विवादों के समाधान के लिए संस्थागत मध्यस्थता को प्राथमिक माध्यम के रूप में बढ़ावा देना और आईआईएसी को एक वैश्विक स्तर की मध्यस्थ संस्था के रूप में प्रस्तुत करना था। सम्मेलन में कानून एवं न्याय तथा संसदीय कार्य मंत्रालय के स्वतंत्र प्रभार वाले केंद्रीय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। अपने संबोधन में उन्होंने भारत की आधुनिक विधिक आकांक्षाओं को देश की दार्शनिक परंपराओं से जोड़ा और कहा कि भारत में सहमति से विवाद निपटाने की परंपरा प्राचीन काल से रही है। उन्होंने विश्वासपूर्वक कहा कि, भारत मध्यस्थता का केंद्र बनेगा। उद्घाटन सत्र की शुरूआत आईआईएसी के अध्यक्ष माननीय श्री

जस्टिस हेमंत गुप्ता (सेवानिवृत्त) के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने भारत में संस्थागत मध्यस्थता के विकास में बाधक प्रमुख चुनौतियों–विशेष रूप से एड-हॉक व्यवस्था पर निर्भरता–पर प्रकाश डाला। उन्होंने आईसीएडीआर आईआईएसी में संक्रमण को सरकार द्वारा उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम बताया और सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (पीएसयूएस) से संरचित संस्थागत व्यवस्था अपनाने की अपील की। इसके बाद विधि कार्य विभाग के निदेशक श्री अवनीत सिंह अरोड़ा ने पिछले एक दशक में विभाग द्वारा किए गए विधायी प्रयासों और नीतिगत सुधारों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। ओएनजीसी के अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने उद्योग जगत का दृष्टिकोण रखते हुए तेज और संस्थागत मध्यस्थता प्रक्रियाओं की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, कानूनी व्यवस्था का सिद्धांत कालातीतता नहीं, समयबद्धता होना चाहिए। इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए सार्वजनिक उद्यम विभाग के सचिव श्री के मोसेस चालै ने कहा कि प्रभावी मध्यस्थता प्रणाली का सीधा प्रभाव शासन, परिचालन क्षमता और सार्वजनिक उपक्रमों की आर्थिक स्थिति पर पड़ता है। कानून और न्याय मंत्रालय के विधि कार्य विभाग की सचिव डॉ. अंजू राठी राणा ने कानूनी सुधारों – अप्रचलित कानूनों को समाप्त करने से लेकर अदालत प्रणाली के डिजिटलीकरण तक – की व्यापक जानकारी दी। उन्होंने सरकार के उस विजन को रेखांकित किया जिसके तहत आईआईएसी को अंतरराष्ट्रीय स्तर की मध्यस्थ संस्था के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्होंने विशेष रूप से यह सुझाव दिया कि पीएसयूएस के अनुबंधों में विवाद समाधान के लिए आईआईएसी को प्राथमिक संस्था के रूप में नामित किया जाना चाहिए।

इजरायल-ईरान संघर्ष पर एससीओ के बयान से भारत ने किया किनारा

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने इजरायल-ईरान संघर्ष के बारे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की ओर से जारी वक्तव्य से किनारा कर लिया है। भारत का कहना है कि इसपर पहले ही वे अपनी स्थिति स्पष्ट कर चुका है। विदेश मंत्रालय ने वक्तव्य में कहा कि भारत ने अपनी स्थिति के बारे में अन्य एससीओ सदस्यों को सूचित कर दिया था। इसे ध्यान में रखते हुए भारत ने एससीओ वक्तव्य पर हुई चर्चा में भाग नहीं लिया।

एससीओ की ओर से जारी वक्तव्य में इजरायल के हमले की निंदा की गई है। इसमें कहा गया है कि सदस्य देश मध्य-पूर्व में बढ़ते तनाव पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और 13 जून को ईरान के क्षेत्र पर इजरायल द्वारा किए गए सैन्य हमलों की कड़ी निंदा करते हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा कि इस मामले पर भारत की स्थिति को 13 जून स्पष्ट कर दिया गया था और हम अब भी इसपर कायम हैं। हम आग्रह करते हैं कि तनाव कम करने के लिए बातचीत और कूटनीति के माध्यमों का उपयोग किया जाना चाहिए और यह आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय उस दिशा में प्रयास करें। वक्तव्य में कहा गया है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने भी कल अपने ईरानी समकक्ष के साथ इस मामले पर चर्चा की और घटनाक्रम पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की गहरी चिंता से अवगत कराया।

गाजा संघर्ष को लेकर विदेश नीति पर कांग्रेस ने उठाए सवाल, खरगे ने पूछा- क्या हमने नैतिक कूटनीति छोड़ दी?

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गाजा संघर्ष पर संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में प्रस्ताव से भारत के दूरी बनाए रखने को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है।सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में खरगे ने पूछा कि क्या भारत ने अपने लंबे समय से चले आ रहे नैतिक और गुटनिरपेक्ष कूटनीति के सिद्धांतों को त्याग दिया है? उनका कहना है कि भारत हमेशा शांति, संवाद और न्याय का पक्षधर रहा है और पश्चिम एशिया में यही नीति उसकी पहचान रही है। उन्होंने यह भी कहा, 60 हजार से अधिक लोगों की मौत के बीच भारत का मूकदर्शक बने रहना न केवल चिंताजनक है, बल्कि यह उस नैतिक दायित्व से भी विमुख है जिसे भारत ने दशकों से निभाया है।÷ संयुक्त राष्ट्र महासभा में 149 देशों ने गाजा में संघर्षविराम के समर्थन में मतदान किया, जबकि भारत उन 19 देशों में शामिल था जिन्होंने मतदान से परहेज किया। खरगे के अनुसार, यह कदम भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग कर देता है। उन्होंने याद दिलाया कि 8 अक्टूबर 2023 को कांग्रेस ने इजराइल पर हमास के हमलों की कड़ी निंदा की थी। साथ ही, पार्टी ने 19 अक्टूबर को गाजा में तुरंत संघर्षविराम और मानवीय सहायता की मांग की थी।

सीआरपीएफ शिविर हमला : एनआईए ने 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 2024 में छत्तीसगढ़ में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के शिविर पर हमले के मामले में 17 आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। ये आरोपी भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) के हैं और इनमें से 16 फरार हैं। एनआईए ने बताया कि कुल 17 आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी पहचान सोढी बामन उर्फ देवल के रूप में हुई है।जगदलपुर में एनआईए की विशेष अदालत के समक्ष दाखिल आरोपपत्र में सभी आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाये गये हैं। हमलावरों ने शिविर से सुरक्षा बलों के हथियार और अन्य सामान लूटने का प्रयास किया था। धर्मावरम सीआरपीएफ शिविर पर हमले में 12 जवान घायल हो गये थे। एनआईए ने पिछले वर्ष नौ फरवरी को स्थानीय पुलिस से मामला अपने हाथ में लिया था और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन सीपीआई (माओवादी) के 21 नामजद और 250 से 300 अज्ञात सशस्त्र कैडरों के खिलाफ मामला दर्ज किया था।

राहुल के जन्मदिन के मौके पर दिल्ली कांग्रेस करेगी रोजगार मेले का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली कांग्रेस पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जन्मदिन के मौके पर 19 जून को तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में पूर्वाह्न 10 बजे से एक मेगा जॉब फेयर ओजित करेगी। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने मीडियाकर्मियों से कहा कि दिल्ली कांग्रेस और युवा कांग्रेस मिलकर 19 जून तालकटोरा इनडोर स्टेडियम में पूर्वाह्न 10 बजे से एक मेगा जॉब फेयर का आयोजन करेगी, जिसमें लगभग 100 प्रमुख कंपनियां 5000 से अधिक बेरोजगार युवाओं को नियुक्त पत्र सौंपेंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण युवाओं में नशे की लत लगने और उनके मानसिक अवसाद में जाने को देखते हुये उन्हें इससे मुक्ति दिलाने के लिए यह कदम उठा रही है। उन्होंने बताया कि फ्लिपकार्ट, एयरटेल, एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक, महिन्द्रा, अमेजन, जेप्टो, टाटा, सैमसंग, हीरो, बजाज, वोल्टास, जस्ट डायल, वोडाफोन, ब्लिंकिट और रेडिसन जैसी प्रमुख कंपनियां उन लगभग 100 कंपनियों में शामिल है।

योग अब वैश्विक स्वास्थ्य व शांति की दिशा में एक सशक्त आंदोलन बन चुका है: प्रतापराव जाधव

नई दिल्ली। आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने योगा कनेक्ट-एक वैश्विक योग शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की। विज्ञान भवन में आयोजित सम्मेलन में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, स्वामी रामदेव महाराज और स्वामी चिदानंद सरस्वती जी (परमार्थ निकेतन) उपस्थित रहे।

इस मौके पर आयुष मंत्री जाधव ने कहा कि जैसे-जैसे हम 21 जून, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की ओर अग्रसर हो रहे हैं, आइए हम सब मिलकर इस प्राचीन भारतीय परंपरा को पूरे विश्व तक पहुंचाने का संकल्प लें। योग केवल एक अभ्यास नहीं, बल्कि 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' का संदेश है। योग को आगे बढ़ाने के लिए सिर्फ आयुष विभाग ही नहीं बल्कि सभी मंत्रालयों के सक्रिय भागीदारी निभा रहे हैं। योग सभी सीमाओं, उम्र, लिंग, आर्थिक स्थिति और धर्म से परे है और सिर्फ भारत या भारतीय उपमहाद्वीप तक

सीमित नहीं है, जो वास्तव में इस वर्ष के विषय को दर्शाता है। यह हर भारतीय की ज़िम्मेवारी है कि हम अपनी इस प्राचीन धरोहर को विश्व पटल पर और उजागर करें। कार्यक्रम की शुरुआत में अहमदाबाद विमान दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों और प्रतिभागियों ने दिवंगत आत्माओं को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर पतंजलि योगपीठ क ेयोगगुरू बाब ारामदेव ने कहा कि सबसे पहला है योग अनुशासन, यानी शरीर का अनुशासन और मन का अनुशासन। योग में जीवन के हर पहलू को संबल और शक्ति प्रदान करने की क्षमता है।

योग केवल एक दिन का अभ्यास नहीं होना चाहिए। इस अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर यह सुनिश्चित करें कि भारत के हर गांव से लोग आगे आएं और योग को केवल 21 जून को नहीं, बल्कि प्रतिदिन के जीवन में उतारें। योग दिवस 2025 हमारे स्वास्थ्य, संतुलन और भारत की विरासत के प्रति प्रतिबद्धता का सच्चा प्रतिबिंब बने। योग गुरु डॉ. हंसाजी योगेंद्र ने कहा कि योग केवल एक शारीरिक अभ्यास नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है। योग केवल करने की नहीं, होने की प्रक्रिया है। यह कोई ऐसा कार्य नहीं है जिसे समय-समय पर किया जाए, बल्कि इसे हमारे दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बन जाना चाहिए।

दिल्ली में नई आबकारी नीति जल्द - रेखा गुप्ता

एजेंसी
नई दिल्ली। दिल्ली की भाजपा सरकार प्रदेश में नई आबकारी नीति जल्द लागू करने वाली है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह जानकारी दी। रेखा गुप्ता ने कहा कि नई नीति के तहत व्यवस्थापन व्यवस्था में सुधार के कई बिंदु शामिल किए जा रहे हैं, जिनमें शराब की गुणवत्ता का वैज्ञानिक परीक्षण, बिक्री प्रणाली का डिजिटलीकरण, अवैध बिक्री पर रोक और लाइसेंसिंग प्रक्रिया में पुष्टिकरण प्रमुख हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार की अध्यक्षता में एक समिति काम कर रही है, जिसमें सभी सिद्धांतों पर ध्यान दिया जा रहा है। नई आबकारी नीति का मुख्य उद्देश्य राजधानी के नागरिकों को गुणवत्ता वाली शराब उपलब्ध कराना, शराब की बिक्री एवं वितरण प्रणाली को सशक्त और आधुनिक बनाना है। सरकार यह सुनिश्चित करती है कि नीति का कोई भी पक्ष समाज के व्यक्तित्व पर प्रतिकूल प्रभाव न डाले और समाज के सामान्य सिद्धांतों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और शांति से प्रतिकूल न हो। सरकार के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय समिति यह नीति तैयार कर रही है। कई राज्यों की समितियां इसकी समीक्षा भी कर रही हैं ताकि शराब के उचित वितरण के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा को भी सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा सके। मुख्यमंत्री ने दिल्ली की पिछली सरकार की आबकारी नीति को भ्रष्ट बताया और उसकी आलोचना की। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार की आबकारी नीति भ्रष्टाचारपूर्ण, पक्षपातपूर्ण और जनहित के खिलाफ थी। पूर्व की सरकार ने कुछ चुनिंदा निजी कंपनियों को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए यह नीति बनाई थी। इससे सरकार को राजस्व हानि हुई थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता कैबिनेट मंत्रियों के साथ करेंगी 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन

एजेंसी
नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार राष्ट्रीय राजधानी के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। राजधानी में 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का उद्घाटन होगा। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 15 सरकारी अस्पतालों में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्रों का भी उद्घाटन करेंगी, ताकि जनता के लिए सस्ती जेनेरिक दवाओं तक पहुंच बढ़ाई जा सके। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 33 में से एक आयुष्मान आरोग्य मंदिर का व्यक्तिगत रूप से उद्घाटन करेंगी, जबकि अन्य 6 का वर्चुअली अनावरण करेंगी। बाकी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों का दिल्ली के कैबिनेट मंत्री उद्घाटन करेंगे। इस आयोजन में शामिल होने वाले 6 कैबिनेट मंत्रियों में स्वास्थ्य मंत्री पंकज कुमार सिंह, लोक निर्माण विभाग मंत्री प्रवेश वर्मा, पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, गृह एवं शिक्षा मंत्री आशीष सूद, समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और संस्कृति एवं कला मंत्री कपिल मिश्रा हैं। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, सभी 33 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 29 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 4 उप-केंद्र शामिल हैं। ये पहले से ही संचालित हैं और इन केंद्रों का अलग-अलग सरकारी विभाग प्रबंधन कर रहे हैं, जिनमें दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी), दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली स्वास्थ्य विभाग शामिल

हैं। दिल्ली में सरकार गठन के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने का ऐलान किया था। सरकार का लक्ष्य जनता को स्वास्थ्य सेवाओं का एक व्यापक दायरा प्रदान करना है, जिनमें रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और देखभाल जैसी सुविधाएं शामिल होंगी। मौजूदा मोहल्ला क्लीनिकों की तुलना में ये केंद्र अधिक सेवाएं देंगे, जिनमें कैंसर की जांच, टीकाकरण और परिवार नियोजन पर खास फोकस रहेगा। हालांकि टीबी जांच के लिए एनएएटी मशीनें अभी लगाई जा रही हैं, तब तक वैकल्पिक तरीकों से टीबी जांच जारी रहेगी। दिल्ली सरकार ने अन्य राज्यों की तरह सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों की बजाय इन केंद्रों पर एमबीबीएस डॉक्टरों की नियुक्ति का निर्णय लिया, जिससे चिकित्सकीय गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सके।

नालांबुर उपचुनाव: भाजपा बोली- तुष्टीकरण के लिए माकपा और कांग्रेस एक-दूसरे से कर रहीं प्रतिस्पर्धा

एजेंसी
नई दिल्ली। केरल के नीलांबुर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस और माकपा पर निशाना साधते हुए इस पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया है। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव अनिल के एंटनी ने कहा कि कांग्रेस और माकपा इंडी गठबंधन में हैं। केरल में वे भाजपा को दूर रखने के लिए एक दिखावटी लड़ाई में हैं। माकपा और कांग्रेस तुष्टीकरण के लिए एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। अनिल ने एक्स पोस्ट में कहा कि नीलांबुर विधानसभा सीट वायनाड लोकसभा सीट के अंतर्गत आती है। प्रियंका गांधी वहां से सांसद हैं। कांग्रेस अब खुलेआम वेलफेयर पार्टी का समर्थन ले रही है। यह वेलफेयर पार्टी जमात-ए-इस्लामी की राजनीतिक शाखा है, जो एक वैश्विक और इस्लामी संगठन है। यह दुनिया भर में बहुत सारे कट्टरपंथी गतिविधियों में शामिल है। माकपा भी इससे बेहतर नहीं है। कांग्रेस और माकपा दोनों ही कट्टरपंथी तत्वों से मदद ले रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि नीलांबुर उपचुनाव 19 जून को होगा। परिणाम 23 जून को घोषित किए जाएंगे। इस सीट पर उपचुनाव निर्दलीय विधायक पीवी अनवर के इस्तीफे के कारण हो रहा है। शुरुआत में वाम समर्थित निर्दलीय विधायक रहे अनवर का माकपा के नेतृत्व वाले वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार से मतभेद हो गया था, जिसके कारण राज्य में हाई वोल्टेज राजनीतिक ड्रामा हुआ था। उन्होंने 13 जनवरी को इस्तीफा दे दिया था।

मान सरकार की 'लैंड पूलिंग योजना' असंवैधानिक और किसान व पंजाब विरोधी : तरुण चुघ

एजेंसी
नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने पंजाब की भगवंत मान सरकार पर जोरदार हमला बोला। चुघ ने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार द्वारा लाई गई लैंड पूलिंग योजना न केवल असंवैधानिक है, बल्कि गरीब किसानों की ज़मीन हड़पने की साजिश है। चुघ ने इस योजना को तत्काल वापस लेने की मांग की। चुघ ने बताया कि उन्होंने लुधियाना पूर्व विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान 37 गांवों के किसानों से मुलाकात की थी जिनकी 24,000 एकड़ से अधिक ज़मीन इस योजना के तहत लाई गई है। चुघ ने एक बयान में कहा कि यह योजना किसानों को मुआवज़ा देने के बजाय उनकी जमीन का एक छोटा हिस्सा लौटाकर उन्हें बाज़ार की दया पर छोड़ देती है। यह योजना नहीं, बल्कि किसानों की ज़मीन हड़पने की एक

सोची-समझी साजिश है। यह पंजाब के किसानों के साथ अन्याय है और पूरी तरह असंवैधानिक है। उन्होंने यह भी बताया कि पंजाब के शहरी क्षेत्रों में 20 प्रतिशत से अधिक भूमि पहले से ही बिना बिके पड़ी है, जो राज्य सरकार की नाकामी और कुप्रबंधन का प्रमाण है। जब पिछली शहरी योजनाएं असफल रही हैं तो यह योजना 80 प्रतिशत से अधिक छोटे ज़मीन मालिक किसानों के लिए कैसे लाभकारी साबित होगी? चुघ ने कहा कि मान सरकार के पास किसानों के लिए कोई स्पष्ट नीति नहीं है। उन्होंने याद दिलाया कि आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल ने 2022 के चुनाव से पहले किसानों के कर्ज़ माफ़ी और एमएसपी पर टॉप-अप का वादा किया था, लेकिन आज तक एक भी किसान का कर्ज़ माफ़ नहीं हुआ, न ही किसी फसल पर कोई अतिरिक्त राशि दी गई। चुघ ने आरोप लगाया कि मान सरकार पंजाब के किसानों की चिंता करने के बजाय केजरीवाल और उनके जमानत पर छूटे नेताओं की मेहमाननवाज़ी में व्यस्त है।

इग्नू ने लॉन्च किया एमएससी होम साइंस प्रोग्राम

एजेंसी
नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने एमएससी होम साइंस- कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड एक्सटेंशन मैनेजमेंट प्रोग्राम की शुरुआत की है। इग्नू का यह गृह विज्ञान में पहला मास्टर कार्यक्रम है। इग्नू के अनुसार, यह प्रोग्राम होम साइंस और अन्य विषयों के ग्रेजुएट्स के लिए डिज़ाइन किया गया है जो समुदाय विकास परियोजनाओं में काम करना चाहते हैं। इस प्रोग्राम के लिए किसी भी विषय में स्नातक डिग्री आवश्यक है। प्रोग्राम की फीस 7000 रुपये प्रति वर्ष है, जिसमें पंजीकरण शुल्क और विकास शुल्क शामिल है। इस प्रोग्राम का उद्देश्य छात्रों को समुदाय विकास और एक्सटेंशन मैनेजमेंट में कौशल प्रदान करना है ताकि वे सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में योगदान कर सकें। प्रोग्राम के माध्यम से छात्र समुदाय विकास कार्यक्रमों की योजना, विकास और कार्यान्वयन में सक्षम होंगे। इस प्रोग्राम के बाद छात्र सरकारी, अंतर-सरकारी,

बहुपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में कार्यक्रम, प्रोजेक्ट अधिकारी, एनजीओ, सीएसआर फाउंडेशन, कॉर्पोरेशन और सामाजिक उद्यमों में काम कर सकते हैं। इसके अलावा, अकादमिक, शोधकर्ता, स्कूलों में पीजीटी और कौशल विकास में अधिकारी के रूप में भी करियर बना सकते हैं।

437 करोड़ के विकास कार्यों और रिडेवलपमेंट पॉलिसी को मंजूरी

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में शहर के विकास और नीतिगत सुधारों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। सेक्टर-145 में 122 करोड़ रुपये की लागत से सड़क, नाला, सीवर और बिजली इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास कार्यों को मंजूरी दी गई। साथ ही, 315 करोड़ रुपये के निवेश से 220 केवीए क्षमता वाले तीन ट्रांसमिशन उपकेंद्रों के निर्माण को हरी झंडी दिखाई गई।

बोर्ड ने जर्जर सोसाइटियों के पुनर्विकास के लिए रिडेवलपमेंट पॉलिसी को मंजूरी दी। इसके तहत प्राधिकरण की पुरानी और जीर्ण-शीर्ण सोसाइटियों को तोड़कर 3.5 एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) के साथ नए सिरे से बनाया जाएगा, जो पहले 1.5 एफएआर पर बनी थी। इस प्रक्रिया में 70 प्रतिशत निवासियों की सहमति अनिवार्य होगी। डेवलपर पहले से बने फ्लैट्स दोबारा बनाकर निवासियों को सौंपेगा और शेष फ्लैट्स बेचकर अपनी लागत वसूल करेगा।

होटल निर्माण के लिए पीपीपी मॉडल के तहत दो प्लॉट्स (एक बड़ा, एक छोटा) निकालने का फैसला हुआ। इनका आवंटन ओपन बिड के जरिए होगा, जिसमें अधिक राजस्व देने वाले समूह को

प्राथमिकता मिलेगी। मिक्स लैंड यूज शुल्क को पांच गुना करने का प्रस्ताव फिलहाल रोक दिया गया। छह श्रेणियों की प्लॉट स्कीम के ब्रोशर को मंजूरी दी गई, जो जल्द लॉन्च होगी। आईटी और कॉर्पोरेट ऑफिस के लिए 500 वर्ग मीटर से कम जगह को किराये पर देने की अनुमति दी गई। यूनिफाइड पॉलिसी में संशोधन करते हुए छोटे वाणिज्यिक प्लॉट्स और दुकानों के लिए कैपिटल कॉस्ट की शर्त को हटा दिया गया। सेक्टर-164 में मोबाइल और सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के लिए छह बड़े प्लॉट्स आरक्षित किए गए। इसके अलावा, अमिताभ कांत समिति की सिफारिशों पर आधारित जीरो पीरियड पॉलिसी की स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत की गई और फ्लैट रजिस्ट्री प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। ये निर्णय नोएडा में बुनियादी ढांचे, आवासीय सुविधाओं और औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगे।

मनोहर लाल से अंबाला-चण्डीगढ़ के बीच मेट्रो रेल लाइन का किया आग्रह

एजेंसी
नई दिल्ली। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने केन्द्रीय ऊर्जा और आवासन एवं शहरी मामले मंत्री मनोहर लाल से नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान पर केन्द्रीय मंत्री ने इस विषय पर त्वरित कार्यवाही का आश्वासन दिया है।उन्होंने कहा कि अंबाला-चंडीगढ़ सड़क पर अब यातायात बहुत ज्यादा हो गया है। चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश होने के साथ-साथ हरियाणा व पंजाब की

विज ने केन्द्रीय मंत्री से अंबाला से चण्डीगढ़ के बीच मेट्रो रेल लाइन का आग्रह किया। मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विज ने कहा कि चण्डीगढ़ में यूटी प्रशासन है और पंजाब व हरियाणा की राजधानी भी है। इस विषय पर विस्तार से चर्चा हुई। इस राजधानी भी है जहां से सैकड़ों लोग रोज आते-जाते हैं। उन्होंने बताया कि सड़क के अलावा अन्य वैकल्पिक आवागमन सुविधा भी यात्रियों के लिए होनी चाहिए। इसलिए लोगों की सुविधा के लिए इस क्षेत्र में मेट्रो रेल सेवा की बहुत जरूरत है।

ई-विधान पारदर्शी विधानसभा की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम: रिजिजू

एजेंसी
नई दिल्ली। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा है कि दिल्ली विधानसभा में ई-विधान परियोजना की आधारशिला रखना तकनीकी दक्षता और पारदर्शिता को अपनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है।

श्री रिजिजू ने विधानसभा के अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की मौजूदगी में दिल्ली विधानसभा में ई-विधान (पेपरलेस विधानसभा) परियोजना की आधारशिला रखी। इस अवसर पर श्री रिजिजू ने कहा, ÷ दिल्ली विधानसभा में ई-विधान परियोजना की आधारशिला रखना तकनीकी दक्षता और पारदर्शिता को अपनाने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। देश के कई राज्यों ने पहले ही इस प्रणाली को सफलतापूर्वक अपनाया है और अब दिल्ली का इस राष्ट्रीय पहल से जुड़ना उत्साहवर्धक है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना केवल काग़ज़ रहित व्यवस्था की बात नहीं करती, बल्कि विधायी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता, जन भागीदारी, दक्षता और डिजिटल सुरक्षा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि देश के कई राज्यों में ई-विधान प्रणाली पहले ही सफलतापूर्वक लागू की जा चुकी है और अब दिल्ली भी इस दिशा में गंभीर कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की विशेष प्रशासनिक संरचना को देखते हुए यह डिजिटल परिवर्तन विशेष महत्व रखता है। यह परियोजना केवल कागज़ रहित प्रक्रिया नहीं, बल्कि पारदर्शिता, जन भागीदारी, दक्षता और डिजिटल सुरक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने इसे विधानसभा की कार्यप्रणाली को अधिक दक्ष, पारदर्शी और पर्यावरण अनुकूल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने बताया कि यह परियोजना राष्ट्रीय ई-विधान एप्लीकेशन (नेवा) के अंतर्गत क्रियान्वित की जा रही है, जिससे विधानसभा की कार्यवाही डिजिटली संचालित होगी और विधायकों को कार्य से जुड़ी सूचनायें रियल टाइम में डिजिटल रूप में उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा देश की पहली ऐसी विधानसभा बनने की दिशा में अग्रसर है, जो पूर्णतः नवीकरणीय ऊर्जा पर संचालित होगी। इसके लिए 500 किलोवॉट की सौर ऊर्जा परियोजना स्थापित की जा रही है। साथ ही, पारंपरिक पुस्तकालय को एक आधुनिक ई-लाइब्रेरी में परिवर्तित करने और मानसून सत्र से पूर्व विधान सभा के सदन का नवीनीकरण का कार्य भी तीव्र गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि ई-विधान परियोजना न केवल विधायी कार्यों को आधुनिक और पारदर्शी बनायेगी, बल्कि यह पर्यावरणीय जिम्मेदारी के क्षेत्र में भी एक सशक्त पहल है। उन्होंने कहा कि पेपरलेस प्रणाली की ओर यह परिवर्तन न केवल विधान प्रक्रिया को अधिक कुशल बनायेगा, बल्कि राजधानी में डिजिटल गवर्नेंस का एक नया मानक भी स्थापित करेगा। इस अवसर पर उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने कहा, ÷यह परियोजना दिल्ली विधानसभा को एक तकनीकी रूप से सशक्त और पारदर्शी संस्थान में परिवर्तित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

मिलने वाली है गर्मी से राहत : दिल्ली में पांच दिन बरसेंगे बदरा, चलेगी तेज हवा

एजेंसी
नई दिल्ली । राजधानी के लोगों को भीषण गर्मी से जल्द राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने दिल्ली के कई इलाकों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की स्पीड से हवा चलने और बौछारें पड़ने की चेतावनी दी है। आंधी के दौरान हवा की स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक देखी जा सकती है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 40 और 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। ऐसे में दो दिन आंधी और बारिश वाला मौसम रह सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली में इन दो तारीखों पर ही नहीं पूरे हफ्ते हल्की बारिश या बूंदाबांदी वाला मौसम रह सकता है। मौसम विभाग ने दिल्ली के साथ ही एनसीआर में 16 से 20 जून तक तेज हवाओं और गरज चमक के साथ ही हल्की से लेकर मध्यम बारिश की संभावना जताई है। मौसम विभाग ने 14 और 15 जून को दिल्ली में अधिकतम तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार 16, 18, 19 और 20 जून को दिल्ली में अधिकतम तापमान 36 से 39 डिग्री सेल्सियस के आसपास रिकॉर्ड किया जा सकता है। वहीं, 17 से लेकर 20 जून के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान हैं। शनिवार से एक नया पश्चिमी विक्षोभ बना है।कई इलाकों में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। दिन के समय खासी चुभन भरी गर्मी महसूस की गई। दिनभर आसमान साफ रहने व तेज धूप निकलने के कारण लोगों का हाल बेहाल रहा। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.9 डिग्री अधिक 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान भी सामान्य से 1.6 अधिक के साथ 29.6 डिग्री दर्ज हुआ। बीते 24 घंटे में हवा में नमी का न्यूनतम स्तर 43 फीसदी रहा।आया नगर में सबसे अधिक तापमान रहा। यहां अधिकतम तापमान 42.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पालम में 42.0, रिज में 41.9 और लोधी रोड में 41.0 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। रिज में न्यूनतम तापमान अन्य केंद्र के मुताबिक सबसे कम रहा। यहां न्यूनतम तापमान 25.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पाकुड़ मंडलकारा में जेल अदालत का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेर्शानुसार पाकुड़ जिला विधिक सेवा प्राधिकार के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार शेष नाथ सिंह के निर्देश रविवार को पाकुड़ मंडलकारा में जेल अदालत का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम के दौरान न्यायिक पदाधिकारी ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार से मिलने वाली निशुल्क कानूनी सहायता प्रदान को लेकर अहम कानूनी जानकारी उपस्थित बंदियों को दी गई। बंदियों की उनके हित में मुफ्त कानूनी लाभ लेने व प्राधिकार से निःशुल्क अधिवक्ता प्राप्त को लेकर कई बिंदु पर चर्चा करते हुए जानकारी दी गई।इस दौरान जेल में बंदियों को मिल रहे स्वरोजगार प्रशिक्षण के तहत कौशल विकास कार्यशाला का निरीक्षण समेत लीगल एड क्लीनिक महिला एवं पुरूष वार्ड ,अस्पताल, मेडिकल क्लीनिक,दवा पंजी समेत पुस्तकाल , शौचालय का निरीक्षण सचिव रूपा बंदना किरो अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी विशाल मांझी द्वारा की गई। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी जेल के प्रशासनिक अधिकारी समेत डीएसपी हेड क्वाटर जितेंद्र कुमार उपस्थित रहे।

मादक पदार्थ के दुरुपयोग के संबंध में जागरूकता अभियान के तहत चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिला पर्यटन कला-संस्कृति खेलकुद कार्यालय पाकुड़ द्वारा शहर के राजापाड़ा अंशु कला केंद्र में मादक पदार्थ के दुरुपयोग के संबंध में जागरूकता अभियान के तहत चित्रांकन प्रतियोगिता आयोजित किया गया जिसमें कुल 175 बालक एवं बालिका विद्यार्थियों ने अंश ग्रहण किया। निषिद्ध मादक पदार्थों के दुरुपयोग से बचने हेतु जागरूकता का संदेश दिया गया। इस मादक दुरुपयोग प्रतियोगिता में शहर के विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया एवं प्रतियोगिता को सफल बनाने में शिक्षक सुरजीत घोष, शताब्दी घोष, अमृता दास, चंदा रजक,कौशकी शाहा, सोनाली दास मुख्य रूप से बच्चों का मनोबल बढ़ाने में मदद किए। प्रतियोगिता को तीन चरणों में बांटा गया। पहला ग्रुप ए प्रथम श्रेया कुमारी, द्वितीय राधिका भास्कर, तृतीय अनन्या कुमारी, रक्षित ग्रुप बी प्रथम समृद्धि कुमारी, द्वितीय रूकसार हुसैन, तृतीय अनन्या मिश्रा, ग्रुप सी प्रथम अरिन्दम मंडल, द्वितीय रानी भास्कर, तृतीय भूमि श्रेया। सभी प्रतिभागियों को जिला खेलकूद पदाधिकारी राहुल कुमार के द्वारा प्रशस्ति पत्र ट्राफी एवं चित्रांकन किट प्रदान किया गया। साथ ही उनका मनोबल और स्वास्थ्य के प्रति मादक दुरुपयोग की प्रति जानकारी दिया गया। इस सफल कार्यक्रम में उपस्थित सुभोजित घोष,खेल समन्वयक विवेक रजक, मनीष कुमार एवं बच्चों के अभिभावक उपस्थित रहे।

मंडरो ब्लॉक परिषर में दिव्यांगों के बीच ट्राई साइकिल का वितरण किया गया

मंडरोः

आकांक्षी प्रखंड मंडरो में दिव्यांगों के बीच ट्राई साइकिल का वितरण मंडरो बीडीओ मेघनाथ उरांव व जेएमएम केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलु मिश्रा के उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय समिति सदस्य संजय मिश्रा उर्फ बबलु मिश्रा ने कहा की राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही इन योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों तक इस प्रकार की सहायता पहुँचाना सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। उन्होंने लाभुकों से उपकरणों का सही उपयोग कर आत्मनिर्भर बनने की अपील की। मौके पर जेई सशी मंडल समेत अन्य ब्लॉक कर्मी व लाभुकों के परिवारजन उपस्थित रहे।

प्रोजेक्ट परख एवं प्रोजेक्ट प्राकृति के तहत विद्यालय में पौधारोपण में पाकुड़ जिला राज्य में अव्वल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःएक पेड़ मां के नाम अभियान एवं प्रोजेक्ट प्रकृति के तहत पाकुड़ जिले में पौधारोपण का कार्य उपायुक्त मनीष कुमार के मार्गदर्शन में लगातार जारी है। 14 जून तक पाकुड़ जिले में 30 हजार से अधिक पौधे पाकुड़ जिले में प्रोजेक्ट प्राकृति के तहत लगाये जा चुके हैं। इस मामले में पाकुड़ जिला राज्य में प्रथम स्थान पर है। उपायुक्त ने बताया कि अबतक 30 हजार से अधिक लोगों ने पौधारोपण कर उसके फोटो एप पर अपलोड कर दिए हैं। उपायुक्त ने कहा कि प्रोजेक्ट प्राकृति के तहत पूरे जिले में 3 महीने के अंदर 1 लाख पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही उपायुक्त मनीष कुमार ने सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मचारियों, प्रतिनिधियों एवं समस्त जिलेवासियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सभी को कम से कम दो पौधा लगाने हेतु अपील किया।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवसः रेलवे में बच्चों की सुरक्षा के लिए आरपीएफ का दृढ़ प्रयास

मालीगांव,:

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस हर वर्ष 12 जून को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य बाल श्रम के उन्मूलन और सभी बच्चों को शिक्षा सुनिश्चित करने के प्रति जागरूकता फैलाना है। इस दिवस की शुरूआत 2002 में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) द्वारा की गई थी। भारत में कानूनी प्रावधानों के बावजूद, गरीबी, अशिक्षा और असमानता जैसे कारणों से बाल श्रम आज भी जारी है और यह अक्सर रेलवे नेटवर्क पर देखा जाता है, जहाँ बच्चे असुरक्षित परिस्थितियों में रहते, काम करते या यात्रा करते हैं। रेल मंत्रालय के अंतर्गत रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ऐसे संवेदनशील बच्चों को रेस्क्यू करने और उनकी सुरक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभा रहा है। ह्लनन्हें फरिश्तेह्व पहल के तहत, आरपीएफ ने वर्ष 2021 से अप्रैल 2025 तक 61,345 बच्चों को बचाया है। इनमें अकेले यात्रा कर रहे नाबालिग, तस्करी के शिकार बच्चे, या भीख मांगते और संकट में पाए गए बच्चे शामिल हैं। आरपीएफ ने सघन निगरानी, खुफिया तंत्र और ट्रेनों में एस्कॉर्टिंग के माध्यम से बाल तस्करी, अपहरण, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग और चिकित्सा आपात स्थितियों जैसे कई मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल किया है। वर्ष 2021 से अब तक, 649 मानव तस्करों को गिरफ्तार

किया गया है और 2719 लोगों को रेस्क्यू किया गया है, जिनमें 2456 बच्चे और 263 पुरुषह्नमहिला वयस्क शामिल हैं। बाल तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को मजबूत करने के लिए, आरपीएफ ने नोबेल शांति पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी द्वारा स्थापित ह्लबचपन बचाओ आंदोलनह्व के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके अंतर्गत संयुक्त कार्रवाई, जागरूकता कार्यक्रम और समन्वित रेस्क्यू किए जा रहे हैं। जमीनी स्तर पर प्रतिक्रिया को सशक्त बनाने के लिए आरपीएफ ने 750 से अधिक मानव तस्कर रोधी इकाई और 135 चाइल्ड हेल्प डेस्क स्थापित किए हैं, और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 212 और डेस्क स्थापित किए जाने की योजना है। ये डेस्क प्राथमिक सहायता केंद्र के रूप में कार्य करते हैं, जो रेस्क्यू किए गए बच्चों को बाल कल्याण समितियों के माध्यम से पुनर्वास सेवाओं का लाभ प्रदान करते हैं। किशोर न्याय अधिनियम और मिशन वात्सल्य के अनुरूप अद्यतन मानक संचालन प्रक्रिया यह सुनिश्चित करती है कि आरपीएफ और रेल कर्मचारी द्वारा बाल संरक्षण के लिए संरचित दृष्टिकोण हो। आरपीएफ के विजन ह्लहमारा मिशनः ट्रेनों में बाल तस्करी को रोकनाह्व के साथ भारतीय रेलवे प्रतिबद्ध हैं कि रेलवे परिसर को सुरक्षित और आशापूर्ण वातावरण में बदला जाए, ताकि प्रत्येक रेस्क्यू किया गया बच्चा स्वतंत्रता, देखभाल और एक बेहतर भविष्य की ओर यात्रा शुरू कर सके।

शहरकोल पंचायत भवन में विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःझालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार शेष नाथ सिंह के निर्देश पर सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में पाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत शहरकोल पंचायत भवन में विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की गई, उक्त कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव रूपा बंदना किरो ने संबोधित करते हुए बताया कि आज 15 जून को हम सब विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के रूप में मानते हैं। इस दिवस को मानने को लेकर कहा कि विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस बुजुर्गों के साथ होने वाले अन्याय के खिलाफ शिक्षित करने के लिए समर्पित है, चाहे वह मौखिक, शारीरिक या भावनात्मक हो। समाजों में बुजुर्गों का सम्मान करें। अपने बड़ों का सम्मान करें और उनसे प्यार करें क्योंकि उन्होंने भी आपको वही सम्मान और प्यार दिया है। अपने बड़ों के साथ अच्छा समय बिताएँ। यह दिन यह सुनिश्चित करने के लिए है कि हम अपने बुजुर्गों पर ध्यान केंद्रित करें, यह सुनिश्चित करें कि वे उच्च गुणवत्ता और सम्मान का जीवन जीएं।बुजुर्ग से बात करे उनके लिए थोड़ा समय निकाले। जिस तरह माता पिता हम सब को पालते है तो हम सब अपने जिम्मेवारी को समझते हुए उनको भी देख भाल करे उनका सम्मान करे। सब इंस्पेक्टर सुबल कुमार दे ने बुजुर्ग से संबंधित कई कानूनी पहलुओं पर जागरूक की लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ मो नुकूमुद्दीन शेख ने विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता अभियान के तहत बुजुर्ग के हित एवं उनके कानूनी अधिकार के बारे में विस्तृत जानकारी दीबुजुर्ग को सम्मान करे उनसे सीख लेने की बात कही। सचिव रूपा बंदना किरो, सब इंस्पेक्टर सुबल कुमार दे, पंचायत के मुख्य विकास गौंड ने अपने हाथों से उपस्थित बुजुर्ग महिलाओं एवं पुरुष को गुलाब भेट कर उनके हाल चाल की जानकारी लेते हुए सम्मान किया गया। लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सहायक गंगाराम टुडू, शहरकॉल के मुखिया विकास गौंड इंडियन नेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष जेड एच विश्वास सदस्य माला सिन्हा,सानिया परवीन, अंजली कुमारी, नेहा दास, मोनल कुमारी, नसीर शेख, सज्जाद आलम, अनिमा कुमारी, जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ कर्मी एवं पीएलवी उत्पल मंडल, नीरज कुमार राउत समेत ग्रामीण पंचायत के अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ल्टीपर्पस भवन 'प्रगति केंद्र' एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण का किया गया भूमि पूजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जिले के सभी ग्राम पंचायतों में प्रोजेक्ट रक्ष अंतर्गत मल्टीपर्पस भवन 'प्रगति केंद्र सम्मान से समृद्धि तक का सफर' का निर्माण दो चरणों में कराने का निर्णय लिया गया है। रविवार को प्रथम चरण के तहत जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में जिले के सभी प्रखंडों के पाँच-पाँच कुल 30 ग्राम पंचायतों में मल्टीपर्पस (बहुदेशीय) भवन 'प्रगति केंद्र, सम्मान से समृद्धि तक का सफर' एवं शौचालय निर्माण (डी०एम०एफ०टी० एवं पंचायत समिति मद से) का भूमि पूजन किया गया।भूमि पूजन कार्यक्रम अन्तर्गत हिरणपुर प्रखंड में उप विकास आयुक्त श्री महेश कुमार संथालिया, जिला परिषद उपाध्यक्ष अशोक भगत, प्रखंड प्रमुख रानी सोरेन, उपप्रमुख अब्दुल गनी, बीडीओ टुडू दीलिप ने हिरणपुर के पांच पंचायतों- घाघरजानी, डांगापाड़ा, धोवाडांगा, बड़तल्ला एवं मंझलाडीह में भूमि पूजन कर बहुदेशीय भवन का नींव रखा। मौके पर बीपीओ ट्विंकल चौधरी, जेई प्रेमचन्द टुडू, परेश भारती, संबंधित मुखिया, पंचायत सचिव एवं अन्य लोग उपस्थित रहे। पाकुड़िया प्रखंड में उपायुक्त मनीष कुमार, विशेष कार्य पदाधिकारी त्रिभुवन कुमार सिंह,जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा तथा महेशपुर में परियोजना निदेशक, आईटीडीए अरूण कुमार एक्का, अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, बीडीओ सिद्धार्थ शंकर यादव, अंचलाधिकारी संजय कुमार सिन्हा, जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा। पाकुड़ प्रखंड में जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू, प्रखंड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा। वहीं लिट्टीपाड़ा में अनुमंडल पदाधिकारी साईमन मरांडी, बीडीओ संजय कुमार एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा, अमड़ापाड़ा प्रखंड में जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर, बीडीओ प्रमोद कुमार गुप्ता, जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में भूमि पूजन कर बहुद्देशीय भवन का नींव रखा। बहुद्देशीय भवन तथा सामुदायिक शौचालय निर्माण की अवधि 1 जून से 30 जुलाई, 2025 तक निर्धारित की गई है। इस भवन के निर्माण होने से ग्रामीण लाभान्वित होंगे।

अभाविप झारखंड का प्रांत अभ्यास वर्ग चतरा में संपन्न, नए दायित्व की हुई घोषणा

मांडर के उत्कर्ष तिवारी ने पूर्णकालिक जीवन में किया प्रवेश मेदिनीनगर में छात्रों के बीच करेंगे कार्य

चान्हों के राहुल ठाकुर को मिला रांची ग्रामीण जिला संयोजक का दायित्व,

मांडर से दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है जो 1949 50 से सदैव राष्ट्रगीत की भावना के साथ छात्र एवं समाज में अपने कार्यों को लेकर मुखर रहता है इसका प्रांत अभ्यास वर्ग वार्षिक होता है एवं इसमें विभाग विश्वविद्यालय जिला अस्तर में प्रदेश भर से दायित्वों की घोषणा होती है चार दिन तक कार्यकताओं को विद्यार्थी परिषद के कार्य पद्धति रीति नीति सीखाया जाता है एवं उसका अभ्यास कराया जाता है इस बार भी 12 से 15 जून को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर चतरा में अभ्यास पर संपन्न हुई अंतिम दिन विभाग विश्वविद्यालय एवं जिला स्तर पर पूरे प्रदेश भर विधायकों की घोषणा हुई रांची ग्रामीण जिले से चान्हों के राहुल ठाकुर को जिला संयोजक का दायित्व सोपा गया उन्होंने कहा कि मुझ जैसे सामान्य कार्यकर्ता के उपर प्रांत नेतृत्व ने जो भरोसा दिखाया है

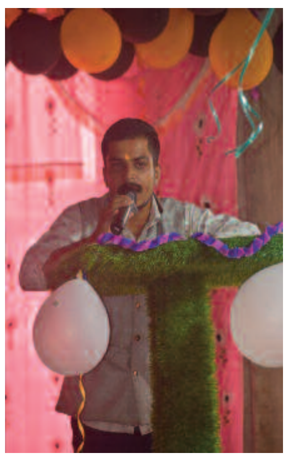

उस पर खड़ा उतरने का प्रयास करूंगा ।मांडर कॉलेज की छात्रा रातु की श्वेता को रांची विभाग का छात्रा प्रमुख की जिम्मेरी दी गई है। राजनीतिक विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉक्टर पवन कुमार दास को रांची जिला के जिला प्रमुख बनायागया है। मांडर के कंदरी निवासी उत्कर्ष तिवारी जी ने अब पूर्णकालिक जीवन में प्रवेश किया है। अभाविप में पूर्णकालिक छात्र दूसरे जिले में विद्यार्थियों के बीच कार्य करते हैं। उत्कर्ष जी को पलामू जिले के मेदनीनगर में विद्यार्थी विस्तारक की जिमवारी सौंपी गई है।

पूर्णकालिक कार्यकर्ता बने उत्कर्ष तिवारी, अभाविप ने सौंपा मेदिनीनगर विस्तारक का दायित्व

प्रांत अभ्यास वर्ग में घोषित हुआ नाम, चतरा में संपन्न हुआ कार्यक्रम

चतरा-

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP), जो विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है, निरंतर राष्ट्रहित और छात्र जागरण की भावना के साथ कार्य करता आ रहा है। संगठन की कार्यपद्धति, रीति-नीति और अनुशासन आधारित संगठनात्मक परंपरा को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला प्रांत अभ्यास वर्ग इस वर्ष 12 से 15 जून तक चतरा स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में संपन्न हुआ। इस चार दिवसीय अभ्यास वर्ग में प्रदेशभर के विभाग, विश्वविद्यालय और जिला स्तर के कार्यकताओं ने भाग लिया। अभ्यास वर्ग के अंतिम दिन आगामी वर्ष के लिए दायित्वों की घोषणा की गई, जिसमें रांची ग्रामीण, रांची विभाग और अन्य जिलों के लिए प्रमुख जिम्मेदारियाँ निर्धारित की गईं। इस वर्ष की सबसे उल्लेखनीय घोषणा मांडर प्रखंड के खंदारी ग्राम निवासी उत्कर्ष तिवारी को लेकर रही। विद्यार्थी परिषद में कई वर्षों से सक्रिय और प्रतिबद्ध रहे उत्कर्ष तिवारी ने अब संगठन में पूर्णकालिक जीवन का निर्णय लिया

है। उन्हें प्रांत नेतृत्व द्वारा पलामू जिले के मेदिनीनगर में विद्यार्थी विस्तारक का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। पूर्णकालिक कार्यकर्ता बनने का अर्थ है कि वे अब अपने निजी जीवन से आगे बढ़कर संगठन के लिए पूर्णकालिक रूप से काम करेंगे और विद्यार्थियों के बीच रहकर उन्हें राष्ट्र निर्माण और सामाजिक चेतना की दिशा में प्रेरित करेंगे। उत्कर्ष तिवारी का यह निर्णय युवाओं के लिए प्रेरणास्पद है और संगठन की मूल भावना छात्र शक्ति, राष्ट्र शक्ति को चरितार्थ करता है। दायित्व ग्रहण करने के बाद उत्कर्ष तिवारी ने कहा, अभाविप ने मुझ पर जो विश्वास जताया है, मैं उस पर खरा उतरने का हर संभव प्रयास करूंगा। मैं विद्यार्थी हित और राष्ट्रभक्ति के संकल्प को लेकर मेदिनीनगर में कार्य करूंगा। इस अवसर पर रांची ग्रामीण जिले से चान्हों के राहुल ठाकुर को जिला संयोजक का दायित्व सौंपा गया, वहीं रातू की श्वेता, जो मांडर कॉलेज की छात्रा हैं, को रांची विभाग की छात्रा प्रमुख नियुक्त किया गया है। साथ ही राजनीतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार दास को रांची जिला प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई है।

अभाविप का प्रशिक्षण और विस्तार

अभाविप का यह अभ्यास वर्ग संगठनात्मक नीतियों, कार्यक्रमों और व्यवहारिक अनुशासन के गहन प्रशिक्षण के लिए जाना जाता है। चार दिनों तक चले इस वर्ग में कार्यकताओं को विचार, संवाद, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रसेवा के भाव को विकसित करने हेतु प्रशिक्षण दिया गया। प्रदेश नेतृत्व ने कहा कि इस प्रकार के अभ्यास वर्गों के माध्यम से संगठन युवाओं में नेतृत्व, सामाजिक चेतना और राष्ट्रवाद के बीज बोता है। उल्लेखनीय है कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद 1949-50 से छात्रों और समाज के लिए लगातार कार्यरत है। आज यह न केवल एक छात्र संगठन बल्कि राष्ट्रीय चेतना का वाहक बन चुका है।

लायन विजय कुमार पाठक शामिल हुए लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर में

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - लायन बिजय कुमार पाठक आज अपने पाँच समर्थकों के साथ लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के अध्यक्ष लायन राजेश केडिया के अध्यक्षता में क्लब की सदस्यता ग्रहण की।इस अवसर पर रीजन चेयर पर्सन लायन प्रेमशंकर मिश्रा डिस्ट्रिक्ट 322अ,क्लब के कोषाध्यक्ष लायन अंकित सर्राफ, क्लब पी.आर.ओ.लायन शिव किशोर शर्मा,लायन साकेत अग्रवाल आदि उपस्थित थे।मौके पर लायन प्रेमशंकर मिश्रा ने कहा कि लायन विजय कुमार पाठक के क्लब में शामिल होने के बाद अब ग्रेटर क्लब डिस्ट्रिक्ट में और भी नए कीर्तिमान स्थापित करेगी।यह जानकारी क्लब के पी.आर.ओ.लायन शिव किशोर शर्मा ने दी है ।

ऑटो पलटने से चार घायल एक को किया रिम्स रेफर

मांडर से दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - एनएच 75 में मुड़मा पुल के निकट रविवार को एक सब्जी लदे ऑटो के पलट जाने से उसमें सवार चान्हो के हुटार निवासी रामबिलास भगत 45 वर्ष, अजीत उरांव 35 वर्ष व पूना उरांव 50 वर्ष एवं बेजांग गांव के सुकरा भगत 52 वर्ष घायल हो गये. घायलों में सुकरा भगत को ज्यादा चोट आई है. जिसे मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना सुबह करीब आठ बजे की है. बताया जा रहा है कि ये सभी अपने गांव से सब्जी लेकर उसे बेचने केअज्ञात वाहन ने उनके ऑटो को धक्का मार दिया. जिससे ऑटो असंतुलित होकर सड़क पर पलट गयी!

विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

साहिबगंजः

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार के निदेर्शानुसार प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश- सह -अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार, साहेबगंज श्री अखिल कुमार के मार्गदर्शन में आज विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरुकता दिवस के अवसर पर गंगा विहार स्थित स्नेह स्पर्श वृद्धा आश्रम में कार्यक्रम आयोजित किया गया ।प्राधिकार के सचिव श्री विश्वनाथ भगत ने कहा कि बुजुर्ग हमारे अस्तित्व हैं। इनके नाम से ही आज हमारा नाम है। इनके होने से ही हमारा सब कुछ है। यदि यह नहीं होते तो हम भी नहीं होते। हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए। उनके अनुभवों को आत्मसात कर लाभान्वित होना चाहिए। उन्होंने वृद्ध आश्रम में रह रहे वरिष्ठ नागरिकों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि आज जो हमारी प्राचीन सभ्यता थी, उसका ह्रास होते जा रहा है। समाज में वृद्धों की उपेक्षा बहुत ही निंदनीय है। हमें वरिष्ठजनों का सम्मान करना चाहिए।इस अवसर पर आश्रम में रह रहे सभी वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य पर विचार किया गया। सभी वरिष्ठ नागरिकों की ठीक से देखभाल करने के लिए कहा गया ।कार्यक्रम में चीफ लीगल एड कौंसिल अरविन्द गोयल व उनकी टीम , जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी और अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

प्रभाष गुप्ता बनायें गये अन्तराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन के संथाल परगना प्रमण्डल प्रभारी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर ।अन्तराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के झारखण्ड प्रान्त के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार ने वैश्य समाज के प्रति गहरी निष्ठा रुचि व कार्यकुशलता को देखते हुए प्रभाष गुप्ता को अन्तराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन का संथाल परगना प्रमण्डल प्रभारी बनाया है। और उम्मीद जताई है कि प्रभाष गुप्ता अपने क्षेत्र में संगठन को मजबूत करते हुए गति प्रदान करेंगे। प्रमण्डल का प्रभारी बनाए जाने पर श्री गुप्ता ने कहा कि हमें जो जिम्मेदारी प्रान्तीय अध्यक्ष द्वारा दी गई है। उसे हम सफलतापूर्वक निभाते हुए वैश्य समुदाय को जागरूक करेंगे।

खेलो इंडिया एथलेटिक सेंटर देवघर के विष्णु मुर्मू ने भाला फेंक में जीता स्वर्ण पदक

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

दूसरा झारखंड राज्य सब जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप -2025 जो कि 14-15 जून को जामताड़ा में अयोजित था कुल 13 सदस्य देवघर जिला के खिलाड़ी भाग लिया जिसमे देवघर जिला को दो पदक हासिल हुआ` खेलो इंडिया एथलेटिक्स सेंटर देवघर के विष्णु मुर्मू ने अंडर -16 बालक वर्ष में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीता वही मधुपुर कि अनुषा मुर्मू ने बालिका -14 वर्ष में ट्रायथलॉन- बी ग्रुप में कांस्य पदक जीतो देवघर जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष डॉ सुनील खवाड़े ने कहा की विष्णु लगातार ग्राउंड में पसीना बहा रहे है अपने कोच दीपक कुमार का साथ उसका फल मिला वही अनुषा मुर्मू कोच सरफराज के देखरेख में मधुपुर में अभ्यास करती है। सभी विजेता खिलाड़ी और उनके कोच को सम्मानित किया जायेगा। विजेता खिलाड़ियों को जिला खेल पदाधिकारी संतोष कुमार जिला एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष डॉङ्क सुनील खवाड़े, सचिव मनोज मिश्रा, आशीष झा, नीतू देवी, सुरेश शाह, रवि केसरी, डॉ अमित प्रसाद, आशीष दुबे, निक्की झा, बंटी नंदन सिंह, नीतीश सिंह,रजनीश कुमार, अमित सोनी, चंदन कुमार, गौरव कुमार, राजेश कुमार, आशीष दुबे, मनीष भारद्वाज, दीपक कुमार, अजय खवाड़े सहित अन्य पदाधिकारियों ने शुभकामनाएं दी।

भारत विकास परिषद देवघर शाखा ने 25 महिलाशक्ति के बैच को सिलाई प्रशिक्षण देने का शुभारंभ किया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज भारत विकास परिषद देवघर शाखा लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की नारी सशक्तिकरण की प्रेरणा से और उनकी 300वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में स्वावलंबी नारी के दिशा में एक प्रयास करते हुए मुफ्त महिला सिलाई प्रशिक्षण का शुभारंभ किया। स्थानीय मैत्रेय स्कूल के हॉल में 10 दिवसीय इस प्रशिक्षण में 25 महिलाओं को बेसिक सिलाई का प्रशिक्षण दिया जाएगा जिसमें कटिंग सिलाई और रिपेयरिंग करना सिखाया जाएगा। परिषद की सचिव कंचन शेखर सिंह के निर्देशन में वंदना कुमारी महिलाओं को प्रशिक्षित करेंगी। वहीं किरण बरनवाल और ब्यूटी कुमारी पूरे दस दिन प्रशिक्षण में सहयोग करेंगी। प्रशिक्षण का शुभारंभ करते हुए भारतीय विकास परिषद देवघर शाखा के अध्यक्ष आलोक मल्लिक ने कहा कि हम यहां बेसिक प्रशिक्षण दे रहे हैं लेकिन इसके आगे जिन महिलाओं और युवतियों को एडवांस्ड प्रशिक्षण की जरूरत होगी उन्हें व्यावसायिक प्रशिक्षण दिलाने में भी सहयोग किया जाएगा। साथ ही स्वावलंबन और आर्थिक उपार्जन हेतु अपने घर पर सिलाई केंद्र खोलना चाहेंगी तो उन्हें बैंक से ऋण दिलाने में भी सहायता किया जाएगा। परिषद के वरीय सदस्य प्रोफेसर परिमल सिंह ने महिलाओं से स्वावलंबन बनने हेतु गंभीरता के साथ प्रशिक्षण लेने को अनुप्रेरित किया तथा उन्हें ऐसे कई स्वावलंबी महिलाओं का उदाहरण दिया जिन्होंने सिलाई प्रशिक्षण कर अपने घरों में ही कमाई भी कर रही हैं। उपाध्यक्ष अभय कुमार ने कहा कि हमारा प्रयास तभी सफल कहा जाएगा जब आप में से कई लोग प्रशिक्षण के बाद इसे आर्थिक उपार्जन का भी जरिया बनाएंगे। सचिव कंचन शेखर सिंह ने बताया कि वे सभी प्रशिक्षणार्थियों को बेसिक सिलाई में प्रशिक्षित कर हुनरमंद बनाने का प्रयास करेगी ताकि वे इस हुनर के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो सके। वहीं प्रशिक्षक वंदना कुमारी ने प्रशिक्षण के लिए आवश्यक टिप्स देते हुए जरूरी सामानों के बारे में बताया। साथ ही आज उन्हें सिलाई के बेसिक चीजों के बारे में बताया गया। कल से सबको प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा प्रशिक्षण पूरा करने वाले सभी नारीशक्ति को अंतिम दिन प्रमाण पत्र भी दिए जाएंगे।

पीएम का सीवान आगमन लेकर भाजपा न नेता राकेश सिंह ने दरियापुर में की बैठक

पटना , ।

प्रधानमंत्री की सिवान मे 20 को होने वाले जनसभा को सफल बनाने की तैयारी को लेकर आज दरियापुर मे पार्टी कार्यकर्त्ता द्वारा बैठक किया गया जिसमे भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह ने परसा विधानसभा से बड़ी संख्या मे लोगो को कार्यक्रम मे चलने की अपील की इस अवसर पर जिला महामंत्री निरंजन शर्मा जिला मंत्री अर्जुन सिंह जिला मंत्री राजीव सिंह मंडल अध्यक्ष मंटू बाबा मंडल अध्यक्ष रामानंद सिंह मंडल सहयोजक मोनू सिंह महामंत्री सुनील गुप्ता मनोज ठाकुर अरुण सोनी प्रमोद सिंह उमेश साह गौरव सिंह सहित अनेक लोग उपस्थित थे सभी लोगो ने कहा की मोदी जी की कार्यक्रम मे दरियापुर की अच्छी भागीदारी होंगी इसके लिए हमलोग तैयारी मे लगे हुए है।

झारखंड, शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई को लेकर सहायक अध्यापकों ने विरोध किया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर/ पलोजोरी प्रखंड झारखंड शिक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई हटाए जाएंगे 29 सहायक अध्यापकों को मानदेय बंद कर हटाने की प्रक्रिया को लेकर सहायक अध्यापकों ने विरोध किया।पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत आज दिनांक 15/6/2025 को सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा की बैठक प्रखंड अध्यक्ष बासुकी सिंह की अध्यक्षता में की गई जिनमें सैकड़ों सहायक अध्यापक भाग लिया एवं वर्तमान में ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा किया गया। जिनमें मुख्य रुप से राज्य सरकार द्वारा पालोजोरी के 29 सहायक अध्यापकों को मानदेय बंद कर हटाने की प्रक्रिया किया को लेकर सहायक अध्यापकों ने उसका विरोध किया । प्रखंड स्तरीय समस्या सहायक अध्यापकों को लोन लेने हेतु, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी द्वारा पे सेलरी स्लीप नही दिया जा रहा है ।जिसके कारण सहायक अध्यापकों को भारी परेशानी हो रही है । सहायक आचार्य शिक्षक नियुक्ति में सहायक अध्यापकों को अनुभव प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। जिसे समय पर नहीं दिया जा रहा है। अनुभव प्रमाण पत्र लेने के लिए सहायक अध्यापकों को अन्य प्रखंड जाना पड़ता है। हस्ताक्षर कराने के लिए सहायक अध्यापकों को

परेशानी हो रही है । साहित्य सम्मेलन अन्य प्रमाण पत्र के आधार पर मानदेय रोकने वालें सहायक अध्यापकों को ई - विद्यावाहिनी से नाम हटाया गया है जबकि देवघर जिले के अन्य प्रखंडों से नहीं हटाया गया है प्रखंड स्तरीय ज्वलंत मुद्दों का समाधान के लिए संघर्षरत मोर्चा के सदस्य प्रखंड पालो जोरी के प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी से मिलने का निर्णय लिया गया साथ ही साथ राज्य सरकार द्वारा वादा खिलाफी के कारण सहायक अध्यापकों में भारी आक्रोश है प्रदेश स्तर से जैसे ही दिशा निर्देश मिलते ही यहां के सहायक अध्यापक बड़े आन्दोलन करने को पालोजोरी प्रखंड तैयार है ।आन्दोलन हेतु संगठन को मजबूत करने हेतु संकुल स्तरीय बैठक दौरा करने का निर्णय लिया गया मोके पर मुकेश कुमार साह , बासुकी सिंह, समसूल अंसारी, हली हुसैन, संजय पांडे ,चन्द्रकान्त सिंह ,मुस्ताक अंसारी, अरुण महतो ,विजय सिंह, सुनीता कुमारी, रामलाल मंडल, दिलीप राना , अर्जुन राणा,उत्पल भट्टाचार्य, मुख्तार अली शाह, अनुरोध मंडल, फाल्गुन रुज, अवधेश भंडारी, चन्द्रशेखर भंडारी ,तुलसी दास ,राजीव रंजन सिंह, आशुतोष मिर्धा ,ताहिर अंसारी, मुकेश भोक्ता ,जयसिंह मुर्मू ,अताउल्लाह अंसारी, हबुबल रहमान, सुनिल महतो, अनिता गण, इजराइल अंसारी, रबीलाल, रजाउद्दीन अंसारी, फजलुर्रहमान, समीर दत्त, एवं अन्य सहायक अध्यापक उपस्थित रहें।

नई सोच और बदलाव की प्रतीक हैं, सिल्विया पहाड़िन की बदली किस्मत

रिपोर्ट - अविनाश मंडल

पाकुड़ःहिरणपुर प्रखंड के छोटे से गांव तेलोपाड़ा की रहने वाली आदिम जनजाति समुदाय से जुड़ी सिल्विया पहाड़िन कभी जंगलों में लकड़ी चुनकर अपने परिवार का पेट पालती थीं। आदिम जनजाति समुदाय से आने वाली सिल्विया का जीवन संघर्षों से भरा था, लेकिन आज वह अपने साहस, मेहनत और लगन के दम पर सैकड़ों महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं। ग्रामीण विकास विभाग की पहल पलाश (JSLPS) द्वारा संचालित सन 2022 में गुलाब फूल सखी मंडल से जुड़कर सिल्विया ने अपने जीवन की दिशा बदली।उन्होंने सखी मंडल से जुड़ छोटा छोटा बचत करने सीखी पलाश जेएसएलपीएस द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त कर सखी मंडल से प्रथम में 10 हजार का ऋण ली, उस राशि से 200 मुर्गी लेकर सफर की पहली सीढ़ी चढ़ी 200 मुर्गी पालन कर 55 हजार रुपये तक की कमाई की फिर दूसरा चरण में 30 हजार रुपये ऋण प्राप्त कर 1 हजार मुर्गी पालन कर 96 हजार रुपये की कमाई

की। साथ ही अब तक सिल्विया पहाड़िन मुर्गी पालन के व्यवसाय की जरिए 1.5 लाख से 2 लाख रुपये तक कमाई कर चुकी है। उस राशि से अपने अधूरे घर को पूरा करने में लगा रही हैं। सिल्विया पहाड़िन अब बड़े पैमाने में मुर्गी पालन की योजना बनाई है जहां एक बार में 2 हजार से 5 हजार मुर्गी रख सके।शुरूआती में कठिनाइयों के बावजूद सिल्विया ने हार नहीं मानी। आज वही व्यवसाय उन्हें लाखों की आमदनी दिला रहा है, सिल्विया न केवल खुद आत्मनिर्भर बनी हैं, बल्कि उन्होंने गांव की अन्य महिलाओं को भी इस रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित किया है। वह अब एक सफल उद्यमी के रूप में जानी जाती हैं और उनके संघर्ष व सफलता की कहानी गांव-गांव में मिसाल बन चुकी है।

प्रेरणा का प्रतीक

सिल्विया पहाड़िन की यह यात्रा हमें सिखाती है कि अगर इच्छाशक्ति और मेहनत हो तो कोई भी महिला सामाजिक और आर्थिक बंधनों को तोड़कर आत्मनिर्भर बन सकती है। जंगल से निकलकर व्यवसाय की ऊंचाइयों तक पहुंची सिल्विया आज नई सोच और बदलाव की प्रतीक हैं।

हर्षराज को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का प्रदेश कार्यालय मंत्री नियुक्त

संगठन ने रांची महानगर सह मंत्री के कार्य को दी धार

रांची-

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, जो वर्षों से राष्ट्रनिर्माण की भावना के साथ छात्रहितों और सामाजिक चेतना के लिए प्रतिबद्ध रहा है, उसके संगठनात्मक ढांचे में एक महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए रांची महानगर से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ता हर्षराज को प्रदेश कार्यालय मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। यह नियुक्ति संगठन की परिपक्व दृष्टि और कार्यकताओं के योगदान को पहचानने की परंपरा का प्रतीक है। हर्ष राज विद्यार्थी परिषद के एक ऊजार्वान और विचारनिष्ठ कार्यकर्ता हैं, जिन्होंने रांची महानगर में रहते हुए न केवल छात्र जीवन से जुड़े मुद्दों को मुखरता से उठाया, बल्कि परिषद की विचारधारा को धरातल पर उतारने का भी निरंतर प्रयास किया। उनके नेतृत्व में कई शैक्षणिक, सामाजिक और संगठनात्मक कार्यक्रमों का सफल संचालन हुआ, जिसने रांची में परिषद की उपस्थिति को और भी मजबूत किया। अब जब उन्हें प्रदेश स्तर पर कार्यालय मंत्री की जिम्मेदारी मिली है, यह न केवल उनके कार्यों की स्वीकृति है, बल्कि संगठन के प्रति उनके समर्पण का सम्मान भी है। इस नई भूमिका में वे संगठन के प्रांतीय गतिविधियों, कार्यालयीय समन्वय और कार्यकताओं के मार्गदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसी के साथ एक और बड़ा परिवर्तन हुआ है। रांची महानगर को अब एक स्वतंत्र जिला इकाई के रूप में कार्य करने की मान्यता दी गई है। यह संगठनात्मक निर्णय परिषद के विस्तार, विकेन्द्रीकरण और कार्यकुशलता को बढ़ाने की दिशा में

एक अहम कदम है।अभाविप की परंपरा सदैव रही है कि वह कार्यकर्ता को कार्य के माध्यम से तराशती है और जब वह योग्य सिद्ध होता है तो उसे सम्मानपूर्वक नई भूमिका देती है। हर्ष राज की नियुक्ति इसी परंपरा का एक सशक्त उदाहरण है। संगठन को विश्वास है कि वे अपनी नई भूमिका में भी पूर्ववत समर्पण और ऊर्जा के साथ कार्य करेंगे, और छात्रहितों, राष्ट्रवाद तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक आयोजित

31 जुलाई को जंतर-मंतर पर त्राहिमाम महाधरना की तैयारी शुरू

वैश्य, ओबीसी के लिए मिल का पत्थर साबित होगा महाधरना- महेश्वर साहु

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा की केंद्रीय समिति की बैठक आज रांची के कांके-सुकुरहुट्टू स्थित कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु के कार्यालय में आयोजित किया गया. इस बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु एवं संचालन उप-प्रधान महासचिव उपेन्द्र प्रसाद ने किया. बैठक में 31 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले त्राहिमाम महाधरना की तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. तय किया गया कि पूरे प्रदेश में बैठक एवं जनसंपर्क के माध्यम से जंतर-मंतर पर होने वाले महाधरना कार्यक्रम की महत्ता को समाज के बीच बताया जायेगा और जाने वाले प्रमुख लोगों को सूचीबद्ध किया जायेगा. यह भी तय किया गया कि झारखंड सहित आसपास के राज्यों के वैश्य नेताओं, सांसदों, विधायकों तथा

बुद्धिजीवीयों को केंद्रीय अध्यक्ष द्वारा निमंत्रण भेजा जायेगा. इस कार्यक्रम की सफलता के लिए 11 सदस्यीय तैयारी समिति का गठन किया जायेगा, जिसकी केंद्रीय अध्यक्ष द्वारा जल्द ही घोषणा की जायेगी. इस अवसर पर लोहरदगा के भोला भगत, शिव प्रसाद साहु एवं हाइकोर्ट के अधिवक्ता मनोज कुमार चौधरी वैश्य मोर्चा के सदस्य बने और समाज सेवा करने का संकल्प लिया. बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु ने कहा कि झारखंड में ओबीसी को 27% आरक्षण देने, आरक्षण से वंचित जिलों- खूंटी, सिमडेगा, गुमला, चाईबासा, जमशेदपुर, लोहरदगा आदि में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने, जाति आधारित जनगणना, वैश्य आयोग का गठन, पिछड़ा वर्ग मंत्रालय का गठन, छोटे दुकानदारों के 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्य समाज की लूटी गयी जमीन वापसी, वैश्यों पर हो रहे अत्याचार, शोषण, हत्या, लूट, पुलिसिया जुल्म आदि मांगों को लेकर 31 जुलाई को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाली महाधरना कार्यक्रम वैश्य एवं ओबीसी के लिए मिल का पत्थर साबित होगा. हमें अपना अभियान को आगे बढ़ाते रहना चाहिए. इस बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहु, वरीय उपाध्यक्ष अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद, केंद्रीय उपाध्यक्ष सह हाइकोर्ट के अधिवक्ता सहदेव चौधरी, परशुराम प्रसाद, संथाल प्रमंडल के अध्यक्ष प्रमोद चौधरी, केंद्रीय महासचिव कपिल प्रसाद साहु, दिलीप प्रसाद, मुख्य प्रवक्ता बीरेन्द्र कुमार, संगठन महासचिव कृष्णा साहु, अनिल वैश्य, संगठन सचिव राजेन्द्र साहु, रांची नगर महासचिव मनोज कुमार, केंद्रीय सदस्य विजय कुमार, डॉ. अरविंद कुमार, नरेश साहु, प्रेम प्रकाश गुप्ता, नंदकिशोर भगत, महिला मोर्चा की कार्यकारी अध्यक्ष दीपारानी कुंज, युवा मोर्चा के अध्यक्ष हलधर साहु, सचिव आदित्य पोद्दार, छात्र मोर्चा के अध्यक्ष युवराज साहु, भोला भगत, शिव प्रसाद साहु, अधिवक्ता मनोज कुमार चौधरी, अविनाश कुमार आदि मुख्य रूप से

बिहार में आने वाले चुनाव की रणनीति को लेकर ब्रह्मर्षि सेवा अभियान की बैठक गयाजी में आयोजित

गया से अमरेंद्र कुमार दिव्य दिनकर के लिए।

सामाजिक,राजनीतिक जातीय बदलाव को लेकर ब्रह्मर्षि सेवा अभियान की कार्यकारी बैठक आज गयाजी के झीलगंज स्थित कार्यालय में आहुत किया गया। इस बैठक में उपस्थित सभी वक्ताओं ने ब्रह्मर्षि समाज की चहुमुखी बिकास,एवं राजनीति में ब्रह्मर्षि समाज की हो रही उपेक्षा पर क्षोभ व्यक्त करते हुए इस समाज की राजनीतिक उत्कर्ष के लिए अपनी ओजस्वी वाणी से उपाय और मार्ग बताने का कार्य किया। विभिन्न वक्ताओं ने अपनी विचार रखते हुए बताया कि लोक संस्कार,लोक संपर्क और लोक संग्रह के द्वारा ही संगठन को मजबूत एवं सुदृढ़ किया जा सकता है। राष्ट्रीय ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के राष्ट्रीय प्रवक्ता नन्द जी ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि राजनीति आज मानव जीवन के हर गतिविधियों को नियंत्रित कर रहा है,इसलिए राजनीतिक रूप से ब्रह्मर्षि समाज को सशक्त एवं जागरूक होना होगा। आज ब्रह्मर्षि समाज सभी दलों के लिए सिर्फ मतदाता बनकर रह गया है जो एक गंभीर चिंता की बात है। अनिल स्वामी द्वारा सभा को संबोधित करते हुए कहा गया कि आज की राजनीति में ब्रह्मर्षियों को एक संगठित ताकत के रूप में उभारने की जरूरत है,ताकि आपकी सामाजिक राजनीतिक ताकत को कोई भी राजनीतिक दल कमतर करके न आंके,आपकी वोट का कोई भी दल दुरुपयोग न कर सके। ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के जिलाध्यक्ष अजय कुमार ने बताया कि सेवा अभियान अपने सकारात्मक प्रयासों के द्वारा समाज में अपेक्षित बदलाव लाने को सदैव प्रतिबद्ध है,जिससे समाज में शैक्षणिक,आर्थिक मानसिक और बैचारिक बदलाव आ सके। आज के बैठक में स्वामी संतोषानंद ने बताया कि मंच माला और माइक की आकर्षण से दूर होकर समाज की मजबूती के लिए पवित्र और समर्पण भाव से कार्य करने की जरूरत है। संकल्प के द्वारा एक छोटा जीव गिलहरी जब कुछ कर सकता है,तो हमारी जन्म तो एक प्रबुद्ध और संस्कारवान कुल और घर में हुई है फिर इस समाज को कोई कैसे गिरा और दबा सकता है,सिर्फ जरूरत अपनी जुनून और जज्बा को जगाने की है। अगर ब्रह्मर्षि समाज में परिवर्तन लाना है तो संकल्प और त्याग पैदा करने की जरूरत है। आज की बैठक को संबोधित करते हुए ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल शर्मा जी ने बताया कि समाज के सभी बड़े छोटे लोगों को इस संगठन से जोड़ने की आवश्यकता है,और यह प्रक्रिया सतत रूप से चलते रहना चाहिए।आज ब्रह्मर्षि समाज को सभी दलों द्वारा मजबूरी की तराजू में तौल दिया गया है,इस जाती के राजनीतिक ताकत को आज सभी दलों द्वारा नजरअंदाज किया जा रहा है,जिसके कारण यह समाज लगातार उपेक्षित होते जा रहा है। सेवा अभियान के कोषाध्यक्ष संजय शर्मा महूयेद ने बताया कि ब्रह्मर्षि समाज को लगातार अपमानित और प्रताड़ित किया जा रहा है। इस समाज के महापुरुषों पुरोधाओं

के राजनीतिक सामाजिक योगदान को जानबूझकर कर बिस्मृत किया जा रहा है। आज की बर्तमान बिहार सरकार द्वारा ब्रह्मर्षि बहुल क्षेत्रों से ब्रह्मर्षि उम्मीदवारों को टिकट न देकर इस जाती के मान सम्मान पर लगातार चोट किया जा रहा है,जो बिहार के बर्तमान सरकार की जातीय पूर्वाग्रह को दिखाता है। वर्तमान एनडीए की सरकार सिर्फ वोट के लिए ब्रह्मर्षि समाज का भयादोहन करके इस समाज को हाशिए पर धकेलने की कुत्सित कार्य कर रही है,जिसका प्रतिकार ब्रह्मर्षि समाज आने बाला चुनाव में बर्तमान सरकार के खिलाफ करेगा ये कहना था ब्रह्मर्षि सेवा अभियान के राष्ट्रीय सचिव महेश शर्मा का। आज की इस कार्यक्रम में उपस्थित लोगों में दीपू सिंह,चंदन साही, रविरंजन कुमार,पुष्कर कुमार,अमित कुमार,ओमप्रकाश शर्मा,अमित प्रकाश, सुमंत कुमार,राधेकांत शर्मा आदि लोग मौजूद थे।

पिता प्रत्येक बच्चे के लिए धरती पर ईश्वर का साक्षात रूप होते हैं : डॉ. प्रदीप सिंह देव

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। पितृ दिवस पिताओं के सम्मान में एक व्यापक रूप से मनाया जाने वाला पर्व हैं जिसमे पितृत्व, पितृत्व-बंधन तथा समाज में पिताओं के प्रभाव को समारोह पूर्वक मनाया जाता है। अनेक देशों में इसे जून के तीसरे रविवार, तथा बाकी देशों में अन्य दिन मनाया जाता है। मौके पर स्थानीय विवेकानंद शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा संस्थान के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप कुमार सिंह देव ने कहा- फादर्स डे की शुरूआत बीसवीं सदी के प्रारंभ में पिताधर्म तथा पुरुषों द्वारा परवरिश का सम्मान करने के लिये मातृ-दिवस के पूरक उत्सव के रूप में हुई. यह हमारे पूर्वजों की स्मृति और उनके सम्मान में भी मनाया जाता है। प्रथम फादर्स डे स्पोकाने, वाशिंगटन के सोनोरा स्मार्ट डोड के प्रयासों से दो वर्ष बाद 19 जून 1910 को आयोजित किया गया था। डॉ. देव

ने आगे कहा, हर पिता हर बच्चा के लिए आदर्श है क्योंकि उनमें वे सारी योग्यताएं मौजूद हैं। पिता से अच्छा मार्गदर्शक कोई हो ही नहीं सकता। हर बच्चा अपने पिता से ही सारे गुण सीखता है जो उसे जीवन भर परिस्थितियों के अनुसार ढलने के काम आते हैं। उनके पास सदैव हमें देने के लिए ज्ञान का अमूल्य भंडार होता है, जो कभी खत्म नहीं होता। हर परिस्थिति में वे शांति से सोच समझ कर आगे बढ़ते हैं और गंभीर से गंभीर मामलों में भी धैर्य बनाए रखते हैं। वे हमेशा संयमित व्यवहारकुशलता से हर कार्य को सफलता पूर्वक समाप्त करते हैं। वे कभी छोटी-छोटी बातों को भी नजर अंदाज नहीं करते बल्कि हर बात को गंभीरता से लेकर उसका महत्व हमें समझाते हैं। किसी भी प्रकर की गलती होने पर वे हमें डांटने के बजाए हमेशा प्यार से समझाते हैं और गलतियों के परिणाम बताते हुए दोबारा न करने की सीख भी देते हैं। उनका दिल बहुत बड़ा है, कई बार उनके पास पैसे नहीं होते हुए भी वे अपनी जरूरत भूलकर हमारी जरूरतों और कभी कभी गैरजरूरी फरमाइशों को भी पूरा करते हैं वे कभी हमें या परिवार के सदस्यों को किसी भी चीज के लिए तरसने नहीं देते। पिता प्रत्येक बच्चे के लिए धरती पर ईश्वर का साक्षात रूप होते हैं। वे अपनी संतान को सुख देने के लिए अपने सुखों को भी भुला देते हैं। वे रात दिन अपने बच्चों के लिए ही मेहनत करते हैं और उन्हें वे हर सुविधा देना चाहते है जो उन्हें भी कभी नहीं मिली। कई बार छोटी सी तनख्वाह में भी बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए पिता कर्ज में भी डूब जाते हैं लेकिन बच्चों के सामने कभी कोई परेशानी जाहिर नहीं करते ... शायद इसीलिए पिता, दुनिया में सबसे महत्वपूर्ण होते हैं।

संक्षिप्त समाचार

मगध प्रमंडल के चर्चित साहित्यकार सच्चिदानंद प्रेमी जी की पत्नी विश्वंभरी पद्मा के निधन पर शोक सभा

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण साहित्यिक संस्था जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन एवं समकालीन जवाबदेही परिवार के संयुक्त तत्वावधान में मगध प्रमंडल के चर्चित साहित्यकार डॉ सच्चिदानंद प्रेमी जी की धर्मपत्नी विश्वम्भरी पद्मा के आकस्मिक निधन पर एक शोकसभा का आयोजन किया गया।जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डा सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में आयोजित शोकसभा में उपस्थित लोगों ने सर्वप्रथम दो मिनट का मौन रखा एवं आत्मा के शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने बताया कि विश्वंभरी पद्मा शिक्षाविद् ,धर्म परायण समाजसेवी महिला के रूप में जानी जाती थी। भागवत प्रसाद बी एड कॉलेज औरंगाबाद की पूर्व प्राचार्या थी।शिक्षा के प्रति उनकी गहरी अभिरुचि थी। जरूरतमंदों को हमेशा मदद किया करती थी।उनके आकस्मिक निधन से साहित्यिक, सामाजिक शैक्षिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है।राम सुरेश सिंह,प्रो रामविलास प्रसाद, नारायण सिंह,अलखदेव सिंह,लवकुश प्रसाद सिंह, रामभजन सिंह,सिंहेश सिंह, उदय प्रताप सिंह,डॉ शिवपूजन सिंह,अशोक कुमार सिंह,अर्जुन सिंह सहित अन्य लोगों ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि विश्वम्भरी पद्मा शिक्षाविद के साथ-साथ एक कुशल प्रशासिका थी जिनके नेतृत्व में बच्चे अनुशासित होकर अध्ययन-अध्यापन का कार्य किया करते थे।

अवैध देसी कट्टा के साथ ओबरा पुलिस ने एक युवक को किया गिरफ्तार

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद : - जिले के पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर रविवार को जम्होर थाना क्षेत्र के चित्रगोपी गांव में छापेमारी कर पूर्व आर्म्स एक्ट के फरार अभियुक्त को एक देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार किया है। इस बात की जानकारी देते हुए दाउदनगर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार ऋषि राज ने बताया कि आसूचना के आधार पर जम्होर थाना क्षेत्र के चित्रगोपी गांव निवासी भोला सिंह के 28 वर्षीय पुत्र छोटू कुमार को एक अवैध देसी कट्टा के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उन्होंने कहा कि यह युवक कांड संख्या 130/25 आर्म्स एक्ट का अभियुक्त है और दो माह से फरार चल रहा था।इसके प्रति पुलिस की पैनी निगाह रखी जा रही थी।ओबरा थाना अध्यक्ष नितीश कुमार को गुप्त सूचना मिली और त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी टीम गठित की। जिसमें फरार अभियुक्त को घर से गिरफ्तार कर थाना लाया। छापेमारी टीम में शामिल पीटीसी दीपक कुमार एवं अन्य पुलिस बल शामिल थे।

निजी क्लिनिक में इलाज के दौरान युवक की मौत, शव को रख कर परिजनों ने किया हंगामा

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह (औरंगाबाद)गोह प्रखंड मुख्यालय स्थित एस.एस. आयुर्वेद भवन में उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया, जब इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान अरवल जिले के शहर तेलपा थानाक्षेत्र के केयाल गांव निवासी रामवृक्ष मिस्त्री के 35 वर्षीय पुत्र शंकर विश्वकर्मा के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, शंकर विश्वकर्मा ऑटो से गया जा रहे थे, इसी दौरान रास्ते में ऑटो पलट जाने से वे गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन आनन-फानन में उन्हें गोह स्थित निजी क्लीनिक में भर्ती कराए, जहां डॉक्टर शशि रंजन अनुपस्थित थे। आरोप है कि वहां मौजूद कंपाउंडर ने घायल युवक को इंजेक्शन दिया, जिसके कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही परिजनों और स्थानीय ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने शव को क्लिनिक के बाहर रखकर प्रदर्शन शुरू कर दिया और मुआवजे की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही एसआई पूजा शर्मा एवं एएसआई शिवपूजन यादव मौके पर पहुंचे और हालात को काबू में किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। इधर, सूत्रों के अनुसार, मृतक के परिजन और क्लीनिक प्रबंधन के बीच मुआबजे को लेकर समझौता हुआ, जिसके बाद परिजनों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस को सौंपा। इस संबंध में गोह थाना अध्यक्ष मोहम्मद इरशाद ने बताया कि, हमृतक के परिजनों की ओर से अब तक कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। आवेदन मिलने पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

प्रोफेसर देवज्योति जी द्वारा जन स्वराज युवा संगोष्ठी का आयोजन

दिव्य दिनकर

भागलपुर रविवार को चांद परिसर, आदमपुर, भागलपुर मे जनसुराज भागलपुर द्वारा युवा संगोष्ठी का आयोजन प्रोफेसर देबज्योति द्वारा किया गया जिसमे मुख्य रूप से सोशल इन्फ्लूएंशर लोगों को बुलाया गया था । विषय था : भागलपुर विधानसभा मे गिरते हुए वोटिंग प्रतिशत । वोटिंग क्यों गिर रहा है, समाधान क्या है, युवाओं का क्या रोल है, राजनीतिक दल का क्या भूमिका होनी चाहिए, प्रशासन सामाजिक संस्था या शैक्षणिक संस्थान के भी दायित्व कर्तव्य पर बातें हुई इत्यादि । कार्यक्रम संचालन संजीव संगम का था और उपस्थिति प्रणव सिंहा, पारह साहा, शिवम सिंहा, मयंक सिंह, निताई, अनिल, इश्तियाक, सद्दाम, आदि का रहा । अध्यक्षता मे नियाजुद्दिन ने किया । ज्ञात हो की 2005 से 2024 तक आते आते वोटिंग प्रतिशत 55% से 53, फिर 48%, और 2024 मे तो 43 पर आ गया है ।

जनता दल (यूनाइटेड) की बारुण होटल मोहित मैरिज हॉल में बुथ जीतो -चुनाव जीतो को लेकर बैठक आयोजित किया गया पूर्व विधायक - वीरेन्द्र कुमार सिंह

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के बारुण प्रखंड में जनता दल (यूनाइटेड) ने एक निजी रिसोर्ट में बुथ जीतो -चुनाव जीतो को लेकर बैठक आयोजित किया गया,इस बात की जानकारी देते हुए पूर्व विधायक वीरेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि इस बैठक की अध्यक्षता बारुण प्रखंड के प्रखंड अध्यक्ष उपेंद्र कुमार यादव ने किया,आगे इस कार्यक्रम बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में औरंगाबाद के पूर्व सांसद सह नबीनगर के पूर्व विधायक वीरेंद्र कुमार सिंह एवं नबीनगर विधानसभा के प्रभारी अरुण शर्मा शामिल हुए। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद ने कहा कि *श्री नीतीश कुमार* के 20 वर्षों के कार्यकाल में राज्य का सर्वांगीण विकास हुआ है। नवंबर 2005 में बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार का गठन हुआ जिसमें न्याय के साथ विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। श्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में सबका विकास हुआ। राज्य में साइकिल योजना, पोशाक योजना, प्रोत्साहन योजना, के साथ-साथ स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, युवाओं को रोजगार, विद्यालय भवन का निर्माण, विद्यालय में शिक्षकों का अनुपात 30 पर नियुक्ति, जीविका का गठन पंचायतो में 50% महिलाओं को आरक्षण, सबर्ण आयोग का गठन, सभी जिलों में इंजीनियरिंग एवं मेडिकल कॉलेज की स्थापना, आईटीआई की स्थापना, हर खेत तक बिजली, हर घर तक बिजली एवं हर घर नल का जल इत्यादि आनेको काम किए गए। बिहार लगातार विकास के मामले में देश में अव्वल स्थान पर रहा। अगर इसी रफ्तार से काम होता रहा तो

अगले 5 वर्षों में बिहार विकसित राज्यों की श्रेणी में आ जाएगा। इस बैठक में राजद एवं जन सुराज पार्टी को छोड़कर जदयू ज्वाइन किए जिसकी सदस्यता पूर्व सांसद ने दिलाया। इस बैठक में अत्यंत पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष जितेंद्र कुमार चंद्रवंशी, जिला जदयू के उपाध्यक्ष विभूति नारायण पांडे, सुरेंद्र कुमार सिंह, जिला महासचिव उदय पटेल, पूर्व राज्य परिषद सदस्य अनिल कुमार यादव, अत्यंत पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव विनोद ठाकुर, अत्यंत पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार ठाकुर, 20 सूत्री सदस्य वीरेंद्र चंद्रवंशी, पंचायत अध्यक्ष बिरला झा, जोखू सिंह पटेल, दुर्गा प्रजापति , रविंद्र यादव, भगवान मेहता, पिंटू यादव, अशोक कुमार सिंह, अजय पटेल, रणजीत सिंह इत्यादि पंचायत अध्यक्ष शामिल हुए।

कुटुंबा प्रमुख धर्मेंद्र कुमार की अध्यक्षता में अतिपिछड़ा समाज वर्ग का एक बैठक आयोजित किया गया।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के एक निजी होटल में अतिपिछड़ा समाज का बैठक आयोजन कीया गया !इस बैठक का आयोजन कुटुंबा प्रखंड प्रमुख धर्मेंद्र कुमार के नेतृत्व में किया गया था,इस बैठक में अतिपिछड़ा समाज के मुख्य लोग उपस्थित हुए! इस मौके पर सर्व सम्मती से अति पिछड़ा समाज का जिला स्तर पर संरक्षक मंडल गठन करने का निर्णय लिया गया! इस मौके पर प्रबुध लोगों ने अति पिछड़ा समाज पर आए दिन हो रहे हमला को लेकर चिंता व्यक्त किया! साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव मे अति पिछड़ा के राजनैतिक भागीदारी पर चर्चा किये! आगे इस बैठक में चर्चा करते हुए नवीनगर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी और चार बार से कुटुम्बा के प्रखंड प्रमुख रहे श्री धर्मेंद्र कुमार चंद्रवंशी ने कहा की आगामी विधानसभा चुनाव में कोई भी दल अति पिछड़ा समाज को हल्का मे लेने का भूल न करें! उन्होंने कहा की अतिपिछड़ा समाज

को इस बार औरंगाबाद जिले के छह विधानसभा सीट मे से कम से कम एक सीट पर टिकट देने वाला दल को ही अति पिछड़ा समाज साथ देगा! नहीं देने पर इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा! आगे वक्ताओं ने कहा की हम सभी अति पिछड़ा समाज इस बार एकजुट हैं और अति पिछड़ा समाज को राजनैतिक रूप से इग्नोर करना किसी को भी दल को भारी पड़ेगा! इसलिए इसबार अति पिछड़ा के प्रत्याशि को जो पार्टी टिकट देगा हम लोग भी वोट उसी को करेंगे! आगे की रणनीति के लिए अगला बैठक 21/6/25 को किया जायेगा और एक बड़ा निर्णय लिया जाएगा। इस मौके पर राजरूप पाल जी, विनोद ठाकुर जी, शारदा शर्मा जी, सुरेंद्र प्रसाद जी, दिनेश पाल जी, रंजीत चंद्रवंशी जी, धर्मेंद्र सिंह जी, आर्यन प्रजापति जी, अरविंद ठाकुर, अंकित कुमार, मंजय शर्मा, शिवम कुमार, के साथ ही अनेकों लोग उपस्थित हुए!

ओबरा महोत्सव को कैलेण्डर में शामिल करते हुए आयोजन हेतु 25 लाख का आवंटन आवंटित करने की पर्यटन विभाग से मांग की गई

रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- ओबरा महोत्सव को कैलेण्डर में शामिल करते हुए आयोजन हेतु 25 लाख का आवंटन आवंटित करने की पर्यटन विभाग से मांग की गई।इसके तहत मां देबी मंदिर ओबरा, बुद्ध स्थल मनोरा एवं शहीद जगतपति कुमार स्मारक स्थल को हाईलाइट करने हेतु विभिन्न कार्यक्रम होंगे आयोजित। उक्त निर्णय ओबरा महोत्सव आयोजन समिति की आज हुई बैठक में लिया गया । बैठक अध्यक्ष रामसेवक प्रसाद पूर्व मुखिया की अध्यक्षता में श्री कृष्ण सिंह स्मृति स्थल ओबरा में संपन्न हुई । महोत्सव पुरुष सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि ओबरा महोत्सव विगत कई वर्षों से आयोजित किया जा रहा है । इस वर्ष 6 एवं 7 सितंबर को आयोजित है । इसके तहत शोभा यात्रा, संगोष्ठी, सांस्कृतिक एवं बोद्धिक प्रतियोगिताएं, सम्मान समारोह, एवं रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे । इसमें स्थानीय कलाकारों और छात्र छात्राओं को प्राथमिकता के आधार पर मंच प्रदान किया जाएगा । परंतु आयोजन में आर्थिक कमजोरी बाधा पैदा कर रही है । इसलिए उक्त महोत्सव को पर्यटन विभाग विहार सरकार के कैलेंडर में शामिल करते हुए महोत्सव आयोजन हेतु 25 लाख रुपए आवंटन आवंटित करने की मांग की गयी । दुसरे प्रस्ताव के जरिए मां देबी ओबरा , बुद्ध स्थल मनोरा एवं शहीद जगतपति कुमार स्मारक स्थल को हाईलाइट करने संबंधी

संगोष्ठी और स्मारिका प्रकाशन पर बिचार किया गया तथा उक्त स्थलों को पर्यटन स्थल की मान्यता देने की मांग विहार सरकार से की गयी। अन्य प्रस्ताव के जरिए महोत्सव का एक खातू किसी बैंक या पोस्ट औफीस में खोलने का लिया गया बैठक में कार्यकारी अध्यक्ष कृष्ण कांत शर्मा, सचिव कौशिक दुबे, कोषाध्यक्ष अतुल आनंद,दिनेश्वर गुप्ता, प्रदीप कुमार। शैलेष कुमार,संजय कुमार जायसवाल, शिवनारायण प्रसाद,सह सचिव संजय मालाकार, अनील कुमार मेहता,प्रभात भगत, युगल किशोर पांडेय, कमल किशोर पांडेय, चाणक्य परिषद के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार चौबे आदि मौजूद थे।

जिले के सभी 11 प्रखंडों के चयनित 30 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सभी 11 प्रखंडों के चयनित 30 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम राज्य सरकार द्वारा संचालित एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं से सीधे संवाद स्थापित कर उन्हें सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देना और उनकी अपेक्षाओं को समझना है। अब तक औरंगाबाद जिले में कुल 1692 ग्राम संगठनों में महिला संवाद का आयोजन किया जा चुका है। जिले में प्रतिदिन 15 महिला संवाद रथ दो पालियों में संचालित किए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से अब तक कुल 44,708 अपेक्षाओं को मोबाइल ऐप पर प्रविष्ट किया गया है। महिला संवाद के दौरान महिलाएँ राज्य सरकार की योजनाओं से हुए लाभों को साझा करती हैं तथा योजनाओं को और बेहतर बनाने हेतु सुझाव भी देती हैं। यह मंच महिलाओं को अपनी समस्याओं, आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं को निर्भीकता से व्यक्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य सरकार द्वारा संचालित लोक-कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित फिल्में संवाद रथों में प्रदर्शित की जा रही हैं तथा महिला सशक्तिकरण संबंधी योजनाओं से संबंधित लीफलेट का वितरण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार द्वारा महिलाओं के नाम भेजा गया विशेष संदेश भी इस अवसर पर साझा किया जा रहा है। विमल ग्राम संगठन, मझौली, कुटुम्बा में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री (भा.प्र.से.) की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री मनोज कुमार, प्रखंड कृषि पदाधिकारी श्री प्रदीप कुमार, जिला परियोजना प्रबंधक (जीविका) श्री पवन कुमार, प्रबंधक (खरीदारी) श्री श्रीकांत शर्मा, प्रखंड परियोजना प्रबंधक श्री धनंजय कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक श्री बीर बहादुर शर्मा एवं सामुदायिक समन्वयक श्री रंजीत दास भी उपस्थित रहे। जिला पदाधिकारी द्वारा महिलाओं को संबोधित करते हुए बिहार सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे कन्या उत्थान योजना, बालिका पोशाक योजना, मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना, मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, सतत जीविकोपार्जन योजना, वृद्धा पेंशन योजना एवं सरकारी नौकरियों में महिलाओं को दिए जा रहे आरक्षण की जानकारी विस्तार से दी गई। उन्होंने उपस्थित महिलाओं से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने की अपील भी की। यह कार्यक्रम महिलाओं के आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता एवं सामाजिक भागीदारी को मजबूत करने की दिशा में एक प्रभावशाली पहल सिद्ध हो रही है।

जिले में सपा की भागीदारी सुनिश्चित करे इण्डिया गठबंधन

सरकारी दुशासन की भेंट चढ़ गई नीतीश का सुशासन – पप्पू

प्रशासनिक निरंकुशता, जिले में व्याप्त अराजकता सहित जन समस्याओं एवं कई महत्वपूर्ण बिंदुओं को लेकर मुंगेर जिला समाजवादी पार्टी के प्रमुख साथियों की एक आवश्यक बैठक रविवार को जिला मुख्यालय के किला क्षेत्र स्थित शहीद स्मारक भवन में जिला अध्यक्ष पप्पू यादव की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें आमजन से जुड़े मूलभूत समस्याओं पर विचार विमर्श करते हुए आगामी विधानसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के तहत इस जिले में सपा की हिस्सेदारी सुनिश्चित करने पर भी चर्चा हुई। मौके पर सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने कहा जब राजनीति में आंदोलन की परिपाटी लगभग समाप्त हो गई है राजनीति की बाजारीकरण में किसी भी पार्टी के नेता कार्यकर्ता जनसमस्याओं को दरकिनार कर मुंगेर जैसे ऐतिहासिक जिला को विकास के मापदंड पर काफी पिछे ढकेल दिया है और नीतीश कुमार का सुशासन सरकारी दुशासन के भेंट चढ़ता जा रहा है जिसे लेकर समाजवादी पार्टी सतही स्तर पर जिले में बढ़ते अपराध बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था पुलिसिया व प्रशासनिक तानाशाही भीषण गर्मी में विद्युत की अनियमित आपूर्ति पेयजल संकट को लेकर आंदोलन तेज करेगी।। लोहिया वाहिनी के प्रदेश महासचिव रविकांत झा मुंगेर सदर प्रखण्ड अध्यक्ष ईश्वर मंडल मुंगेर नगर अध्यक्ष मो आजम जमालपुर नगर अध्यक्ष अमर शक्ति बरियारपुर प्रखण्ड अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने वर्तमान स्थितियों पर चर्चा करते हुए कहा कि इस सरकार में दोयम दर्जा प्राप्त मुंगेर जिला की स्थिति तभी सुधरेगी जब जमीन पर संघर्ष करने वाले को सदन में जगह मिलेगा। नेताओं ने कहा कि इंडिया गठबंधन के कई घटक दल के नेता जो केवल समीकरण पर राजनीति चमका रहे हैं वहीं समाजवादी पार्टी अपने संघर्ष के दम पर इस जिले में एक अलग मुकाम हासिल किया है इसलिए जिले में एनडीए गठबंधन की हवा निकालने के लिए इंडिया गठबंधन से इस क्षेत्र में सपा की भागीदारी सुनिश्चित किया जाए जिससे कि मुंगेर जिला अपना खोया हुआ गौरव पुनः प्राप्त कर सके । मौके पर जिला उपाध्यक्ष रामनाथ राय महासचिव मिथलेश यादव प्रवक्ता गणेश पोद्दार सचिव नकुल यादव मिडिया प्रभारी मनोज क्रांति गोपाल वर्मा छडपन मंडल दिनेश साहू कालेश्वर महतो सहित अन्य लोग शामिल थे।

राष्ट्रीय युथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप की तैयारी को लेकर विधानसभा उपाध्यक्ष से हुई चर्चा

दिव्य दिनकर संवाददाता

मुंगेर/पटना। सितंबर महीने में बिहार में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप की तैयारी को लेकर बिहार स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव अभिषेक कुमार यादव के नेतृत्व में तैयारी जोर-जोर से आरंभ कर दी गई है। चैंपियनशिप के आयोजन को लेकर बिहार के विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर इस विषय पर लगातार चर्चा जारी है। संगठन के सचिव अभिषेक कुमार यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने रविवार को बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव से मुलाकात की। विधानसभा उपाध्यक्ष नरेंद्र नारायण यादव के साथ विशेष बातचीत के दौरान संगठन के सचिव अभिषेक कुमार यादव ने कहा कि इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन के नवनियुक्त राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मिश्रा एवं राष्ट्रीय सचिव राकेश ठाकरान के दिशा निर्देश पर बिहार स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन के तहत बिहार इकाई का गठन किया गया। सितंबर 2025 में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय युथ बॉक्सिंग चैंपियनशिप को लेकर आगामी 22 जून को बिहार स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन की विशेष बैठक आयोजित की जाएगी। जिसमें बिहार के सभी 38 जिलों से प्रतिनिधिमंडल हिस्सा लेंगे। बैठक के दौरान इंडियन एमेच्योर बॉक्सिंग फेडरेशन की ओर से नियुक्त राष्ट्रीय पर्यवेक्षक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। जिनकी देखरेख में बिहार स्टेट बॉक्सिंग संगठन के प्रदेश कमेटी के अलावा सभी 38 जिलों के लिए जिला कमेटी का गठन किया जाएगा। फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश मिश्रा एवं राष्ट्रीय सचिव राकेश ठाकरन के दिशा निर्देश पर

वर्ष 2025 में भारत के विभिन्न राज्यों में आयोजित होने वाले बॉक्सिंग चैंपियनशिप को लेकर कैलेंडर जारी हो चुका है। जिसमें सब जूनियर, जूनियर, सीनियर, हैवी-वेट कटेगरी में बॉक्सिंग राष्ट्रीय चैंपियनशिप होने जा रही है। चैंपियनशिप को लेकर संगठन के पदाधिकारी तैयारी में जुट चुके हैं। बिहार के कई जिले में जिला बॉक्सिंग एसोसिएशन का गठन किया जा चुका है और उन जिलों में काफी रफ्तार में एसोसिएशन का कार्य जारी है। वहीं, बिहार स्टेट बॉक्सिंग एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने बिहार प्रदेश मुखिया संघ के अध्यक्ष मिथिलेश राय के साथ भी मुलाकात की। एसोसिएशन के सचिव अभिषेक कुमार यादव ने बताया कि बिहार के 38 जिले में बॉक्सिंग एसोसिएशन बनने जा रही है। बिहार के बॉक्सर छूटे नहीं, इसको ध्यान में रखते हुए बिहार के सभी स्कूल तथा कॉलेज के साथ-साथ ग्रामीण में जाकर प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की खोज की जा रही है। खिलाड़ियों का चयन कर उन्हें अच्छी तरह ट्रेनिंग देकर जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा, राज्य स्तरीय प्रतिस्पर्धा तथा राष्ट्रीय स्तरीय प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जाएगा। मौके पर बांका जिला से दीपक कुमार, नालंदा जिला से रजनीश कुमार तथा नवादा जिला से विपिन कुमार मौजूद रहे।

अनुसूचित जाति जनजाति संथाल परगना के अध्यक्ष ने कुलपति से की शिष्टाचार भेंट

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज दिनांक 15 जून 2025 को ऑल इंडिया अनुसूचित जाति जनजाति एवं पिछड़ा वर्ग अपॉइंटमेंट कोऑर्डिनेशन काउंसिल के संथाल परगना अध्यक्ष डॉ राजेश कुमार दास ने सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय दुमका के नए कुलपति प्रोफेसर डॉक्टर कुनुल कंदीर से उनके आवासीय कार्यालय में सिस्टाचार भेंट कर सवर्प्रथम उन्हें बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की छवि एवं बुके-देकर भगवान बिरसा मुंडा की पवन भूमि एवं बाबा बैद्यनाथ की धरती पर उनको सम्मानित एवं अभिनंदन किया। इस दौरान डॉक्टर दास ने विश्वविद्यालय स्तर पर तमाम महाविद्यालय में हरी व्यापक अनियमितता को लेकर महोदय को अवगत कराया साथ उन्होंने कहा कि तत्कालीन प्रभारी कुलपति के कार्यकाल में संवैधानिक नियम आरक्षण रोस्टर प्रणाली का खुलेआम धज्जियां उड़ाई गई है चाहे वह घंटी आधारित सहायक व्याख्याता नियुक्ति हो या फिर यू आर की नियुक्ति हो या प्रभारी प्राचार्य की नियुक्ति का मामला हो इन सभी में नीम को तक पर रखकर आरक्षण रोस्टर प्रणाली का खुलेआम उल्लंघन किया गया इसलिए इन सभी व्यापक अनियमितता को रांची विश्वविद्यालय में जिस प्रकार कमेटी गठित कर जांच की प्रक्रिया प्रारंभ हुई है ठीक उसी प्रकार सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय में भी अनियमितता की जांच होने से कई व्यापक घोटाले सामने आएंगे। इस दौरान माननीय महोदय के द्वारा अस्वस्थ किया गया कि जितनी भी गलतियां हुई है उसकी समीक्षा अवश्य की जाएगी।

जनसंख्या का समीकरण : कमजोरी या ताकत !

विचार

> भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश में बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था।

संजीव ठाकुर

भारत एक दशक के बाद सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश होगा और सबसे ज्यादा युवा जनसंख्या वाला भी देश होगा, अब समय आ गया है जब देश की सरकार और समूचे जनसंख्या प्रबंधन की इकाइयों को सक्रिय होकर बढ़ती जनसंख्या और उपलब्ध संसाधनों के बीच सामयिक संतुलन बनाकर बड़ी जनसंख्या को बोझ न मानकर एक शक्ति के रूप में स्थापित इसका सर्वाधिक दोहन राष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए निहित करे, निश्चित तौर पर यह हमारे ऊपर है कि हमारी युवा जनसंख्या का उपयोग हम सही तरीके से विकास की गति के साथ साथ तालमेल बिठाकर इसे राष्ट्र के विकास के श्रोत की तरह विकसित करें ' भारत की युवा और दिवा शक्ति के माध्यम से साइंस, टेक्नोलॉजी, मेडिकल, सेना, कंप्यूटर साइंस और स्वयं उद्यम के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भारत को अग्रणी देश बनाने का प्रयास किया जाना चाहिए ' अब इस विशाल जनसंख्या का सीमित संसाधन पर कितना दबाव होगा, आप ये कल्पना कर सकते हैं। बहुत अधिक जनसंख्या देश में अनेक सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनैतिक समस्याओं को जन्म भी देती है। वर्तमान में भारत 141 करोड़ जनसंख्या (अनुमानित) के साथ विश्व में दूसरे नंबर पर है पहले नंबर पर चीन 145(अनुमानित)करोड़ की आबादी वाला देश है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 1989 से 11 जुलाई को हर वर्ष जनसंख्या दिवस के रूप में मनाता है पर जनसंख्या नियंत्रण या जनसंख्या नियोजन पर भारत जैसे देश में कोई भी योजना नहीं बनती है। यही जनसंख्या बढ़ चुकी है और भारत में युवा जनसंख्या 55% से ज्यादा है तो इसका सकारात्मक उपयोग ही किया जाना युक्ति युक्त होगा। व्यापारिक दृष्टिकोण से भारत की जनसंख्या बाजार की ताकत है पर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टिकोण से जनसंख्या विकास के लिए बड़ी बाधक भी है। अधिक जनसंख्या के दबाव में सीमित संसाधन छिन्न-भिन्न हो जाते हैं आम जनता को उनकी मूल जरूरतों की आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पाती और यदि मिलती भी है तो बहुत ऊंची दरों

में या बहुत महंगाई के बाद।ऐसे में देश में अनेक समस्याएं पैदा होती है, और सबसे ज्यादा जनसंख्या के दबाव से विकास के लिए संकट खड़ा हो जाता है। विकास धीरे-धीरे मध्यम का अवरुद्ध हो जाता है। देश का आर्थिक नियोजन चरमराने लगता है। वर्ष 1951 से 81 के दशक को भारत की जनसंख्या की विस्फोटक अवधि के रूप में जाना जाता है। यह देश में मृत्यु दर के तीव्र स्खलन और जनसंख्या की उच्च प्रजनन दर के कारण हुआ है। वर्ष 1921 तक की अवधि में भारत की जनसंख्या की वृद्धि स्थिर अवस्था में रही क्योंकि इस अवधि में जनसंख्या वृद्धि की दर काफी निम्न थी। 1981 से लगातार अभी तक जनसंख्या की दर बढ़ती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा बढ़ती जनसंख्या के मुद्दों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य इस वर्ष विश्व जनसंख्या दिवस स्लोगन 'परिवार नियोजन मानव का अधिकार' रखा गया है, ताकि बढ़ती जनसंख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति जागरूक होकर लोगों द्वारा परिवार नियोजन पर उत्साहजनक जोर दिया जाए। यह स्लोगन यह संकेत करता है कि सुरक्षित एवं शैक्षिक परिवार नियोजन एक जिम्मेदार नागरिक का अधिकार है और यह सभी लोगों को सशक्त बनाएगा और देश में विकास की गति को तेज करने में सहायक भी होगा। भारत की जनसंख्या बढ़ने का प्रमुख कारण बढ़ती जन्म दर और कम मृत्यु दर भी है। जनसंख्या वृद्धि के कारण देश मैं बेरोजगारी गरीबी पर्यावरण प्रदूषण जैसी समस्याएं चुनौती बनकर सामने आई जो समाज व्यक्ति और राष्ट्र सभी के विकास को अवरुद्ध करती है। हमारे पास उपलब्ध संसाधन इतनी बड़ी आबादी के लिए कतई पर्याप्त नहीं है। विकास और देश की समृद्धि के लिए जनसंख्या नियंत्रण एक आवश्यक अंग हो सकता है। कई यूरोपीय देशों ने अपनी बढ़ती जनसंख्या एवं संसाधनों में उचित तालमेल हेतु परिवार नियंत्रण प्रणाली को का निर्णय लिया किंतु एक समय बाद वहां कार्यशील जनसंख्या की अपेक्षा वृद्धों की संख्या में वृद्धि हुई जिससे मानव संसाधन की समस्याएं उनके सामने आने लगी हैं। चीन में पहले जनसंख्या नियंत्रण किया गया था। सरकार ने वैधानिक रूप से एक या दो बच्चे पैदा करने की शर्तें लागू की थी, पर वहां बुजुर्गों, वृद्धों की संख्या में भारी वृद्धि होने के पश्चात चीन की सरकार ने ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की अपनी जनता से अपील की है। जापान एक छोटा सा देश होने के बावजूद अपने सीमित संसाधनों के चलते अपने नवाचार तथा तकनीकी शक्ति के बल पर विकासशील देशों के समकक्ष खड़ा है। भारत जैसे विशाल देश में जहां बहुत बड़ी जनसंख्या भी है और विकास के लिए आवश्यक संसाधन भी हैं, विकास करने के लिए केवल विशाल जनसंख्या के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता होगी। भारत में जनसंख्या नियंत्रण के साथ-साथ उसके अनुपात में संसाधनों का संतुलन बना कर विकास की नई दिशा दी जा सकती है। संसाधनों की उचित दोहन हेतु सही और सटीक नीति तथा उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी। इसके अलावा नवाचार एवं उचित तकनीक प्रौद्योगिकी को भी अमल में लाना होगा। भारत विश्व का प्रथम देश है जिसने 1952 में परिवार नियोजन कार्यक्रम राष्ट्रीय स्तर पर शुरू किया इसका परिणाम भी अच्छा हुआ था कि पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या की वृद्धि में संतोषजनक गिरावट आई है। यह तो विदित है कि किसी भी राष्ट्र की संतुलित विकास की धारा तभी संभव है जब वहां के विकास में सहायक संसाधनों का संतुलन बना रहे। किसी एक घटक का संतुलन यदि गड़बड़ होता है तो विकास के लिए गंभीर समस्याएं जन्म लेना शुरू करती हैं। भारत की जनसंख्या इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो दिन दूर नहीं जब संसाधनों की कमी से भारत को जूझना होगा फिर विकास की बात बेमानी हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जनसंख्या दिवस मनाने का उद्देश्य है कि व्यक्ति समाज सरकार और योजना कानों के मन में इस विषय से संबंधित समस्याओं के प्रति चेतना संवेदना जगाना ही है ताकि लोगों में बढ़ती जनसंख्या से जुड़ी समस्याएं एवं अवरोधों के बारे में जागरूकता ज्यादा से ज्यादा विस्तारित हो। भारत के पास विकास के सभी मापदंड होते हुए भी देश पिछड़ा हुआ है, भारत में तकनीकी का कम विकास, कमजोर शिक्षा, परंपरागत स्त्रोत, कृषि का निम्न स्तर, आर्थिक असमानता जैसी अनेक समस्याएं हैं जो विकास मैं बाधक बनती रही है। वर्तमान में देश के पास प्राकृतिक एवं मानव संसाधन इतना है कि बढ़ती जनसंख्या की समस्याओं से आसानी से निपटा जा सके पर इस बात की अत्यंत आवश्यकता है कि संसाधनों का उचित दोहन तथा उसका सही उपयोग विकास की दिशा में भ्रष्टाचार से बचाकर किया जाए। यह अत्यंत उल्लेखनीय है कि जनसंख्या की समस्या से निपटने तथा विकास की दर को बढ़ाने की जिम्मेदारी केवल शासन प्रशासन की ही नहीं है इसके लिए आम नागरिक भी जिम्मेदार है क्योंकि समस्याएं खड़ी करने में आमजन का एक बड़ा वर्ग भी है, इसीलिए हम सबको जनसंख्या नियंत्रण और विकास की धारा को सही दिशा प्रदान करने के लिए सक्रिय सहयोग देना होगा तब ही देश एक सशक्त राष्ट्र बन पाएगा।

(लेखक, चिंतक, स्तम्भकार)

संपादकीय

12 करोड़ से ज्यादा लोग बेघर

गौरतलब है कि वर्तमान में दुनिया में मुख्य रूप से दो मोर्चों पर आमने-सामने का युद्ध हो रहा है, वह है रूस-यूक्रेन और इजराइल-हमास। रूस और यूक्रेन के बीच तो लंबे समय से संघर्ष चल रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग हताहत भी हुए हैं। निकट भविष्य में इस युद्ध का अंत होने के आसार अभी नजर नहीं आ रहे हैं। इस कारण यूक्रेन में 88 लाख लोगों को अपना घर-बार व जमीन-जायदाद छोड़ कर दूसरी जगह जाना पड़ा है। वहीं, इजराइल-हमास के बीच युद्ध में ईरान का हस्तक्षेप भी किसी से छिपा नहीं है। दूसरी ओर, सीरिया एक दशक से अधिक समय से गृहयुद्ध झेल रहा है, जिस कारण वहां भी बड़ी संख्या में लोगों को विस्थापन का दर्द झेलना पड़ रहा है। रपट के मुताबिक, आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या पिछले वर्ष के अंत में नौ फीसद से बढ़ कर 7.35 करोड़ हो गई है। गृहयुद्ध से जूझ रहा सूडान तो दुनिया के सबसे बड़े विस्थापन संकट का केंद्र बन गया है, जहां संघर्ष के कारण 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। यह सीरिया के 1.35 करोड़ विस्थापितों से अधिक हैं। इसके अलावा अफगानिस्तान में एक करोड़ से अधिक लोगों को जबरन विस्थापित किया गया है। हालांकि, इस मामले में भारत की स्थिति में कुछ सुधार हुआ है। जिनेवा स्थित आंतरिक विस्थापन निगरानी केंद्र की एक हालिया रपट के मुताबिक, भारत में वर्ष 2024 में हिंसा के कारण 1,700 लोग विस्थापित हुए, जो 2023 में विस्थापित लोगों की संख्या से कम हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि भारत में इस मामले में भविष्य में और सुधार होगा। विस्थापन का एक पहलू यह भी है कि इन लोगों को खाद्य संकट और कुपोषण का भी शिकार होना पड़ रहा है। विश्व खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की रपट के अनुसार, दुनिया भर में कुल विस्थापितों में से 9.5 करोड़ ऐसे देशों में रह रहे हैं, जहां पहले से ही खाद्य संकट गहराया हुआ है, जैसे कि कांगो, कोलंबिया, सूडान और सीरिया। करीब 20 देशों में 14 करोड़ लोग युद्ध और हिंसा के कारण भोजन की कमी से जूझ रहे हैं। इससे स्थिति का सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र और कुछ अंतरराष्ट्रीय सहायता एजंसियां विस्थापित लोगों की मदद का प्रयास करती रही हैं, लेकिन वित्तीय कोष के अभाव में उनके ये प्रयास भी नाकाफी साबित हो रहे हैं।

मिरज में मौजूद है, सितार को 'जन्म' देने की परंपरा !

नजरुल हक

वैश्विक मान्यता के बावजूद, मिरज के कारीगर आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं में गिरावट, सस्ते कारखाना-निर्मित वाद्यों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग की कमी इस कला के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। फिर भी यह समुदाय डटा हुआ है। स्थानीय संगठनों और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने इन कारीगरों के काम का दस्तावेज़ीकरण करना शुरू किया है। दक्षिण महाराष्ट्र के सांगली ज़िले में, कर्नाटक की सीमा के पास स्थित ऐतिहासिक नगर मिरज पहली नज़र में साधारण सा प्रतीत हो सकता है। एक छोटा रेलवे जंक्शन, धूल भरे बाज़ार और शांत आवासीय मोहल्ले- ये सब इस नगर की गहराई और महत्व को तुरंत नहीं दर्शाते, लेकिन पिछले 150 वर्षों से अधिक समय से मिरज भारत के सांस्कृतिक नक्शे पर एक विशिष्ट स्थान रखता है- केवल शास्त्रीय संगीत के एक केंद्र के रूप में ही नहीं, बल्कि एक हस्तनिर्मित परंपरा के हृदय-स्थल के रूप में, जो अब भी दुनिया के बेहतरीन तार-वाद्य यंत्रों का निर्माण करती है। जब आप उस संकरी गली में प्रवेश करते हैं जिसे पहले 'सितारमेकर गली' के नाम से जाना जाता था-और अब इसे आधिकारिक तौर पर 'फ़रीदसाहब सितारमेकर मार्ग' कहा जाता है-तो आप एक ऐसी दुनिया में पहुंच जाते हैं जहां लकड़ी, धातु और मानवीय स्पर्श मिलकर ऐसी ध्वनियां रचते हैं जो विश्व भर के संगीत सभागारों में गूंजती हैं। यह गली बहुत लंबी नहीं है, मुश्किल से कुछ सौ मीटर की, लेकिन इसका महत्व अत्यधिक है। यहीं पीढ़ियों से कारीगर सितार, तानपुरा, सरोद और वीणा जैसे तार-वाद्य यंत्रों को बनाते आए हैं-ऐसी तकनीकों से जो मौखिक परंपरा से चली आ रही हैं और जिन्हें अभ्यास, अंतर्ज्ञान और भक्ति से परिष्कृत किया गया है। मिरज के सितार निर्माण केंद्र में बदलने की कहानी 19वीं सदी में शुरू होती है, एक दूरदर्शी कारीगर-फ़रीदसाहब सितारमेकर-के साथ। फ़रीदसाहब का जन्म 1827 में हुआ था। वे शिकलगारों के समुदाय से थे। ये मुस्लिम धातु-शिल्पकारों का एक समुदाय था जो

मूलतः 17वीं सदी में बीजापुर के आदिलशाही शासन के दौरान मिरज में आकर बस गया था। ये कुशल कारीगर पारंपरिक हथियारों, जैसे-तलवारें, ढालें और कटार बनाने और मरम्मत करने में विशेषज्ञ थे। पीढ़ियों तक, उनके जीवन की लय थी: हथौड़े की टनटनाहट और लोहे पर पड़ती चोट। लेकिन 18वीं और 19वीं सदी के आगमन के साथ गहरे परिवर्तन आए। बारूद वाले हथियारों के उदय, भारतीय रियासतों के पतन और ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के सुदृढ़ होने के कारण शिकलगारों की पारंपरिक कला अप्रासंगिक हो गई। अब जब युद्धों में तलवारों और भालों की आवश्यकता नहीं रही, तो उनका कौशल भी समाप्ति की कगार पर पहुंच गया। भारत के कई कारीगर समुदायों की तरह, उन्हें भी पुनर्निर्माण या विलुप्ति के बीच चयन करना पड़ा। कई शिकलगारों ने सामान्य बढ़ईगिरी, घरेलू औज़ार बनाने या धातु-सज्जा का काम अपनाया, लेकिन फ़रीदसाहब ने, जो उस समय सांस्कृतिक रूपांतरण के दौर से गुज़र रहे मिरज में रह रहे थे, एक अलग राह देखी। उसी समय मिरज पर 'पटवर्धन वंश' का शासन था और श्रीमंत बालासाहब पटवर्धन (द्वितीय) को कला का विशेष संरक्षणकर्ता माना जाता था। उन्होंने उत्तर भारत से संगीतज्ञों को मिरज बुलवाया और बसाया, जिससे यह नगर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का एक केंद्र बन गया। कलाकारों के साथ वाद्ययंत्र भी आए और उनके साथ उनकी मरम्मत, स्वरलयन और अंततः विशेष निर्माण की ज़रूरतें भी। फ़रीदसाहब ने तार-वाद्य यंत्रों की मरम्मत से शुरुआत की और उनके निर्माण की बारीकियों को गहराई से समझना शुरू किया। उनमें जन्मजात जिज्ञासा थी, वे टूटे-फूटे पुराने वाद्ययंत्रों को खोलकर उनके ध्वनि-विज्ञान को समझने का प्रयास करते थे। उनके वंशजों के बीच एक चर्चित किस्सा है कि फ़रीदसाहब कई हफ़्तों तक एक सितार के पास सोते रहे, रात के अलग-अलग समय पर उसे थपथपाते रहते, ताकि आर्द्रता और तापमान का उसकी ध्वनि पर कैसा असर पड़ता है, यह जान सकें। उनकी असली खोज तब हुई जब उन्होंने पाया कि स्थानीय खेतों में उगने वाली लौकी-जिनका उपयोग साधु जलपात्र के रूप में करते थे-ध्वनि अनुनाद (रेजोनेन्स) के लिए आदर्श होती हैं। ये लौकियां या तो स्थानीय खेतों से प्राप्त की जातीं या विशेष रूप से उगाई जातीं। इन लौकियों को धीरे-धीरे सुखाकर और संसाधित कर 'प्राकृतिक अनुनाद कक्ष' (रेजोनेटर) बनाया जाता था। अपने भाई मोइनुद्दीन की सहायता से फ़रीदसाहब ने हाथ से ही पूरी तरह सितार बनाना शुरू किया-लकड़ी की किस्मों, तारों के तनाव और जावरी (जो वाद्य के स्वरगुण को आकार देती है) के सूक्ष्म संतुलन पर प्रयोग करते हुए। उनकी साधारण सी कार्यशाला से जो वाद्य निकले, उनमें एक विशिष्ट ध्वनि थी-गंभीर, समृद्ध और गहराई लिए हुए। धीरे-धीरे यह बात फैलने लगी। जैसे-जैसे मांग बढ़ी, फ़रीदसाहब ने अपने बेटों और शिष्यों को प्रशिक्षण देना शुरू किया। जल्द ही पूरे-के-पूरे परिवार इस कला में लग गए और 'सितारमेकर गली' एक जीवित संग्रहालय बन गई। समय के साथ मिरज उच्च गुणवत्ता वाले तारवाद्यों के पर्याय के रूप में प्रसिद्ध हो गया। भारत और दुनिया भर के संगीतज्ञ मिरज से विशेष आदेश पर वाद्य मंगवाने लगे। 20वीं सदी के मध्य तक मिरज के वाद्यों की ख्याति किंवदंती बन चुकी थी। पंडित रविशंकर-जिन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत को पश्चिम में लोकप्रिय किया-ने मिरज से सितार बनवाए। उस्ताद विलायत ख़ान ने भी, जिनकी 'विलायतखानी' सितार शैली आज भी वाद्य-निर्माताओं को प्रेरित करती है, मिरज के सितारों को अपनाया। वास्तव में, कुछ मिरज में बने सितारों के नाम ही 'रविशंकर शैली' या 'विलायत ख़ान शैली' रखे गए हैं-ये नाम डिज़ाइन के स्वामित्व की बजाय उन विशिष्ट ध्वनि-गुणों को दर्शाते हैं जिन्हें ये महान संगीतज्ञ पसंद करते थे। एक बार विलायत ख़ान के एक शिष्य ने कहा था, 'मिरज का सितार केवल गाता नहीं है-वह सांस भी लेता है।' आज भी मिरज के कारीगर किसी स्वचालित मशीनरी का उपयोग नहीं करते। उनके औज़ार सरल हैं-छीनी, रेसर, हस्त-ड्रिल और लकड़ी की क्लैंप। कार्यशाला की प्रक्रिया सहयोगी होती है: हर कारीगर किसी एक हिस्से में विशेषज्ञ होता है-चाहे वह तुम्बा (लौकी) को तराशना हो, डंडी (गर्दन) बनाना हो या फ़्रेट्स को स्वरलय देना हो। जो बात मिरज को विशिष्ट बनाती है, वह है इसकी कला से निकटता और आत्मीयता। यहां वाद्य तैयार नहीं किए जाते, उन्हें 'जन्म' दिया जाता है-हर संगीतज्ञ की हथेली, शैली और ध्वनि-रुचि के अनुसार विशेष रूप से। एक मिरज का सितार बनकर तैयार होने में कई सप्ताह या महीने लग सकते हैं, यह उसकी जटिलता और कारीगर की व्यस्तता पर निर्भर करता है। इस शिल्प का अधिकांश ज्ञान आज भी लिखित नहीं है। यह अवलोकन और मौखिक परंपरा के माध्यम से पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होता है, जहां युवा शागिर्द अपने बड़ों की सहायता करते हुए सीखते हैं-लकड़ी की नसों, वार्निश की गाढ़ाई या फ्रेट संरेखण की बारीकियों को आत्मसात करते हुए। एक कारीगर ने कभी कहा था, 'आप केवल सितार बनाना नहीं सीखते-आप उसे जन्म लेने से पहले सुनना सीखते हैं।'वैश्विक मान्यता के बावजूद, मिरज के कारीगर आज अनेक चुनौतियों से जूझ रहे हैं। शास्त्रीय संगीत के श्रोताओं में गिरावट, सस्ते कारखाना-निर्मित वाद्यों की उपलब्धता और संस्थागत सहयोग की कमी इस कला के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है। फिर भी यह समुदाय डटा हुआ है। स्थानीय संगठनों और कुछ स्वयंसेवी संस्थाओं ने इन कारीगरों के काम का दस्तावेज़ीकरण करना शुरू किया है, कार्यशालाओं और प्रदर्शनियों का आयोजन भी हो रहा है। आधुनिक शास्त्रीय संगीतज्ञों में हस्तनिर्मित वाद्यों के प्रति जागरूकता भी बढ़ रही है, जिससे संरक्षण का एक धीमा, लेकिन स्थिर पुनरुत्थान हो रहा है।आज भी जब आप 'फ़रीदसाहब सितारमेकर मार्ग' से गुजरते हैं, तो कार्यशालाओं में गहरी एकाग्रता-भरा सन्नाटा गूंजता है। युवा लड़के अपने पिता और चाचा की सहायता करते हैं-छोटे औज़ार पकड़ाते हुए, फ्रेट काटते या नए तने हुए सितार को सुर में मिलाते हुए। हवा में रोज़वुड के बुरादे और वार्निश की सुगंध है, और कहीं पीछे एक तानपुरा धीरे-धीरे गुनगुना रहा है।

(लेखक आज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, बेंगलुरु में प्राध्यापक हैं।)

स्वास्थ्य बीमा का आर्थिक बोझ कहां जाए आम आदमी?

मधुरेन्द्र सिन्हा

हाल ही एक खबर पढ़ी कि कोलकाता के 38 वर्षीय घोष साहब के सिर्फ 5 लाख रुपए के स्वास्थ्य बीमा की पॉलिसी रिन्यूवल के लिए बीमा कंपनी ने 75,000 रुपए प्रीमियम मांगा। यह राशि 10 फीसदी नो क्लेम बोनस के बाद की है। प्रीमियम बेहद महंगे हो गए हैं और अफोर्डेबल नहीं रह गए हैं। स्विट्जरलैंड के री इंस्टीट्यूट ने भारत सहित दस देशों की रिसर्च के हवाले से बताया है कि पिछले साल से इंश्योरेंस महंगा होने का जो सिलसिला शुरू हुआ था, वह इस साल और इसके अगले साल भी जारी रहने की संभावना है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में गैर जीवन बीमा के प्रीमियम दुनियाभर के देशों के मुकाबले वर्ष 2024-25 में ज्यादा तेजी से बढ़े, जिनके अगले साल और तेजी से बढने की संभावना है। रिपोर्ट में 2026 में बीमा प्रीमियम में 9.3 फीसदी की बढ़ोतरी की संभावना जताई गई है जो वैश्विक औसत वृद्धि दर 4.1 फीसदी के अनुमान का दोगुना है। हैरानी की बात है कि स्वास्थ्य जैसे जीवनरक्षक क्षेत्र पर टैक्स की भारी मार है। इस समय हेल्थ इंश्योरेंस पर 18 फीसदी जीएसटी है। पिछले कुछ सालों से इसे घटाने की मांग हो रही है लेकिन पिछली बार जब इसे घटाने का मुद्दा जीएसटी काउंसिल में गया तो कई राज्यों के वित्त मंत्रियों ने विरोध किया। कुछ ने चुप्पी साध ली और कुछ चाहते थे कि इसे बाद में देखा जाए। यानी हेल्थ इंश्योरेंस से होने वाली कमाई का लाभ सभी उठाना चाहते हैं जबकि अपने राज्यों में स्वास्थ्य सुविधाएं देने में फिसड्डी रहे हैं। दिल्ली तक में अस्पतालों की हालत खराब है। राज्यों में जो सरकारी अस्पताल हैं वे भारी भीड़ और कुप्रबंधन से परेशान हैं। नतीजा यह है कि बीमार होने

पर मिडिल क्लास के लोग सरकारी अस्पताल जाना नहीं चाहते क्योंकि वहां की हालत ऐसी नहीं होती कि सुगमता से इलाज कराया जा सके। और जब वे प्राइवेट अस्पताल जाते हैं तो वहां उनका बजट बिगड़ जाता है। आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ 10 फीसदी लोगों के पास ही रिटेल इंश्योरेंस है। 18 करोड़ लोग ग्रुप इंश्योरेंस के दायरे में हैं। बीमा नियामक आईआरडीएआई के अनुसार देश में 90 करोड़ लोगों के पास बीमा नहीं है। आयुष्मान भारत में 30 करोड़ लोग बीमित हैं, लेकिन जनसंख्या का बड़ा हिस्सा इससे अभी दूर है। बीमा का दायरा बढ़ाने के बारे में कई बार मुहिम चली है लेकिन परिणाम वही ढाक के तीन पात।

दुख की बात है कि मेडिकल खर्च में हर साल 15 फीसदी की बढ़ोतरी हो रही है, डॉक्टरों की फीस और अस्पतालों का चार्ज बढ़ता ही जा रहा है। 1938 में बने बीमा कानून में 2021 में संसद ने संशोधन किया था। उसका उद्देश्य यह बताया गया था कि इससे बीमाकर्ता कंपनी और पॉलिसी होल्डर के बीच बेहतर संबंध बनें तथा जल्दी दावों का निबटान हो। उस समय कहा गया था कि इसके बाद देश में बीमा व्यवसाय अधिक प्रोफेशनल होगा और देश में इसका प्रसार होगा। उस संशोधन के जरिये विदेशी कंपनियों को भारतीय बीमा कंपनियों में पहले के 49 फीसदी से बढ़ाकर 74 फीसदी निवेश करने की इजाजत दी गई थी। उस विधेयक के पारित होने के बाद माना जा रहा था कि देश में बीमा व्यवसाय फलेगा-फूलेगा और लाखों लोगों को रोजगार मिलेगा लेकिन कुछ खास नहीं हुआ। अब सरकार ने बीमा नियामक को कहा है कि वह प्रीमियम की ऊंची दरों के बारे में जांच करे और बिना क्लेम वाले ग्राहकों का बीमा अनाप-शनाप ढंग से बढ़ाने के मामले को देखे

(वरिष्ठ पत्रकार)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

चुनें मेकअप अपनी आंखों के अनुरूप

न जाने कितनी कविताएं और गीत आंखों पर लिखे गए है। अंतर्मन का झरोखा है आंखें। हर आंख खास है, अलग है, इसलिए हर आंख चाहती है अपने लिए कुछ अलग मेकअप। यहां दिए गए चित्रों के जरिये जानें क्या है आपकी आंखों का शेप और उसके अनुसार करे अपना आई-मेकअप।

गहरी आंखें

ऐसी आंखें भीतर की ओर धंसी हुई दिखती है और ब्रो बोन कम उभरी होती है। इसलिए मेकअप ऐसा करे, जिससे आंखें उभरी दिखें। पलकों पर हलका दबा हुआ पिंक या बेज शैडो लगाएं और आंखों की ऊपरी रेखा की तरफउसे हलका करें। अब मीडियम-टोंड आईशैडो लें और ब्रो बोन से शुरू करके ब्रो के किनारों तक ले जाएं। आंखों के ऊपरी हिस्से में बनी रेखा को स्मोकी-कलर शैडो से गहरा करे। यह पूरे मेकअप से मैच करने वाला हो। अंत में ब्लैक या ब्राउन पेंसिल से काजल लगाएं।

उभरी आंखें

ये बाहर की तरफ निकली हुई आंखें होती है। इसलिए इन्हे बल्जिंग या प्रोट्रूडिंग आईज भी कहा जाता है। मीडियम कलर से गहरे रंग तक के आई शैडो से पलकों पर शेड दें। कभी भी फ्रॉस्टेड शेड्स या हाईलाइटर न प्रयोग करे, क्योंकि इससे आंखें और ज्यादा उभरी नजर आएंगी। आंखों के निचले किनारों पर काजल पेंसिल लगाएं। ऊपरी आईलैशेज पर मसकारा के एक-दो हलके कोट्स लगा सकती हैं।

उनींदी आंखें (हूडेड आई)

इसमें आईलैशेज बहुत कम नजर आती है जिससे आंखें उनींदी लगने लगती है। इसलिए इसमें ऐसे मेकअप की जरूरत होती है जिससे आंखें थोड़ी सजग दिखें, यानी सोई-सोई सी या नशीली सी न दिखें। पलकों के भीतरी आधे हिस्से पर मैट या न्यूट्रल कलर का आई शैडो लगाएं। उसके आसपास के हिस्से पर थोड़ा गहरा रंग लगाएं, लेकिन बाहरी हिस्से में इसे न लगाएं। गहरे रंग केप्रयोग से बचें, क्योंकि इससे पलकें भारी लगने लगेंगी। आंखों के ऊपरी और निचले किनारों परभी गहरे रंग न लगाएं। ऊपरी लैशेज को थोड़ा कर्ल करे और मसकारा के एक-दो कोट्स लगाएं। ब्रो बोन पर न तो बहुत चटख और चमकीले रंगों का प्रयोग करे और न ही बहुत हलके रंगों का।

क्लोज-सेट आई

इनमें दोनों आंखों के बीच की दूरी कम दिखती है। यानी नाक से इनकी दूरी कुछ कम होती है।

पलकों के भीतरी हिस्से पर हलका और बीच के हिस्से पर मीडियम शेड प्रयोग करे। ऊपरी पलकों के बाहरी किनारों पर रेखा सी खींचें।

अब ब्रो बोन के बाहरी यानी कान की तरफ वाले हिस्से पर गहरा शैडो लगाकर उसे अच्छी तरह एकसार करें। आंखों में ब्लैक काजल लगा सकती हैं। मसकारा लगाना चाहती है तो भीतरी लैशेज पर हलके रंग का और बाहरी तरफ थोड़ा गहरे रंग का मसकारा प्रयोग करे। बाहरी तरफ उसे थोड़ा उभारने की कोशिश करे और भौंहों की ओर थोड़ा कम उभारे। भीतरी लैशेज पर ब्राउन और बाहरी लैशेज पर हलका काला मसकारा प्रयोग करे।

वाइड सेट आईज

क्लोज-सेट आई की तुलना में इनकी दूरी नाक से थोड़ी ज्यादा होती है। इसलिए ऐसे मेकअप की जरूरत होती है जो आंखों को संतुलित दर्शाए। सबसे पहले आंखों और नाक के बीच वाले हिस्से पर छोटे ब्लशर ब्रश से अपने स्किन टोन से थोड़ा गहरे टोन वाला पाउडर लगाएं। नाक की तरफ ब्रश करते हुए पाउडर को एकसार कर लें। ब्रो की बाहरी रेखा पर न्यूट्रल-टोंड हाईलाइटर प्रयोग करे। क्रीज लाइन (आंखों के ऊपरी हिस्से पर पड़ने वाली रेखा) पर शेड दें और आंख के भीतरी किनारे यानी नाक की तरफ वाले हिस्से को उभारे। आंख के बाहरी किनारे पर हलके मैट शैडो से ब्रश करके आई मेकअप को पूर्णता दें। मसकारा लगाते समय लैशेज सीधी रखें।

उसके बाहरी

हिस्से पर दाहिनी तरफ ज्यादा मसकारा लगाएं।

एशियन आई

ये आंखें नाक की तरफभीतरी किनारों की ओर थोड़ी झुकी हुई नजर आती है। इनमें शैडो का प्रयोग करते समय लेयरिंग इफेक्ट देने के लिए तीन रंगों का प्रयोग करे। आई लैशेज के पास हलका शैडो लगाएं, पलकों पर मीडियम कलर और ब्रो बोंस पर बेहद हलके रंग का प्रयोग करे। आंखों के किनारे रेखा या ऊपरी तरफ क्रीज बनाने से बचें। आई लाइनर का प्रयोग केवल आंखों के ऊपरी हिस्से पर करे।

आमंड शेप्ड आई

बादाम के शेप वाली ये आंखें सर्वोत्तम मानी जाती है। इनमें कई तरह का मेकअप किया जा सकता है। जैसे बारीक आई लाइनर, कृत्रिम आई लैशेज, ब्राइट कलर्स।

सबसे पहले ब्रो बोन में स्किन टोन के मुताबिक हलके रंग का शैडो इस्तेमाल करे। आई लिड (पलकों) से कुछ शेड गहरा रंग चुनें। आंख के निचले किनारों पर ब्लैक या ब्राउन काजल पेंसिल से रेखा बनाएं। इसे आंखों के बाहरी किनारों की तरफ उभारने की कोशिश करे। अगर आपकी आंखें नीली है तो ब्लू पेंसिल भी प्रयोग कर सकती हैं।

राउंड आई

गोल आंखों के लिए गहरे रंग का शैडो चुनें। नाककी ओर से शुरू करके ब्रो के बाहरी तरफऊपर ले जाते हुए शैडो को अच्छी तरह एकसार करे। निचली पलक पर हलके टोंड शैडो या पेंसिल का प्रयोग करे और इसे ऊपर की ओर बाहरी हिस्से तक ले जाएं। ब्रो लाइन के पास म्यूटेड हाईलाइटर लगाएं।

छोटी आंखें

आंखें यदि ये छोटी है तो इन्हे बड़ा दिखाने के लिए पलकों के बाहरी किनारे पर ऊपर की तरफहलके रंग का पाउडर शैडो छोटे ब्लशर की मदद से लगाएं। क्रीज के पास गहरा शैडो प्रयोग करे। लेकिन नाक की तरफआंखों के भीतरी हिस्से पर कोई रंग न प्रयोग करे, क्योंकि इससे आंखें और छोटी दिखने लगेंगी। किनारों पर शैडो लगाने के लिए ब्रश का प्रयोग करे। इसके बाद आंख के निचले हिस्से पर हलकी ग्रे कलर की काजल पेंसिल से रेखा बनाएं।

निस्तेज आंखें

ड्रूपिंग या निस्तेज आंखों के लिए आई मेकअप आंख के भीतरी हिस्से से शुरू किया जाना चाहिए। ऊपरी और बाहरी तरफमीडियम टोंड शैडो ब्रश की मदद से लगाएं। इसे ब्रो लाइन के ठीक पास तक लाकर छोड़ दें। पलकों की बाहरी रेखा पर किसी भी रंग का प्रयोग न करे। लेकिन आंख की ऊपरी क्रीज लाइन को थोड़ा उभारने की कोशिश करें, मीडियम ब्राउन आई शैडो से रेखा बनाएं, फिर अपनी पलकों को थोड़ा कर्ल करें। मसकारा के कुछ कोट्स भी इसमें मदद करेगे।

किचन में है स्किन मैजिक

सौंदर्य विशेषज्ञों का कहना है कि खूबसूरत दिखने के लिए जरूरी नहीं है कि आप बाजार में मिलने वाले कीमती उत्पादों के सहारे रहें। किचन में भी सौंदर्य बढ़ाने वाले ढेर सारे उत्पाद मौजूद रहते हैं। इनके इस्ते

माल से सौंदर्य को निखार सकती हैं

आलू

अगर आपकी आंखों के नीचे काले घेरे हैं तो कच्चे आलू के टुकड़ों को प्रभावित स्थान पर रगड़ें। आप चाहें तो आलू को कुचलकर इसका गूदा भी प्रभावित जगह पर लगा सकती हैं। आलू के प्रयोग से काले घेरों से छुटकारा मिलेगा।

पालक

इसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे आयरन और विटामिन ए त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद है। इसका जूस निकालकर या इसे उबालकर त्वचा पर मलने से सौंदर्य में निखार आता है।

बंदगोभी

अगर आपके चेहरे पर असमय झुर्रियां पड़ गई हैं तो बंदगोभी के पत्तों का रस निकालकर इसमें एक टीस्पून शहद मिलाकर चेहरे पर लगाने से लाभ मिलेगा।

गाजर

गाजर का रस निकालकर त्वचा पर लगाकर कुछ समय के लिए छोड़ दें। तत्पश्चात साफ पानी से धो लें।

टमाटर

टमाटर का सेवन करने से एक ओर जहां स्वास्थ्य सही रहता है। वहीं इसका उपयोग सौंदर्य निखारने में भी किया जा सकता है। टमाटर का रस निकालकर नींबू के रस की कुछ बूंदें मिलाकर चेहरे पर लगाने से स्किन मुलायम होती है और उसमें निखार आता है।

संतरा

संतरे का रस निकालकर इसे रुई के फाहे से या साफ हाथों से चेहरे पर लगाने से त्वचा मुलायम होती है। यही नहीं संतरे के छिलकों को गुलाबजल एवं बेसन में मिलाकर लगाने से मुहांसों से राहत मिलती है। साथ ही त्वचा में निखार भी आता है।

क्या रूप निखरा है

- एक अंडे की सफ़ेदी को एक चम्मच शहद के साथ मिला कर चेहरे पर 20 मिनट लगाएं। उसके बाद पानी से चेहरा धो लें।
- एक केले में शहद और नींबू का रस मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे, गर्दन व हाथ–पैरों पर लगाएं। आधा घटे बाद पानी से धो लें।
- आम के छिलकों को पीस लें। इसमें एक चम्मच पाउडर मिल्क मिलाकर चेहरे पर हलके हाथों से मलें। इसे हाथ, पैर और गर्दन पर भी लगाएं। 20 मिनट बाद ठंडे पानी से धो लें।
- दो चम्मच कॉर्नफ्लोर को एक अंडे की सफ़ेदी में मिलाकर चेहरे पर लगाएं। करीब 20–25 मिनट लगा रहने दें। जब पेस्ट सूख जाए तो हाथों को हलके गरम पानी में डुबोएं और चेहरे को मलें। फिर चेहरा धो लें। ऐसा 10–15 दिन तक लगातार करें।
- खीरे का रस, गुलाबजल और नींबू का रस बराबर–बराबर मात्रा में लेकर मिला लें। फिर चेहरा धोकर सुखाएं और इस मिश्रण को चेहरे पर लगाकर रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह चेहरा धोकर फर्क महसूस करें।
- इंस्टेंट ग्लो पाने के लिए दो चम्मच टमाटर के रस को चार चम्मच दही के साथ मिलाकर 15 मिनट तक चेहरे पर लगाएं।
- खीरे का रस और दही 1–1 चम्मच लें। चुटकी भर हल्दी पाउडर मिला लें। चेहरे पर 15 मिनट लगा कर रखें। फिर ठंडे पानी से चेहरा धोएं।
- अनन्नास का रस और नारियल पानी को मिलाकर चेहरे पर लगाएं।
- एक अंडे का पीला भाग लें। इसमें एक टुकड़ा सीताफल का पेस्ट मिला लें। इसे आधा घटा चेहरे पर लगा कर रखें और इंस्टेंट ग्लो पाएं।

योग मैराथन में विजेता को मिलेगा 5100 रुपये का पुरस्कारः डॉ विवेक भारती

नारनौल। जिले के सैकड़ों नागरिक अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जन-जन तक योग का संदेश पहुंचाने के लिए एक साथ दौड़ेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मंत्री एवं नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव तथा महेंद्रगढ़ के विधायक कंवर सिंह यादव मौजूद रहेंगे। उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने शनिवार को बताया कि हरियाणा योग आयोग तथा आयुष विभाग के दिशा निर्देश अनुसार 'योग युक्त, नशा मुक्त हरियाणा' अभियान के तहत 15 जून को आईटीआई नारनौल से नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम तक योग मैराथन का आयोजन किया जाएगा। इस योग मैराथन में पहले स्थान पर आने वाले को रोटरी क्लब की तरफ से 5100 रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि योग मैराथन आईटीआई मैदान से शुरू होगी। यह दौड़ महावीर चौक, हीरो हौंडा चौक से निजामपुर रोड से होते हुए नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में पहुंचेगी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में होने वाले समापन कार्यक्रम में विजेता प्रतिभागी को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों का मुख्य मकसद लोगों को योग के प्रति जागरूक करना है। यह कार्यक्रम जिला में योग को एक जन आंदोलन बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लेने और योग के स्वास्थ्य लाभों का अनुभव करने का आग्रह किया है।

सरकार बनते-बनते रह गई, जो कमियां रही उन्हें दूर करोः सैलजा

सिरसा। सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की जनता हरियाणा में कांग्रेस की सरकार देखना चाहती थी, पर पता नहीं किस कारण से कांग्रेस की सरकार बनते-बनते रह गई। खैर जो भी कमी रही हो उसे दूर करके फिर से अपने काम में जुट जाना है। सांसद सैलजा शनिवार को संत शिरोमणि गुरु रविदास धर्मशाला एवं प्रबंधन कमेटी डबवाली की ओर से रविदास धर्मशाला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी।

सांसद सैलजा ने कहा कि डबवाली की जनता सदैव उनके साथ खड़ी रही है। विधानसभा चुनाव में पूर्व विधायक और कांग्रेस उम्मीदवार रहे अमित सिहाग की मामूली अंतर से हार आज भी गले से नीचे नहीं उतर रही है, देखना है कि कहां क्या कमी रही। उस चुनाव में कांग्रेस के पक्ष में हवा थी, जनता कांग्रेस की सरकार बनाना चाहती थी, जनता में कांग्रेस के प्रति भारी उत्साह था पर कांग्रेस से सत्ता आते आते फिसल गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हर वर्ग के साथ है, हर वर्ग के लिए काम करती है। सिरसा लोकसभा क्षेत्र की जनता ने उन्हें सेवा का मौका दिया है, उन्हें सांसद कोटे के तहत जो पैसा मिलता है उसे सभी नौ विधानसभा क्षेत्र में खर्च करना है। दलितों को भी देखना है, बचे चार साल में उन्हें जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना है, मिलजुल कर रहना होगा और संगठित होकर काम करना होगा।

ब्रह्माकुमारीज कर रही है बच्चों का चरित्र निर्माणः डॉ. दीपक जैन

गुरुग्राम। आने वाला समय बड़ा ही चुनौतीपूर्ण है। जिसमें आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों का महत्वपूर्ण योगदान होगा। ब्रह्माकुमारीज बच्चों के चरित्र निर्माण का कार्य कर रही है। यह बात फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के प्रेसिडेंट डॉ. दीपक जैन ने ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में बच्चों के लिए आयोजित तीन दिवसीय शिविर के उद्घाटन सत्र में बतौर मुख्य अतिथि कही। कार्यक्रम में सेंटर बोर्ड ऑफ ट्रस्टी, ईपीएफओ के मेंबर हितेश माथुर ने भी अपने विचार रखे। ओआरसी की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी विजय दीदी ने बच्चों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान में बच्चों की अहम भूमिका रही है। संस्थान की स्थापना के समय से ही छोटे-छोटे बच्चे अपने पेरेंट्स के साथ आते थे। उन्होंने कहा कि बच्चे दिल के सच्चे होते हैं। जीवन में सच्चाई और सफाई के आधार से ही जीवन खुशहाल बन सकता है। तीन दिन तक चलने वाले कार्यक्रम में बच्चों के लिए बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। जिसमें गीत, संगीत, नृत्य, लेखन एवं खेलकूद प्रतियोगिताएं शामिल हैं। कार्यक्रम में बच्चों के लिए विभिन्न विषयों पर जानकारी दी जाएगी। जिसमें मुख्य तौर पर मस्तिष्क को रचनात्मक कार्यों में लगाना।

मुख्यमंत्री करेंगे रेवाड़ी में बने आधुनिक जेल परिसर का उद्घाटनः डा. सुमिता मिश्रा

रेवाड़ी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रेवाड़ी जिले के फिदेरी गांव में नवनिर्मित अत्याधुनिक जेल परिसर का उद्घाटन करेंगे। यह 95 करोड़ रुपये की लागत से बनाई गई है और लगभग 50 एकड़ क्षेत्र में है। गृह, जेल, आपराधिक जांच एवं न्याय प्रशासन विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डा. सुमिता मिश्रा ने शनिवार को बताया कि नया जेल परिसर रेवाड़ी में जेल बुनियादी ढांचे की लंबे समय से चली आ रही कमी को पूरा करेगा। अब तक जिले में केवल 65 कैदियों की क्षमता वाली एक छोटी जेल थी, जिसके कारण 700 से अधिक कैदियों को गुरुग्राम, नारनौल और झज्जर की सुविधाओं में स्थानांतरित किया गया था। नई जेल को लगभग एक हजार कैदियों को रखने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा क्षेत्र में कैदी प्रबंधन में रसद संबंधी चुनौतियों में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि गंभीर अपराधों में शामिल अपराधियों के लिए रोहतक में उच्च सुरक्षा वाली जेल का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है ।

जिलों में संगठन को मजबूत करेगी भाजपा

मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री, राष्ट्रीय महामंत्री समेत कई नेता हुए शामिल

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा कोर कमेटी की बैठक में संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के तहत अब तक हुए कार्यक्रमों की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को घर-घर तक पहुंचाने पर गहनता से चर्चा हुई। जिलों में होने वाली संगठनात्मक नियुक्तियों पर भी मंथन किया गया। इस बैठक में मुख्यमंत्री नायब सैनी, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, प्रदेश सह प्रभारी सुरेन्द्र सिंह नागर, भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल, संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ शर्मा, केंद्रीय संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, कैप्टन अभिमन्यु, राष्ट्रीय सचिव ओमप्रकाश धनखड़, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, सुनीता दुग्गल, सुभाष बराला, रामबिलास शर्मा सहित हरियाणा के तमाम बड़े नेता मौजूद रहे। सबसे पहले सभी नेताओं ने अहमदाबाद प्लेन क्रेश की घटना पर शोक व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के प्रार्थना की गई। सरकार की योजनाओं, संगठनात्मक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार द्वारा जनहित में लिए गए निर्णयों और सरकार की योजनाओं की जानकारी बैठक में रखी, जबकि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने भी संगठन से जुड़े अहम मुद्दों को भी बैठक में रखा। सभी मुद्दों पर गहनता से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर जोर दिया, ताकि सरकारी योजनाओं का लाभ हर लाभार्थी तक पहुंच सके। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि जिलों में संगठनात्मक नियुक्तियों की प्रक्रिया जारी है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के देवतुल्य कार्यकर्ता केंद्रीय नेतृत्व से मिले हर अभियान को सफल बना रहे हैं जिसकी इस बैठक में सभी नेताओं ने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता मोदी सरकार की 11 साल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कर्मठता से काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल और राव इंद्रजीत सिंह ने भी केंद्र सरकार की तरफ से हरियाणा में चलाई जा रही कल्याणकारी योजनाओं को सबके सामने रखा।

सोनीपत में गुरु गोरखनाथ के नाम पर भव्य चौक का निर्माण कार्य शुरु किया

एजेंसी

सोनीपत। सोनीपत के सेक्टर 26-27 मैप्सको डिवाइडिंग रोड पर गुरु गोरखनाथ जी महाराज के नाम पर भव्य चौक के निर्माण कार्य शुभारंभ किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडोली, महापौर राजीव जैन और विधायक निखिल मदान की उपस्थिति में धार्मिक रीति-रिवाजों से हवन-यज्ञ और प्रसाद वितरण किया गया। सभी वक्ताओं ने इस कार्य को संत परंपरा के प्रति सम्मान और समाजिक एकता का प्रतीक बताया। विधायक निखिल मदान ने बताया कि सोनीपत में गोरखनाथ गौरव जयंती के प्रदेश स्तरीय हुई जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मोहनलाल बडोली ने कहा कि यह चौक भारतीय संस्कृति, संत परंपरा और सामाजिक सौहार्द का परिचायक होगा। महापौर राजीव जैन ने बताया कि इस चौक के निर्माण का प्रस्ताव पारित किया गया था और आज उसका शुभारंभ एक पुण्य कार्य की अनुभूति है।

विधायक निखिल मदान ने कहा कि यह चौक न केवल गोरखनाथ जी के सम्मान में है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि भारतीय जनता पार्टी ऋषि-मुनियों और संतों के आदर्शों को आत्मसात करके समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चल रही है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जोगी समाज के गणमान्य लोग, संतगण व स्थानीय जनता बड़ी संख्या में उपस्थित रही। ठेकेदार से चर्चा कर कार्य को शीघ्र पूर्ण करने की योजना बनी।

बिजली कट पर रोजाना रिपोर्ट देंगे अधिकारी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने गर्मी के मौसम में हो रही बिजली कटौती तथा लोगों द्वारा किए जा रहे विरोध प्रदर्शनों का संज्ञान लेते हुए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वह बिजली कटों के संबंध में उन्हें रोजाना की रिपोर्ट सब्मिट करेंगे। इस रिपोर्ट में संबंधित क्षेत्र में पावर कट का समय और कारण बताया जाएगा। पावर कट का कोई उचित कारण नहीं होने पर अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

अनिल विज ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश में बिजली की मांग बढ़ रही है। अभी तक मांग के अनुसार आपूर्ति भी की जा रही है लेकिन कई जगहों पर अनावश्यक पावर कट की सूचना मिल रही हैं। इसके चलते अधिकारियों से गर्मी के पीक सीजन को देखते हुए रोजाना की रिपोर्ट तलब की गई है। विज ने बताया कि रक्षा मंत्री से मुलाकात के दौरान उन्होंने अंबाला छावनी में बने सरकारी अस्पताल के विस्तार के लिए साथ लगती सेना की जमीन हरियाणा सरकार को देने के लिए निवेदन किया है। अम्बाला छावनी में बन कर तैयार हो चुके घरेलू हवाई अड्डा के सामने वाली सड़क को बीसी बाजार से लेकर जीटी रोड तक फोर लेन करवाने के लिए कहा गया है। इसके अलावा छावनी नगर परिषद और छावनी बोर्ड में कई स्थान पर जैसे बोह, बब्याल आदि की कम चौड़ी सड़कों को आगे पीछे की सड़कों के सामान चौड़ा करवाने के लिए भी कहा है। रक्षा मंत्री ने उन्हें इस मामले में जल्द उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ब्लड किसी फैक्ट्री में नहीं बनता : महिपाल डंडा

एजेंसी

पानीपत। स्थानीय ब्लड बैंक सिविल अस्पताल एवं रेड क्रॉस ब्लड बैंक के संयुक्त तत्वावधान में स्थानीय आर्य कॉलेज मे विश्व रक्तदाता दिवस मनाया गया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया जिसमे 55 यूनिट रक्त भी एकत्रित किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कार्यक्रम में विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में शहर की 50 से ज्यादा संस्थाओं को सम्मानित भी किया गया। सम्मान मे सभी को प्रशंसा पत्र, पौधे व समृति चिह्न दिया गया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शहर की सभी समाज सेवी संस्थाओ को संबोधित करते हुए कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है, इसे किसी भी फैक्ट्री में नहीं बनाया जा सकता। पानीपत एक धार्मिक एवं दानवीरों की नगरी है। किसी भी क्षेत्र में पानीपत के समाज सेवी संस्थाएं पीछे नहीं रहती और जब बात रक्त की आती है तो रक्तदान में भी पानीपत की सभी समाज सेवी संस्थाएं बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं। उन्होंने सभी रक्तदाताओं एवं संस्थाओं का रक्तदान कैंप आयोजन करने के लिए प्रशंसा भी की और आग्रह किया कि समय-समय पर सभी रक्तदान जरूर करें।इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव गौरव रामकरण ने सभी अतिथियों का एवं समाज सेवी संस्थाओं का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर महापौर कोमल सैनी ने शिरकत की। कार्यक्रम के अंत मे रक्तदाता शपथ भी की गई। इस

अवसर पर आर्य कॉलेज के प्राचार्य डॉ जगदीश गुप्ता, रेड क्रॉस ब्लड बैंक प्रभारी डॉक्टर पूजा सिंघल सहायक लालचंद एवं सिविल अस्पताल से ब्लड बैंक इंचार्ज डॉक्टर रजत गुप्ता एसएमओ डॉ श्याम लाल,गवर्नमेंट कॉलेज प्रवक्ता दलजीत सिंह भी उपस्थित रहे।

सीआईआई यंग इंडियंस ने एमसीजी व ट्रैफिक पुलिस के साथ सड़क सुरक्षा अभियान चलाया

एजेंसी

गुरुग्राम। यहां सेक्टर-29 में सुबह पर्यावरण के प्रति समर्पित समूह यंग इंडियंस (वाईआई) गुरुग्राम के सदस्य, भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की सामाजिक शाखा एक संयुक्त सफाई और सड़क सुरक्षा अभियान शुरू करने के लिए एकत्र हुए।गुरुग्राम नगर निगम (एमसीजी), हरियाणा और हरियाणा ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर चलाए गए इस अभियान का उद्देश्य न केवल सड़क़ों को सुंदर बनाना था, बल्कि संभावित सड़क़ सुरक्षा खतरों की पहचान करना और उनका समाधान करना था, जिससे समुदाय के लिए एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके। इन युवा स्वयंसेवकों की ऊर्जा और उत्साह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता था क्योंकि उन्होंने खुद को टीमों में विभाजित किया और पहल के विभिन्न पहलुओं से निपटा।

एमसीजी कर्मचारियों ने कुशलतापूर्वक सडक़ों पर झाड़ू लगाई, जबकि यी सदस्यों ने प्लास्टिक कचरे को सावधानीपूर्वक उठाया, जिससे सेक्टर-29 को स्वच्छ और हरा-भरा बनाने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। इस अभियान में एकत्र किया गया कुल प्लास्टिक कचरा 30 किलोग्राम था।इस कार्यक्रम में हरियाणा ट्रैफिक पुलिस विभाग के अधिकारी इंस्पेक्टर जगदेव सिंह, एएसआई वेद पाल यादव, एमसीजी गुरुग्राम के अधिकारी एसएसआई देवेंद्र बिश्नोई और फील्ड इंचार्ज श्रीकांत शर्मा उपस्थित रहे। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति गहरी प्रतिबद्धता दिखाते हुए सफाई अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया और युवा स्वयंसेवकों को प्रेरित किया।सीआईआई गुरुग्राम चैप्टर का नेतृत्व अध्यक्ष प्रवीण प्रेम कुमार और सह-अध्यक्ष ईशकरण छाबड़ा कर रहे हैं, जबकि यशपाल शर्मा सड़क़ सुरक्षा वर्टिकल का नेतृत्व कर रहे हैं और करिश्मा सिंघानिया जलवायु परिवर्तन वर्टिकल का नेतृत्व कर रही हैं। गुरुग्राम के युवा भारतीयों ने सक्रिय सामुदायिक जुड़ाव का एक सराहनीय उदाहरण पेश किया है। अन्य संगठनों के लिए भी ऐसा ही करने की प्रेरणा है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर किया रक्तदान शिविर आयोजित

एजेंसी

जम्मू। सामाजिक सेवा और सामुदायिक कल्याण की दिशा में एक अनुकरणीय पहल करते हुए डोगरा डिग्री कॉलेज की एनसीसी यूनिट ने विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर राजकीय अस्पताल गांधी नगर, जम्मू में रक्तदान शिविर का आयोजन किया।इस शिविर का संचालन एनसीसी एएनओ/सीटीओ गुलशन शर्मा ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. बेला ठाकुर, निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग (डीईटी), उपस्थित रहीं। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए रक्तदान जैसे मानवीय कार्यों की महत्ता को रेखांकित किया।डॉ. उत्तरा संम्ब्याल ने शिविर का समन्वयन बखूबी किया। तकनीकी सहायता वरिष्ठ तकनीशियन गुरदीप, वरिष्ठ नर्स रेनू शर्मा और अनिता देवी ने प्रदान की जिनके प्रयासों से रक्तदान प्रक्रिया सुरक्षित और प्रभावी ढंग से पूरी हो सकी। इस अवसर पर लगभग 15 स्वैच्छिक रक्तदाताओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। विशेष उल्लेखनीय बात यह रही कि एक छात्र के पिता को तत्काल रक्त की आवश्यकता थी जिसके लिए रक्तदान किया गया। यह संस्था के भीतर विकसित निस्वार्थ भावना का सजीव प्रमाण है। यह पुनीत पहल न केवल जरूरतमंदों को जीवनदान देने में सहायक बनी बल्कि स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाने में भी प्रभावशाली साबित हुई। यह आयोजन डोगरा डिग्री कॉलेज और उसकी एनसीसी यूनिट की मानवीय मूल्यों और समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हिसार में धरना दे रहे छात्रों के समर्थन में आए सुरजेवाला,राज्यपाल व मुख्यमंत्री से मिलेंगे

एजेंसी

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में छात्रों को अपना समर्थन देने व घायल छात्रों का हालचाल जानने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद व कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला हिसार पहुंचे। उन्होंने धरनारत छात्रों की सभी मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी मजबूती से छात्रों की मांगों के लिए प्रति उनके साथ खड़ी है। रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि वे मुख्यमंत्री व राज्यपाल को पत्र लिखकर उनसे समय लेकर छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को उनसे मिलवाएंगे ताकि छात्रों की मांगों का जल्द से जल्द समाधान हो सके। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमण्डल में कांग्रेस नेता भी उनके साथ जाएंगे ताकि छात्रों की मांगों को पुरजोर तरीके से उठाया जा सके। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जल्द ही धरनारत छात्रों से फोन पर बात करेंगे, इसके लिए उन्होंने दो छात्रों के मोबाइल नम्बर भी लिए। राहुल गांधी व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों ही छात्र नेताओं से बात करेंगे तथा उनका हालचाल जानेंगे। युवाओं की लड़ाई संसद से लेकर सडक़ तक लड़ी जाएगी। रणदीप ने कहा कि प्रदेश व केन्द्र सरकार शिक्षा का व्यवसायीकरण करने पर तुली है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का 5000 करोड़ रुपये का बजट काट दिया गया है। जबकि प्रदेश के विश्वविद्यालयों के बजट में भी लगभग एक हजार करोड़ रुपये की कटौती की गई है। प्रदेश सरकार ने भी हकृवि, गुजवि, कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी के साथ-साथ सोनीपत की इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी का भी बजट काट दिया गया। उन्होंने कहा कि सरकार कह रही है कि यूनिवर्सिटी सैल्फ फाइनेंस मोड पर काम करे। सरकार

ऐसा करके युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। हकृवि के छात्रों की समस्याओं को गिनवाते हुए उन्होंने कहा कि यहां लड़कियोंके हॉस्टल में समय पर खाना नहीं मिल रहा है।

हरियाणा मानवाधिकार आयोग ने बढ़ाया बच्चों का हौसला

एजेंसी

फरीदाबाद। हरियाणा मानवाधिकार आयोग के चेयरपर्सन न्यायमूर्ति ललित बत्रा एवं आयोग के सदस्य दीप भाटिया ने ग्रीनफील्ड, फरीदाबाद स्थित एसओएस चिल्ड्रन विलेज का दौरा कर बच्चों से संवाद किया और संस्था की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान चेयरपर्सन श्री बत्रा एवं श्री भाटिया ने बच्चों के साथ आत्मीयता से बातचीत की और उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण एवं रहन-सहन से जुड़ी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों से उनके भविष्य के सपनों के बारे में जाना और उन्हें सकारात्मक सोच के साथ आगे बढने् के लिए प्रेरित किया। मानवाधिकारों की अहमियत पर जोर देते हुए चेयरपर्सन श्री बत्रा ने बच्चों को उनके संवैधानिक और मानव अधिकारों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि यदि किसी भी बच्चे को किसी प्रकार की परेशानी हो, तो वे बिना हिचक आयोग से संपर्क करें, आयोग उनकी हरसंभव सहायता करेगा। श्री बत्रा एवं श्री भाटिया ने समाज एवं

औद्योगिक संगठनों से अपील की कि वे ऐसे सेवा-भाव से कार्य कर रही संस्थाओं को सहयोग दें ताकि जरूरतमंद बच्चों को बेहतर जीवन मिल सके। आयोग के प्रोटोकॉल, सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. पुनीत अरोड़ा ने कहा कि हरियाणा मानवाधिकार आयोग समाजसेवा से जुड़े कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों एवं सामाजिक संस्थाओं की समस्याओं को समाधान की दिशा में लाने के लिए आयोग सरकार से संवाद स्थापित कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करेगा।

निर्भीक होकर करें मतदान:एसपी निकिता खट्टर

एजेंसी

सिरसा। डबवाली की एसपी निकिता खट्टर ने कहा कि पुलिस द्वारा रामपुरा बिश्नोइयां में 15 जून को होने वाले पंचायत उप चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण रूप से संपन्न करवाने के लिए कटिबद्ध है।

आमजन की सुरक्षा व शरारती तत्वों की निगरानी को ध्यान में रखते हुए शांतिपूर्ण चुनाव करवाने के लिए पुलिस अधीक्षक निकिता खट्टर ने मतदान बूथों का निरीक्षण किया और पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को निर्देश दिए कि चुनाव ड्यूटी को पूरी सतर्कता के साथ करें। पुलिस कर्मियों को हिदायत दी गई है कि इस दौरान वह अधिकारियों से उचित तालमेल बनाकर रखें। उन्होंने कहा कि पुलिस व होमगार्ड जवान बूथ पर अति सूझबूझ के साथ कर्तव्य पालन दौरान नम्र व्यवहार करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से निष्पक्ष मतदान संपन्न करवाएं। उन्होंने मतदाताओं से कहा कि वे निर्भीक होकर मतदान करें। पुलिस कर्मचारी पीठासीन अधिकारी द्वारा बुलाए जाने उपरांत ही बूथ के अंदर जाएं तथा बेवजह अंदर प्रवेश नहीं करें। बूथ के बाहर शांति कायम रखते हुए मतदान कर चुके

व्यक्ति को परिसर से बाहर चले जाने को कहें। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कल 15 जून की सुबह 6 बजे मॉक पोल तथा 7 बजे मतदान प्रक्रिया आरंभ हो जाएगी जबकि शाम 6 बजे तक चलेगी। 6 बजे के बाद चुनाव परिसर में किसी के प्रवेश करने की अनुमति नहीं होगी, परंतु 6 बजे तक मतदान के लिए लाइन में लग चुके मतदाताओं के मत का भुगतान करवाया जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने आम जनता से अपील की है कि वे अफवाह फैलाने वाले असामाजिक तत्वों से सावधान रहें, इसी प्रकार थाना प्रबंधक भी किसी पोलिंग स्टेशन अथवा बूथ बारे किसी भ्रमित करने वाली सूचना बारे तुरंत क्षेत्र के मौजिज व्यक्ति से मोबाइल फोन की मार्फत संपर्क स्थापित करते हुए सत्यता जानें।

केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव से मिलकर भव्य बिश्नोई ने रखी मांगे

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के प्रदेश प्रभारी भव्य बिश्नोई ने केन्द्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव से मुलाकात करके उनके समक्ष कुछ महत्वपूर्ण बातें रखी। भूपेन्द्र यादव को सौंपे गए पत्र में भव्य बिश्नोई कहा कि हिसार, फतेहाबाद, सिरसा व भिवानी जिले राजस्थान की सीमा से लगते हैं, जो कि शुष्क जलवायु क्षेत्र है। यहां ज्यादातर भूमि पानी की कमी से सिंचित नहीं है, जिससे किसानों को पेयजल एवं कृषि कार्यों में कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है। किसानों को पर्यावरण के अनुकूल आर्गेनिक फार्मिंग के प्रति प्रोत्साहित किया जाए, जिससे क्षेत्र के किसानों की आर्थिक प्रगति भी हो और पर्यावरण का संतुलन भी बना रहे। हमारे देश में एग्रोफोरेस्ट्री (कृषि वानिकी) के प्रति जागरूकता काफी कम है। किसानों को एग्रोफोरेस्ट्री के लाभों और उनके खेत में पेड़ लगाने के फायदों के बारे में स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम चलाए जाने चाहिएं। हरियाणा का फोरेस्ट कवर 3.6 प्रतिशत है, जबकि भारत का कुल वन आवरण 21.7 प्रतिशत है। ऐसे में हरियाणा का फोरेस्ट कवर सबसे कम है। नेशनल एग्रो फोरेस्ट पॉलिसी-2014 को हरियाणा में और ज्यादा प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, जिसके तहत ग्रामीण परिवारों, विशेष रूप से छोटे किसानों की उत्पादकता, रोजगार, आय और आजीविका में सुधार लाने के लिए फसलों और पशुधन के साथ पूरक और एकीकृत तरीके से वृक्षारोपण को प्रोत्साहित करना और उसका विस्तार करना है। भव्य ने मांग की कि एग्रोफोरेस्ट्री को बढ़ावा देने के लिए बड़े स्तर पर अभियान शुरू किए जाएं, इससे किसानों, पर्यावरण और समाज को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि देश में सोलर कंपनियों,औद्योगिक इकाईयों तथा रिहायशी क्षेत्र विकसित करने के लिए हरे-भरे वृक्षों को ना काटने के कड़े मापदंड बनाए जाएं। मंत्रालय द्वारा हरियाणा, राजस्थान सहित देश के विभिन्न जैव विविधता वाले क्षेत्रों को सामुदायिक संरक्षित क्षेत्र घोषित किया जाए, जिससे मानव और प्रकृति का संतुलन बना रहे।

भारत में औपचारिक नौकरियों में उछाल: इनडीड

बेंगलुरु । लगातार आठ महीने की गिरावट के बाद इस वर्ष मई में नौकरियों की पोस्टिंग में जबरदस्त 8.9 प्रतिशत वृद्धि देखी गयी है। ग्लोबल मैचिंग और हायरिंग प्लेटफॉर्म इनडीड द्वारा जारी नए आंकड़ों के मुताबिक हालांकि यह एक साल पहले के मुकाबले 1.8 प्रतिशत और अपने शिखर से लगभग 16 प्रतिशत कम है। हाल ही में हुई गिरावट के बाद भी भारतीय नौकरियों की पोस्टिंग कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में लगभग 80 प्रतिशत ज़्यादा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इंग्लैंड, न्यूज़ीलैंड और स्विटज़रलैंड जैसे कई देशों में पोस्टिंग वॉल्यूम इस समय कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में कम है। अगर इस तुलना को देखा जाए, तो भारत में पोस्टिंग वॉल्यूम बहुत अच्छा है। भारत में लगभग 80 प्रतिशत व्यवसायों में नौकरियों की पोस्टिंग पिछले तीन महीनों में काफी बढ़ी है। सबसे ज़्यादा नौकरियाँ चाइल्डकेयर (27 प्रतिशत), पर्सनल केयर एवं होम हेल्थ (25 प्रतिशत), शिक्षा (24 प्रतिशत) और उत्पादन एवं विनिर्माण (22 प्रतिशत) बढ़ीं है। इस वृद्धि से डेंटल सेक्टर में नौकरियों में आई कमी की कुछ भरपाई हो सकती है, जो पिछले तीन महीनों में 10.2 प्रतिशत कम हुई हैं। इसके अलावा, कृषि और वानिकी (8.6 प्रतिशत), सामुदायिक और सामाजिक सेवा (6.8 प्रतिशत) और सॉफ़्टवेयर विकास (4.2 प्रतिशत) की कमी देखी गयी है। हालाँकि हाल ही में सॉफ़्टवेयर डेवलपमेंट में अवसर कम हुए हैं, पर इनडीड पर यह सेक्टर सबसे अधिक नौकरियां पोस्ट करता है, हर पाँच भारतीय नौकरी की **पोस्टिंग में एक पोस्टिंग इसी सेक्टर की होती है।**

रूस सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक बना रहेगा : एफएओ

मॉस्को। संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के आंकड़ों के अनुसार रूस कम से कम दो साल तक सबसे बड़ा गेहूं निर्यातक देश बना रहेगा। रूस की संवाद समिति ने एफएओ के हवाले से कहा है कि चालू तथा अगले कृषि वर्ष के दौरान गेहूं के कुल वैश्विक निर्यात में रूस का योगदान 20 प्रतिशत से ऊपर रहने की संभावना है। एफएओ की जारी रिपोर्ट में कहा गया कि 2024-25 कृषि वर्ष में वैश्विक गेहूं निर्यात लगभग आठ प्रतिशत घटकर 19.33 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह चार साल के निर्यात का न्यूनतम स्तर होगा। संयुक्त राष्ट्र के इस संगठन के अनुसार अगले कृषि वर्ष में वैश्विक स्तर पर गेहूं का निर्यात में ज्यादा से ज्यादा 3.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20.06 करोड़ टन तक रहेगा। रिपोर्ट में एफएओ के विश्लेषकों ने लिखा है, 'रूस दुनिया के सबसे बड़े गेहूं निर्यातक की अपनी स्थिति को बनाये रख सकता है।' संगठन के पूर्वानुमानों के अनुसार, 2024-25 कृषि वर्ष में रूस से गेहूं का निर्यात 4.26 करोड़ टन होगा, जो पिछले तीन साल के उसके औसत वार्षिक निर्यात 4.20 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। अगले फसल वर्ष में यह बढ़कर 4.65 करोड़ टन तक पहुंच सकता है। रिपोर्ट के अनुसार रूस विश्व के गेहूं बाजार में इन दो वर्षों में क्रमशः 22 प्रतिशत और 23 प्रतिशत की आपूर्ति करेगा।

कीर्ति गणोरकर सन फार्मा के प्रबंध निदेशक नियुक्त

मुंबई। फार्मा कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड और उसकी सहायक कंपनियां ने श्री कीर्ति गणोरकर को प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की है। कंपनी ने यहां एक बयान में कहा कि उनकी नियुक्ति एक सितंबर, 2025 से प्रभावी होगी और वह श्री दिलीप सांघवी का स्थान लेंगे और पूरा कारोबार तथा सभी कार्य उन्हें रिपोर्ट करेंगे। यह नियुक्ति आगामी वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों की मंजूरी के अधीन है। कंपनी के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री सांघवी प्रबंध निदेशक के पद से हटाने जा रहे हैं। श्री सांघवी निदेशक मंडल के कार्यकारी अध्यक्ष बने रहें। श्री गणोरकर जून 2019 से सन फार्मा में भारत के कारोबार का नेतृत्व कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में, कंपनी का भारत का कारोबार लगातार बढ़ा है, जिससे इसकी बाजार हिस्सेदारी में और वृद्धि हुई है। इससे पहले, उन्होंने सन फार्मा में व्यवसाय विकास, विपणन, एमएंडए, नए उत्पाद परिचय, परियोजना प्रबंधन, आईपी और मुकदमेबाजी में विभिन्न नेतृत्व भूमिकाएँ निभाई हैं। उन्होंने इलुम्या जैसे अभिनव उत्पादों के अधिकार हासिल करके सन फार्मा के स्पेशियलिटी क्षेत्र में प्रवेश में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। इजराइल और ईरान के बीच जारी तनाव से पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति बाधित होने की आशंका में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 7.55 प्रतिशत उबलकर 73.18 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 1.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 75.28 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

हैप्पी बर्थडे लक्ष्मी मित्तल : कॉमन मैन से ग्लोबल स्टील किंग बनने का सफर, मिल में ट्रेनी बनकर किया था कभी काम

एजेंसी
नई दिल्ली । स्टील बिजनेस का नाम लेने के साथ ही सबसे पहले जेहन में जो नाम आता है वह लक्ष्मी निवास मित्तल है। स्टील मिल चलाने वाले एक साधारण से व्यक्ति का बेटा, जो मिल में ट्रेनी के रूप में काम करता था आज स्टील किंग के नाम से दुनिया भर में मशहूर है। भारत में जन्मे मित्तल ने अपनी शिक्षा देश में ही पूरी की और आज अपने परिवार के साथ यूनाइटेड किंगडम में रहते हैं। एक समय में दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में आने वाले मित्तल का रविवार, 15 जून को 75वां जन्मदिन है। आइए जानते हैं, उनके कॉमन मैन से ग्लोबल स्टील किंग बनने का सफर... लक्ष्मी निवास मित्तल का जन्म 1950 में राजस्थान के सादुलपुर में हुआ था। 1960 के दशक में मित्तल का परिवार कोलकाता चला गया था, जहां उनके पिता एक स्टील मिल चलाते थे। मित्तल ने सेंट जेवियर्स कॉलेज में विज्ञान की पढ़ाई करते हुए मिल में काम किया। स्नातक के बाद उन्होंने मिल में ट्रेनी के रूप में काम किया।

वे 1976 में इंडोनेशिया चले गए थे, जहां उन्होंने एक छोटी स्टील कंपनी स्थापित की, जिसे आज दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्टील निर्माता कंपनी आर्सेलर मित्तल के नाम से जाना जाता है।उ2004 में इस्पात इंटरनेशनल और एलएनएम होल्डिंग्स के मर्जर और इंटरनेशनल स्टील ग्रुप के एक साथ अधिग्रहण के बाद मित्तल स्टील की स्थापना की गई। इसके तुरंत बाद, 2006 में, मित्तल स्टील ने आर्सेलर के साथ विलय के लिए एक बोली शुरू की, जिससे आर्सेलर मित्तल का निर्माण हुआ। स्टील डेवलपमेंट को लेकर उन्हें कई अवार्ड से सम्मानित भी किया गया। 1996 में उन्हें संयुक्त राज्य अमेरिका में न्यू स्टील द्वारा 'स्टीलमेकर ऑफ द ईयर' और 1998 में ग्लोबल स्टील डेवलपमेंट में उद्यमशीलता, नेतृत्व और सफलता के लिए वर्ल्ड स्टील डायनेमिक्स द्वारा 'विली कोर्फ स्टील विजन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। उन्हें उनकी उत्कृष्ट व्यावसायिक उपलब्धियों के लिए 2004 में फॉर्च्यून पत्रिका के 'यूरोपियन बिजनेसमैन ऑफ द ईयर' और संडे टाइम्स द्वारा 'बिजनेस पर्सन ऑफ द ईयर', टाइम पत्रिका द्वारा 'इंटरनेशनल न्यूजमेकर ऑफ द ईयर' नामित किया गया था। 2006 में फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा उन्हें 'पर्सन ऑफ द ईयर' नामित किया गया था। जनवरी 2007 में, मित्तल को किंग्स कॉलेज लंदन से फेलोशिप प्रदान की गई, जो कॉलेज का सर्वोच्च पुरस्कार है। जनवरी 2008 में, मित्तल को भारत के राष्ट्रपति द्वारा भारत के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। मित्तल की पहचान आज एक प्रसिद्ध वैश्विक व्यवसायी के रूप में होती है और वे विभिन्न सलाहकार परिषदों के बोर्ड में कार्यरत हैं। इसके अलावा, वे शिक्षा और बाल स्वास्थ्य के क्षेत्र में सक्रिय परोपकारी व्यक्ति हैं। आर्सेलर मित्तल में अपनी भूमिका के अलावा मित्तल विभिन्न बोर्डों और सलाहकार परिषदों के सक्रिय भागीदार हैं। वे एपेरम के बोर्ड के अध्यक्ष और गोल्डमैन सैक्स के बोर्ड के सदस्य हैं। लक्ष्मी एन. मित्तल फरवरी 2021 में आर्सेलर मित्तल के कार्यकारी अध्यक्ष बने। इससे पहले वे आर्सेलर मित्तल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे।

एसबीआई ने लोन दरों में 0.50 फीसदी की कटौती की, नई दरें 15 जून से प्रभावी

एजेंसी
नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत दर रेपो रेट में संशोधन के करने के बाद कई बैंकों ने अपने लेंडिंग रेट में कटौती की है। इसी कड़ी में देश एवं सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने अपनी प्रमुख लोन दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की है। नई दरें 15 जून से लागू होंगी। स्टेट बैंक ने जारी बयान में बताया कि लोन की ब्याज दरों में 0.50 फीसदी तक की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद एसबीआई से सभी तरह के लोन लेना अब सस्ता हो जाएगा। अब एसबीआई की होम लोन की ब्याज दर सालाना आधार 7.50 फीसदी से शुरू होंगी। ये नई दरें 15 जून, 2025 से प्रभावी होंगी। इस कटौती के बाद एसबीआई होम लोन की ब्याज दर उधारकर्ता के सिबिल स्कोर के आधार पर 7.50 फीसदी से 8.45 फीसदी तक होगी। एसबीआई होम लोन मैक्सगेन ओडी ब्याज दर 7.75 फीसदी से 8.70 फीसदी के बीच है। इसके अलावा टॉप अप होम लोन के लिए ब्याज दर 8 फीसदी से 10.50 फीसदी के बीच है। इससे पहले यूनियन बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बैंक ऑफ इंडिया और केनरा बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.50 फीसदी तक घटाई है। स्टेट बैंक देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक क्षेत्र का ऋणदाता बैंक है। रेपो दर में कटौती से विभिन्न ऋण-लिंक्ड बेंचमार्क प्रभावित होते हैं, जिनमें बाहरी बेंचमार्क दर (ईबीआर), बाहरी बेंचमार्क उधार दर (ईबीएलआर) और रेपो लिंक्ड उधार दर (आरएलएलआर) शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रेपो रेट में कटौती करने से बैंकों को केंद्रीय बैंक से कम ब्याज दरों पर लोन मिलता है, जिसके चलते बैंक ग्राहकों को होम लोन सस्ती दरों पर देते हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती की है, जो घटकर अब 5.50 फीसदी पर आ गई है।

हमारी अर्थव्यवस्था विश्वास-आधारित शासन के साथ नई ऊंचाइयों को छू सकती है : निर्मला सीतारमण

एजेंसी
नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के तहत पिछले 11 वर्षों में स्ट्रक्चरल सुधारों ने भारत के व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को नया आकार दिया है। वित्त मंत्री ने एक मीडिया आर्टिकल में लिखा कि भारत का सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना कई अनुकूल कारकों पर आधारित है। साथ ही यह अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों जैसे बैंकों, कॉरपोरेट्स, परिवारों, सरकार और एक्सटर्नल सेक्टर की बैलेंस शीट को मजबूत करने के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है। वित्त मंत्री सीतारमण ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'पिछले 11 वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था का 'ट्विन डेफिसिट प्रॉब्लम से फाइव-बैलेंस शीट लाभ' तक परिवर्तन पीएम मोदी के नेतृत्व में ठोस नीतिगत प्रयासों का परिणाम है।÷उन्होंने आगे कहा कि 'जब हम मदद मिल सके।'वित्त मंत्री ने अपने आर्टिकल में बताया कि वित्त वर्ष

2014 में सत्ता में आए तो हमारी सबसे पहली प्राथमिकता विकास को पुनर्जीवित करना था। जीएसटी, आईबीसी, आरईआरए और महामारी के वर्षों के दौरान, पीएलआई योजना और ईसीएलजीएस जैसे संरचनात्मक सुधार पेश किए गए, ताकि क्रेडिट-योग्य एमएसएमई को कोरोना से उबरने में 2013-14 में पूंजी निवेश जीडीपी के 1.7 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 3.2 प्रतिशत हो गया। 11 वर्षों में, 88 हवाई अड्डों का संचालन किया गया, 31,000 किलोमीटर रेल पटरियां बिछाई गईं, मेट्रो नेटवर्क का चार गुना से अधिक विस्तार किया गया।

बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव ने मार्सिले में सीएमए सीजीएम नेतृत्व से मुलाकात की

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के बढ़ते समुद्री क्षेत्र को प्रदर्शित करते हुए बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय (एमओपीएसडब्ल्यू) के सचिव टीके रामचंद्रन ने फ्रांस के मार्सिले में सीएमए सीजीएम के वैश्विक मुख्यालय का दौरा किया। मंत्रालय के अनुसार यह दौरा इस साल फरवरी में फ्रांस के अपने आधिकारिक दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सीएमए सीजीएम के साथ ऐतिहासिक बातचीत के सिलसिले में हुआ। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि इस यात्रा के दौरान सचिव टीके रामचंद्रन ने सीएमए सीजीएम समूह के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। रामचंद्रन ने उनको नौवहन, जहाज निर्माण, कंटेनर टर्मिनल, मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स और समुद्री औद्योगिक क्षमताओं में भारत में कंपनी की बढ़ती उपस्थिति और संचालन के बारे में जानकारी दी गई। सीएमए सीजीएम नेतृत्व ने फरवरी से अबतक अपनी भारत रणनीति के तहत पांच प्रमुख स्तंभों, भारतीय ध्वज वाले बेड़े का विस्तार, जहाज निर्माण सहयोग, अंतर्देशीय रसद विकास, समुद्री औद्योगिक निवेश और नवाचार में हुई नई भारतीय नौवहन इकाई की स्थापना की है। इसके अलावा जहाज निर्माण में समूह एलएनजी-संचालित कंटेनर जहाजों के लिए भारतीय जहाज निर्माण संस्थाओं के साथ आगे चर्चा कर रहा है, जबकि प्रमुख बंदरगाह और अंतर्देशीय बुनियादी ढांचे में निवेश प्रगति पर है,

प्रगति के बारे में बताया। मंत्रालय ने बताया कि अपनी नौवहन पहलों के भाग के रूप में सीएमए सीजीएम ने अपने पहले भारतीय ध्वज वाले जहाजों सीसी विटोरिया और सीसी मनौस को हरी झंडी दिखाई है। इसके साथ ही गुजरात के गिफ्ट सिटी में एक जिसमें न्हावा शेवा फ्रीपोर्ट टर्मिनल के विस्तार के लिए 200 मिलियन डॉलर और वधावन पोर्ट परियोजना में भागीदारी शामिल है। उल्लेखनीय है कि सीएमए सीजीएम वर्तमान में भारत में 2,200 से अधिक डिजिटल पेशेवरों को रोजगार दे रहा है।

विदेशी निवेशकों ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346 करोड़ रुपए से अधिक का किया निवेश

एजेंसी
नई दिल्ली । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा ब्याज दरों में कटौती के बाद निवेशकों का भरोसा मजबूत हुआ और इसी के साथ विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में 3,346.94 करोड़ रुपए का निवेश किया। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई सप्ताह के पहले तीन कारोबारी सत्रों, 9 जून से 13 जून के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में सक्रिय खरीदार रहे। बाजार में सकारात्मक माहौल मुख्य रूप से आरबीआई द्वारा रेपो दर को 50 आधार अंकों से घटाकर 5.5 प्रतिशत करने के फैसले से जुड़ा था, जिसे कई लोगों ने आर्थिक विकास को समर्थन देने और बाजार में लिक्विडिटी में सुधार के स्पष्ट संकेत के रूप में देखा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि ब्याज दरों में इस आश्चर्यजनक कटौती ने विदेशी

निवेश को आकर्षित करने में बड़ी भूमिका निभाई है, क्योंकि यह केंद्रीय बैंक के विकास समर्थक दृष्टिकोण को दर्शाता है। 6 जून को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के निर्णय का निवेशकों ने स्वागत किया है। निवेशकों ने इसे अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कॉर्पोरेट आय में सुधार के लिए समय पर उठाया गया महत्वपूर्ण कदम माना। एक ओर जहां वैश्विक कारक बाजार की गतिविधियों को प्रभावित करना जारी रखते हैं, वहीं दूसरी ओर भारत अपनी मजबूत बुनियादी बातों, नीति समर्थन और बढ़ती अर्थव्यवस्था के कारण विदेशी निवेश के लिए एक आकर्षक गंतव्य बना हुआ है विदेशी निवेशकों ने मई में भारतीय शेयर बाजार में 19,860 करोड़ रुपए निवेश किए, जिससे यह विदेशी निवेश के लिए साल का अब तक का सबसे अच्छा महीना बन गया। इस बीच, बाजार विश्लेषकों के अनुसार, इस सप्ताह भारतीय इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया और यह आखिरी कारोबारी दिन लाल निशान पर समाप्त हुआ। हालांकि सप्ताह की शुरुआत अमेरिका-चीन व्यापार वार्ता में प्रगति के कारण सकारात्मक रही, लेकिन इजरायल द्वारा ईरान की न्यूक्लियर साइट्स पर हमले करने के बाद यह आशावाद जल्दी ही खत्म हो गया। इस घटना ने वैश्विक निवेशकों के बीच सतर्कता की लहर पैदा कर दी, जिससे वे सोने और अमेरिकी बॉन्ड जैसी सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर बढ़ गए।

एसबीआई लाइफ ने विमान हादसे के पीड़ितों के दावा प्रक्रिया को सरल बनाया

एजेंसी
मुंबई। जीवन बीमा कंपनी एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस ने अहमदाबाद में हुए दुखद एआई 171 विमान हादसे के पीड़ितों के परिवारों की सहायता के लिए दावा प्रक्रिया को सरल बनाया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ऐसी स्थितियों में प्रक्रियात्मक चुनौतियों से उत्पन्न होने वाले भारी भावनात्मक तनाव को समझते हुए, एसबीआई लाइफ ने तेजी से वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दावा प्रक्रिया को आसान बनाया है। एसबीआई लाइफ दावेदार से मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर जोर नहीं देगी। एसबीआई लाइफ आधिकारिक सरकारी रिकॉर्ड या सरकारी पोर्टल, नगर निगम के रिकॉर्ड या ई-गवर्नेंस डेटाबेस से मृत्यु के प्रमाण को मृत्यु के प्रमाण के रूप में मानेगी। क्लेम फॉर्म, पॉलिसी दस्तावेज और केवाईसी और नामांकित व्यक्ति के बैंक खाते के विवरण जैसे न्यूनतम दस्तावेजों के साथ दावा किया जा सकता है। इसके अलावा, परिवार के सदस्य किसी भी दावे के लिए एसबीआई लाइफ के

SBI Life
Apne liye. Apno ke liye.

टोल फ्री नंबर 1800 267 9090 पर भी कॉल कर सकते हैं। कंपनी ने कहा, एसबीआई लाइफ में हम इस दुर्भाग्यपूर्ण त्रासदी से प्रभावित परिवारों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। गहरे नुकसान के इन क्षणों में, हमारी प्राथमिकता करुणापूर्वक एक त्वरित और सरलीकृत दावा निपटान अनुभव सुनिश्चित करना है।

बोइंग 737 पर सुरक्षा जांच के कारण एयर इंडिया की लंबी दूरी की उड़ानों में देरी संभव

एजेंसी
नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने कहा कि आने वाले दिनों में उसकी कुछ लंबी दूरी की उड़ानों में देरी हो सकती है, क्योंकि एयरलाइन अपने बोइंग 787 विमानों पर सुरक्षा जांच की एक शृंखला चला रही है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आदेश के अनुसार एयर इंडिया ने बोइंग 787 ड्रीमलाइनर विमानों का एक बार निरीक्षण शुरू किया, नौ विमानों की जांच पूरी हो चुकी है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने 'एक्स' पोस्ट में बताया कि भारतीय विमानन नियामक डीजीसीए के निर्देशित एक बार की सुरक्षा जांच पूरी करने की प्रक्रिया में है। ये जांच प्रक्रिया एयर इंडिया के बोइंग 787 बेड़े पर की जा रही है, क्योंकि वे भारत लौट रहे हैं। ऐसी जांच पूरी कर ली है। नियामक के द्वारा दी गई समय-सीमा के भीतर शेष 24 विमानों के लिए इस

उसके बाद उन्हें अगले परिचालन के लिए मंजूरी दी जाएगी। एयरलाइन ने कहा कि एयर इंडिया ने बोइंग 787 विमानों में से नौ पर प्रक्रिया को पूरा करने की दिशा में काम कर रही है। इनमें से कुछ जांचों के कारण कुछ लंबी दूरी के मार्गों पर अधिक समय लग सकता है और संभावित देरी हो सकती है, खासकर उन हवाई अड्डों पर जहां परिचालन कर्फ्यू है। प्रवक्ता ने बताया कि ग्राहकों को किसी भी देरी के बारे में विधिवत सूचित किया जाएगा। उन्हें सलाह दी जाती है कि वे हवाई अड्डे पर जाने से पहले http://airindia.com/in/en/manage/flight-status.html पर अपनी उड़ानों की स्थिति की जांच करें। एयर इंडिया ने कहा कि इस व्यवधान से प्रभावित ग्राहकों के लिए, रद्दीकरण पर रिफंड या मानार्थ पुनर्निर्धारण की पेशकश की जा रही है, जो इसे चुनते हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने बोइंग 737 विमानों की व्यापक निगरानी के आदेश दिए हैं।

भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने चेन्नई में क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन किया

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने चेन्नई में दक्षिणी राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों में उपभोक्ता संरक्षण पर महत्वपूर्ण क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित की। कार्यक्रम का उद्देश्य उपभोक्ता शिकायत निवारण तंत्र को बढ़ाना और पूरे क्षेत्र में संस्थागत दक्षता में सुधार करना था। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि 13 जून को अयोजित इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता विभाग की सचिव निधि खरे ने उपभोक्ता मुद्दों को प्रभावी ढंग से संबोधित करने के लिए आधुनिक कानूनी ढांचे और डिजिटल उपकरणों की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्?होंने उपभोक्ता शिकायतों से निपटने में उनके सराहनीय प्रदर्शन के लिए दक्षिणी राज्यों की प्रशंसा भी की। निधि खरे ने अपने संबोधन में इस बात पर जोर दिया कि डिजिटल युग में अनुकूल कानूनी और डिजिटल तंत्र की आवश्यकता है। उन्होंने राइट टू रिपेयर पोर्टल, ई-जागृति और राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन को मजबूत बनाने जैसी पहलों के महत्व को रेखांकित किया। यह मुकदमेबाजी से पहले उपभोक्ता शिकायतों के निवारण का त्वरित, परेशानी मुक्त और सस्ता तरीका है।उन्होंने ने बताया कि 2025 में राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन पर 5.41 लाख शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 23 फीसदी दक्षिणी राज्यों से थीं, जो मजबूत क्षेत्रीय भागीदारी को दर्शाता है। राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज 28.54 लाख मामलों में से केवल 5.62 लाख मामले लंबित हैं जिनमें दक्षिणी राज्यों का हिस्सा केवल 13.34 फीसदी है। उन्होंने दक्षिणी क्षेत्र के प्रदर्शन की सराहना की और कहा कि कर्नाटक और केरल आयोगों ने दर्ज मामलों की तुलना में अधिक मामलों का निपटारा किया और कई जिला आयोगों ने लगातार तीन वर्षों तक 100 फीसदी से अधिक मामले निपटाए। वर्चुअल कोर्ट के माध्यम से 11,900 से अधिक मामलों की सुनवाई की गई। इसके अलावा भारत सरकार के उपभोक्ता मामले विभाग के अपर सचिव भरत खेड़ा ने नैतिक व्यापार में भारत की ऐतिहासिक जड़ों और उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के परिवर्तनकारी प्रभाव के बारे में बताया। तमिलनाडु सरकार के सहकारिता, खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के प्रधान सचिव थिरु सत्यब्रत साहू ने उपभोक्ता संरक्षण संस्थानों को मजबूत करने के लिए क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल दिया और न्याय सुनिश्चित करने में नीति निर्माताओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया।

जिंसों में टिकाव

एजेंसी
नई दिल्ली। स्थानीय स्तर पर आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों के साथ ही दाल दलहन और अन्य जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन :
इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। इस दौरान मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल, वनस्पति तेल और सरसों तेल के भाव पिछले दिवस पर पड़े रहे।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में भी टिकाव देखा गया। इस दौरान मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल, चना, चना दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

अनाज: अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे।

सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:-

दाल-दलहन : चना 5700-5900, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7600-7700, मूंग दाल 9600-9700, उड़द दाल 9300-9400, अरहर दाल 8600-8700 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2950-3050 रुपये और चावल 3650-3750 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

मनोहर लाल ने फतेहाबाद परमाणु ऊर्जा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की

एजेंसी
नई दिल्ली/चंडीगढ़। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के फतेहाबाद जिले में परमाणु ऊर्जा परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के साथ फतेहाबाद स्थित उत्तर भारत के पहले परमाणु ऊर्जा संयंत्र गोरखपुर हरियाणा परमाणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) की प्रगति की समीक्षा की। विद्युत मंत्रालय ने की तरफ से बताया गया है कि केंद्रीय ऊर्जा मंत्री ने परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत भारतीय परमाणु ऊर्जा निगम लिमिटेड (एनपीसीआईएल) द्वारा कार्यान्वित की जा रही परमाणु ऊर्जा परियोजना की प्रगति की समीक्षा करने के लिए गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) का दौरा किया। इस परियोजना में 4×700 मेगावाट क्षमता के दबावयुक्त भारी जल रिएक्टर (पीएचडब्ल्यूआर) स्थापित करना शामिल है। इस

अवसर पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने एनपीसीआईएल के प्रयासों की सराहना की और देश के भविष्य के लिए स्वच्छ, सुरक्षित और विश्वसनीय ऊर्जा प्राप्त करने में परमाणु ऊर्जा के महत्व को दोहराया। मंत्रालय के मुताबिक इस परियोजना के एक बार पूरा हो जाने पर उत्पादित बिजली का 50 फीसदी हरियाणा राज्य को आवंटित किया जाएगा, जिससे राज्य की ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। मनोहर लाल ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में कहा, यह महत्वाकांक्षी परियोजना न केवल हरियाणा और उत्तर भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा जरूरतों को पूरा करेगी, बल्कि स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा समाधानों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को भी मजबूत करेगी। मंत्री ने कहा कि जीएचएवीपी जैसी परियोजनाएं भारत को 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा, यह परियोजना भारत को परमाणु ऊर्जा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी बनाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ऊर्जा आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक दूरदर्शी कदम है। उल्लेखनीय है कि गोरखपुर हरियाणा अणु विद्युत परियोजना (जीएचएवीपी) में 700 मेगावाट के चार पीएचडब्ल्यूआर (प्रेशराइज्ड हैवी वाटर रिएक्टर) शामिल हैं, जिनकी कुल परियोजना लागत 41,594 करोड़ रुपये है।

'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 27वें संस्करण की रौनक बढ़ाएंगे सांसद मनोज तिवारी

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली से सांसद और प्रसिद्ध अभिनेता-गायक मनोज तिवारी राजधानी दिल्ली में आयोजित होने जा रहे 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' के 27वें संस्करण की शान बढ़ाएंगे। यह आयोजन 15 जून को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में किया जाएगा, जो फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया (पीईएफआई) के सहयोग से आयोजित हो रहा है।इस कार्यक्रम में अन्य प्रमुख हस्तियों में पीईएफआई अध्यक्ष डॉ. एके बंसल (द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता और पूर्व भारतीय हॉकी कोच), 1992 एशियन मैराथन चैंपियन डॉ. सुनीता गोडारा, पीईएफआई के राष्ट्रीय सचिव डॉ. पीयूष जैन, इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज़ के प्रोफेसर व निदेशक (खेल) डॉ. त्रिभुवन राम नारायण और सोनिया विहार वॉटर स्पोर्ट्स क्लब सोसाइटी दिल्ली के स्विमिंग कोच मनजीत शेखावत शामिल होंगे। इस साइक्लिंग ड्राइव का आयोजन देशभर के 500 से अधिक स्थानों पर एक साथ किया जाएगा, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की राजधानियां, साई क्षेत्रीय केंद्र, राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, साई ट्रेनिंग सेंटर्स, खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और खेलो इंडिया सेंटर्स भी शामिल हैं। इस मुहिम में 15,000 से अधिक नागरिकों के भाग लेने की संभावना है।

एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप : भारतीय जिम्नास्ट प्रणति नायक ने वॉल्ट में जीता कांस्य

नई दिल्ली। दक्षिण कोरिया के जेचियोन जिमनैजियम में चल रही एशियन आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप 2025 में भारत की प्रणति नायक ने वॉल्ट स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। हुए फाइनल में 30 वर्षीय प्रणति ने 13.466 स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।इस स्पर्धा में चीन की यिहान झांग ने स्वर्ण और वियतनाम की गुयेन थी क्विन्ह न्हु ने रजत पदक जीता। वहीं भारत की ही एक और प्रतिभागी प्रतिष्ठा सामंता 13.016 स्कोर के साथ चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं। यह कांस्य पदक प्रणति नायक के एशियाई चैंपियनशिप करियर का तीसरा पदक है। उन्होंने इससे पहले 2019 (उलानबातार) और 2022 (दोहा) में भी वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इसके साथ ही उन्होंने दीपा करमाकर के दो पदकों का रिकॉर्ड तोड़ते हुए भारत की ओर से इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा पदक जीतने वाली जिम्नास्ट बन गई हैं। इस साल मार्च में भी प्रणति ने तुर्की के अंताल्या में हुए स्रद्धुल आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक अप्परैटस वर्ल्ड कप में वॉल्ट स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। उनका यह निरंतर प्रदर्शन भारतीय जिम्नास्टिक के लिए एक बड़ी उपलब्धि है।

यह जानना महत्वपूर्ण है कि कब तैयार रहना है : प्रसिद्ध कृष्णा

नई दिल्ली। भारतीय तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने कहा कि उन्होंने टीम की जरूरतों के अनुसार खेलना सीख लिया है और अब वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की अपनी शानदार फॉर्म को इंग्लैंड दौरे पर भी जारी रखना चाहते हैं। चोट से उबरकर वापसी करने वाले प्रसिद्ध ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया और सर्वाधिक विकेट लेकर पर्पल कैप हासिल की। वह अब इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला को लेकर उत्साहित हैं। भारतीय टीम अभी यहां आपस में ही अभ्यास मैच खेल रही है। प्रसिद्ध ने बीसीसीआई टीवी से कहा, ''आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आपका मौका आए तो आप उसके लिए तैयार रहें लेकिन आप वास्तव में लंबे समय तक ध्यान केंद्रित नहीं रख सकते हैं, खासकर जब आप बाहर बैठे हों, इसलिए आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि आप थोड़ा मौज-मस्ती भी करें।उन्होंने कहा,''जब आप जानते हैं कि आप स्थिति को भांप सकते हैं, तो आप यह सुनिश्चित करते हैं कि आप विशेष परिस्थितियों में अपनी टीम की मदद करें। यह सुनिश्चित करें कि आप पूरी तरह से तैयार रहें, क्योंकि खेल में कुछ भी हो सकता है, यही अपने आप में क्रिकेट की खूबसूरती है। प्रसिद्ध ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम सभी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि कब स्विच ऑन और कब स्विच ऑफ करना है।

जीता हुआ मैच हार गई टीम, गेंदबाज ने 1 गेंद पर लुटा दिए 8 रन

नई दिल्ली। तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2025 के 9वें मैच में आईड्रीम तिरुप्पुर तमिजहंस और एसकेएम सेलम स्पार्टन्स की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला हुआ। एक समय तिरुप्पुर की जीत तय मानी जा रही थी, लेकिन 19वें ओवर में गेंदबाज एसाकिमुथु ए की महंगी गेंदबाजी ने मैच का रुख पलट दिया। सेलम स्पार्टन्स ने यह मैच 4 विकेट से जीतकर सभी को हैरान कर दिया।मैच के 19वें ओवर में तिरुप्पुर तमिजहंस के कप्तान साई किशोर ने एसाकिमुथु ए को गेंदबाजी सौंपी। इस ओवर में एसाकिमुथु ने 25 रन खर्च किए। ओवर की शुरुआत में उन्होंने 5 गेंदों पर 17 रन दिए, उसके बाद लगातार 4 नो बॉल डालीं, जिन पर सेलम स्पार्टन्स ने 8 रन बनाए। इस ओवर ने तिरुप्पुर की जीत की उम्मीदों को चकनाचूर कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए तिरुप्पुर तमिजहंस ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 177 रन बनाए।

भारत-इंग्लैंड विकलांगता टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले के साथ समावेशी क्रिकेट सम्मेलन का समापन

एजेंसी

नई दिल्ली। विकलांगता क्रिकेट के उज्जवल भविष्य की रूपरेखा तय करने और खेलों में समावेशिता, समानता और पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक विशेष अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें विश्व स्तर के ब्रांड्स, खेल बोर्डों और समावेशन के पैरोकारों ने भाग लिया। इस पहल का नेतृत्व 'स्वयम्' संस्था ने किया, जो लंबे समय से खेल समेत सभी क्षेत्रों में विकलांगजनों के लिए एक समावेशी और सुलभ वातावरण सुनिश्चित करने की दिशा में कार्यरत हैसम्मेलन का मुख्य उद्देश्य विकलांगता क्रिकेट को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाना था। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि खेल के जरिए सामाजिक बाधाओं को तोड़ा जा सकता है और समावेशन को बढ़ावा दिया जा सकता है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे तीसरे वाइटेलिटी

मिक्स्ड डिसएबिलिटी अंतरराष्ट्रीय टी20 मैच का लाइव प्रसारण रहा, जिसने उपस्थितजनों को समावेशी क्रिकेट की संभावनाओं और प्रतिभा की एक प्रेरणादायक झलक दी।

भारतीय विकलांगता क्रिकेट टीम का स्क्वाड: रवींद्र गोपीनाथ सांते (कप्तान), वीरेंद्र सिंह (उपकप्तान), विक्रांत रविंद्र केनी, राधिका प्रसाद, राजेश इरप्पा कन्नूर, योगेंद्र सिंह (विकेटकीपर), नरेंद्र मंगोरे, साई आकाश, उमर अशरफ, संजू शर्मा, अभिषेक सिंह, विवेक कुमार, विकास गणेशकुमार, प्रवीण नैलवाल, ऋषभ जैन, तरुण

रिजर्व खिलाड़ी: माजिद मैगराय, कुलदीप सिंह, कृष्णा गौड़ा, जितेन्द्र नगराजू

इन खिलाड़ियों ने न सिर्फ मैदान पर भारत का प्रतिनिधित्व किया, बल्कि दुनिया को यह संदेश भी दिया कि 'खेल सबका है'। इस पहल से प्रेरणा लेकर अन्य खेल संगठनों और संस्थाओं के लिए भी यह एक मिसाल बन सकती है।

'स्वयम्' की संस्थापक और समावेशिता की मुखर पैरोकार सविता चौधरी ने कहा, हमारा सपना है एक ऐसा भारत और एक ऐसी दुनिया, जहां कोई भी व्यक्ति उसकी शारीरिक क्षमता के आधार पर अवसरों से वंचित न रह जाए। विकलांगता क्रिकेट इसका ज्वलंत उदाहरण है।

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 3-2 से हराया, अभिषेक का डबल गोल गया बेकार

एजेंसी

एंटवर्प। एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के यूरोपियन चरण में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एक और करारी हार का सामना करना पड़ा। खेले गए मुकाबले में भारत ने शानदार शुरुआत करते हुए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन अंतिम क्वार्टर में कमजोर पड़ती डिफेंस और पेनल्टी कॉर्नर पर मिली गोलों की मार ने भारत को 3-2 से हार का स्वाद चखायाटीम इंडिया के लिए अभिषेक (8', 35') ने दो शानदार गोल किए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन एफराम्स (42'), जोएल रिंटाला (56') और टॉम क्रेग (60') ने गोल कर अपनी टीम को शानदार वापसी दिलाई। भारत की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। 8वें मिनट में मनप्रीत सिंह (जो अपने 399वें अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में खेल रहे थे) के मिडफील्ड से मिले शानदार पास को अभिषेक ने गोल में तब्दील कर टीम को 1-0 से आगे कर दिया। दो मिनट बाद ऑस्ट्रेलिया ने पेनल्टी कॉर्नर से वापसी की कोशिश की, लेकिन गोलकीपर सूरज करकेरा ने शानदार सेव कर भारत की बढ़त बरकरार रखी। पहले क्वार्टर के अंत तक भारत ने अपनी लय बनाए रखी और ऑस्ट्रेलियाई हमलों को नाकाम किया। दूसरे क्वार्टर में भारत की रणनीति सतर्कता की रही। मनदीप सिंह द्वारा मनप्रीत को दिए गए तेज पास से भारत गोल करने के करीब पहुंचा लेकिन गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया, लेकिन इसी बीच 35वें मिनट में सुखजीत सिंह के शानदार असिस्ट पर अभिषेक ने एक और गोल कर भारत की बढ़त को 2-0 कर दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 42वें मिनट में नाथन एफराम्स के गोल से खाता खोला। इसके बाद अंतिम क्वार्टर भारत के लिए चुनौतीभरा साबित हुआ। सूरज करकेरा ने कई बेहतरीन बचाव किए।

मध्य प्रदेश लीग 2025: रीवा जैगुआर्स की आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत, ग्वालियर चीता को 6 रन से हराया

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में सरांश सुराना के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत रीवा जैगुआर्स ने मध्य प्रदेश लीग के चौथे मुकाबले में ग्वालियर चीता को 6 रन से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। ग्वालियर चीता के कप्तान पार्थ साहनी द्वारा टॉस जीतकर गेंदबाज़ी चुनने के बाद रीवा ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 7 विकेट के नुकसान पर 188 रन बनाए। कप्तान हिमांशु मंत्री ने संयमित अंदाज़ में 42 गेंदों में 53 रन बनाए, हालांकि चोट के चलते उन्हें बीच में ही मैदान छोड़ कर जाना पड़ा। पृथ्वीराज सिंह तोमर ने भी 30 गेंदों में 42 रनों की अहम पारी खेली। हालांकि असली आतिशबाज़ी दिखाई सरांश सुराना ने, उन्होंने मात्र 25 गेंदों में 5 चौकों और 5 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 64 रन बनाए, जिसने रीवा को एक चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचने में मदद की। ग्वालियर के लिए अर्पित पटेल ने तीन तो आकाश रघुवंशी ने दो विकेट झटके। जवाब में ग्वालियर चीता ने सलामी बल्लेबाज पार्थ चौधरी के 25 गेंदों में 41 रनों की बदौलत तेज शुरुआत की, लेकिन उसके बाद लगातार विकेट गिरने के चलते टीम 16वें ओवर तक 7 विकेट के नुकसान पर महज 116 रनों तक ही पहुंच पाई। हालांकि उसके बाद रिषभ चौहान ने 32 गेंदों में 55 रन बनाकर मुकाबले को एक बार फिर रोमांचक बना दिया। उनका साथ निभाया अर्पित पटेल ने, जिन्होंने 14 गेंदों में 28 रन बनाए। आखिरी ओवर में ग्वालियर को जीत के लिए सिर्फ 15 रन चाहिए थे और रीवा ने गेंद थमाई दिन के हीरो सरांश सुराना को। उन्होंने संयम के साथ केवल 8 रन दिए और अपनी टीम को टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दिलाई। इस जीत में रीवा के अनुभवी स्पिनर कुमार कार्तिकेय की भी अहम भूमिका रही, उन्होंने अपने स्पेल के दौरान 4 विकेट झटके। मैच के बाद रीवा के सीनियर गेंदबाज़ कुमार कार्तिकेय ने कहा, मैंने अपनी बेसिक गेंदबाज़ी पर ध्यान दिया। मेरी भूमिका टीम के मुख्य बॉलर की है, इसलिए मुझे अपनी ज़िम्मेदारी के अनुसार प्रदर्शन करना होता है। मेरा दूसरा ओवर अच्छा नहीं गया, लेकिन मैंने ठान लिया था कि मैं वापसी करूंगा और मैं उसमें कामयाब रहा। उन्होंने सरांश की तारीफ़ करते हुए कहा कि, हमें सरांश पर पूरा भरोसा है। आज का दिन हर मायने में उसका था, फिर चाहे बल्ले से हो या बॉल से। आखिरी ओवर से पहले मैंने बस उनसे इतना कहा कि विपक्ष को 15 रन चाहिए, लेकिन यहां छक्के मारना इतना आसान नहीं है। हमें छह परफेक्ट गेंदें नहीं बस तीन सटीक गेंदें चाहिए और अगर हम ऐसा कर पाते हैं, तो मैच जीत जायेंगे और वैसा ही हुआ। आगे के मैचों की रणनीति पर कार्तिकेय ने कहा, हम लगातार जीतों के बारे में नहीं सोच रहे। हमारा ध्यान एक समय में एक ही मैच पर है। हम अगला मैच देखेंगे, आज की गलतियों से सीखेंगे और उन्हें दोहराने से बचेंगे। इस जीत के साथ रीवा जैगुआर्स एमपीएल 2025 में शुरुआती दौर के प्रमुख दावेदारों में शामिल हो गई है, वहीं ग्वालियर चीता को दो करीबी हारों के बाद वापसी की राह तलाशनी होगी।

हुलनकोर्ट विमेंस ओपन में अवनी प्रशांत शीर्ष पर, फाइनल राउंड में एक शॉट की बढ़त

एजेंसी

हुलनकोर्ट (बेल्जियम)। भारत की युवा गोल्फर अवनी प्रशांत ने हुलनकोर्ट विमेंस ओपन के तीसरे राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 अंडर 68 का स्कोर कार्ड किया और टूर्नामेंट की सोलो लीड अपने नाम कर ली है। अब फाइनल राउंड में वह एक शॉट की बढ़त के साथ उतरेंगी। 18 वर्षीय अवनी ने चार बर्डी लगाईं, जबकि उनका एकमात्र बोगी 18वें होल पर आया।

ठंडी और अनुकूल मौसम की स्थिति में खेले गए इस राउंड में अवनी का खेल संयमित और रणनीतिक रहा। अवनी ने राउंड के बाद कहा कि आज हवा की दिशा बदल गई थी, जिससे यह कोर्स बिल्कुल अलग लग रहा था। कुछ जगहों पर मुझे सतर्क होकर खेलना पड़ा। मैंने पूरे दिन धैर्य बनाए रखा। 14वें होल पर अवनी ने ग्रीन के बाहर से एक शानदार बर्डी पुट लगाकर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उन्होंने कहा, मैंने उस शॉट की दूरी का थोड़ा गलत अनुमान लगाया था, लेकिन सौभाग्य से सब ठीक रहा। आज मौसम भी थोड़ा ठंडा था, जिससे खेलने में आसानी हुई। कल

गर्मी के कारण ध्यान केंद्रित करना मुश्किल हो रहा था, लेकिन आज वैसा कुछ नहीं हुआ। फाइनल राउंड को लेकर अवनी ने कहा कि थोड़ी घबराहट जरूर होगी, लेकिन मैं उसपर ध्यान नहीं देती। मुझे दबाव में खेलना अच्छा लगता है और मैं आमतौर पर चेज करना पसंद करती हूं, लेकिन इस बार लीड में हूं। कोशिश करूंगी कि कल अपना सर्वश्रेष्ठ दूं और देखूं क्या नतीजा आता है।

महिला बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप-2025: हिलांग याजिक ने जीता एक स्वर्ण और एक रजत पदक

एजेंसी

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश की हिलांग याजिक ने 11 से 15 जून तक भूटान की राजधीनी थिम्पू में आयोजित 15वीं साउथ एशियन बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स चैंपियनशिप-2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए एक स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया है। हिलांग याजिक ने पदक जीतकर भारत और अरुणाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है।

हिलांग याजिक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाली अरुणाचल प्रदेश की पहली महिला फिजिक्स स्पोर्ट्स एथलीट बन गई हैं। यह जानकारी अरुणाचल बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष

नबाम टूना ने दी। एक बयान जारी कर उन्होंने बताया कि याजिक की उपलब्धि न केवल उनकी व्यक्तिगत सफलता के लिए बल्कि, वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए भी उल्लेखनीय है।

दरअसल, भूटान बॉडी बिल्डिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित 15वीं साउथ एशियन बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स स्पोर्ट्स चैंपियनशिप-2025 में कई देशों की भागीदारी थी। इसे वर्ल्ड बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स स्पोर्ट्स फेडरेशन और एशियन बॉडी बिल्डिंग एंड फिजिक्स स्पॉर्ट्स फेडरेशन द्वारा आयोजित किया गया था।

ग्लोबल सुपर लीग 2025 : घरेलू मैदान पर खिताब की रक्षा को तैयार गुयाना अमेजन वॉरियर्स

एजेंसी

जॉर्जटाउन (गुयाना)। गुयाना अमेजन वॉरियर्स ने एक्सॉनमोबिल ग्लोबल सुपर लीग (जीएसएल) 2025 के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम अपने घरेलू मैदान - गुयाना नेशनल स्टेडियम, प्रोविडेंस पर खिताब की रक्षा के लिए पूरी तरह तैयार है। अंतरराष्ट्रीय अनुभव से भरपूर इस टीम में युवा जोश और अनुभवी खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है, जो इसे एक मजबूत दावेदार बनाता है। 2024 के उद्घाटन संस्करण में तीसरे स्थान पर रही वॉरियर्स टीम ने इस बार कुछ अहम बदलाव किए हैं। हालांकि टीम की कोर संरचना बरकरार रखी गई है। टीम की अगुवाई अनुभवी खिलाड़ियों जैसे इमरान ताहिर, मोईन अली, रोमारियो शेफर्ड और गुडाकेश मोती कर रहे हैं। टीम में इस बार नए चेहरों के रूप में उभरते विकेटकीपर-बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू और आमिर जंगू को शामिल किया गया है। इसके अलावा टॉप-ऑर्डर के विस्फोटक बल्लेबाज़ जॉनसन चार्ल्स और एविन लुईस को भी टीम में जोड़ा गया है। बाएं हाथ के स्पिनर अकील होसेन गेंदबाज़ी आक्रमण को और मज़बूती देंगे। वापसी करने वाले अफगान बल्लेबाज़ रहमनुल्लाह गुरबाज़, जिनका कैरेबियन प्रीमियर लीग में अच्छा रिकॉर्ड रहा है, भी टीम का हिस्सा हैं। आयरिश तेज गेंदबाज मार्क अडेयर और पाकिस्तानी ऑलराउंडर साउद शकील भी टीम की गहराई और विविधता को बढ़ाएंगे। टीम को इस सीजन में कुछ बड़े खिलाड़ियों की अनुपस्थिति का सामना भी करना पड़ेगा।

दक्षिण अफ्रीका ने जीता डब्ल्यूटीसी चैम्पियनशिप फाइनल्स का खिताब, खत्म किया 27 साल का सूखा

एजेंसी

लंदन। एडन मार्करम की शानदार शतकीय पारी, कप्तान टेम्बा बावुमा और तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। यह दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट क्रिकेट में पहली विश्व खिताबी जीत है और आईसीसी टूर्नामेंट में उनकी दूसरी बड़ी जीत है। इससे पहले उन्होंने 1998 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (जो बाद में चैंपियंस ट्रॉफी कहलाया) जीती थी। यानी 27 साल बाद दक्षिण अफ्रीका ने कोई आईसीसी खिताब अपने नाम किया है। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने चोकर्स का टैग भी उतार फेंका और लॉर्ड्स के मैदान पर अपने

क्रिकेट इतिहास का सबसे गौरवशाली अध्याय जोड़ा। एडन मार्करम को उनकी शतकीय पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। एडन मार्करम की ऐतिहासिक और टेम्बा बावुमा की संयमित पारी ने रखी जीत की नींव फाइनल मुकाबले में एडन मार्करम ने 136 रनों की ऐतिहासिक शतकीय पारी खेली, जिसने जीत की नींव रखी। कप्तान टेम्बा बावुमा ने भी संयमित 66 रनों की अहम पारी खेली। गेंदबाज़ी में कगिसो रबाडा ने दोनों पारियों में घातक प्रदर्शन करते हुए कुल 9 विकेट चटकाए। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के लिए मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 58* रनों की लड़ाकू पारी खेली और कुल 3 विकेट भी लिए, लेकिन टीम को हार से नहीं बचा सके। कगिसो रबाडा ने मैच में कुल 9 विकेट चटकाए (पहली पारी में 5/51 और दूसरी में 4/59), जिससे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों की कमर टूट गई। हालांकि मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में नाबाद 58 रन बनाकर संघर्ष किया और कुल 3 विकेट भी लिए, लेकिन वो टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह हार करारा झटका रही, क्योंकि कप्तान पैट कमिंस की अगुवाई में टीम ने हाल ही में एशेज, पिछली वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप और वनडे वर्ल्ड कप अपने नाम किए थे।

स्टीव स्मिथ ने उंगली की चोट पर दिया अपडेट

लंदन। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने अपनी चोट और क्रिकेट में वापसी पर अपडेट दिया है। आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के दौरान उन्हें उंगली में चोट लग गई थी। स्मिथ को उम्मीद है कि वे वेस्टइंडीज के खिलाफ कैरेबियाई दौरे पर होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलेंगे। स्टीव स्मिथ के कैच लेने के प्रयास में अपनी उंगली में चोट लग गई और बाद में तीसरे दिन के खेल के दौरान अपनी दाहिनी छोटी उंगली में कम्पाउंड डिस्लोकेशन के बाद उन्हें पास के अस्पताल में एक्स-रे के लिए भेजा गया। स्मिथ के लिए प्रारंभिक रिकवरी काफी अच्छी रही है और 36 वर्षीय खिलाड़ी सर्जरी से बच गए। उनके वेस्टइंडीज के खिलाफ 25 जून से शुरू होने वाली आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका है। स्मिथ ने कहा,मैं अब आठ सप्ताह तक स्प्लिंट में रहूंगा और शायद कुछ सप्ताह में मैं इसके साथ खेल सकूं। यह मेरी कार्यक्षमता और मैं क्या कर सकता हूं।

आईएसएसएफ विश्व कप 2025: आर्या-अर्जुन की जोड़ी ने 10 मीटर एयर रायफल स्पर्धा में जीता स्वर्ण

एजेंसी

म्यूनिख। भारत के आर्या बोर्से और अर्जुन बाबुता की जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीन के ज़ीफेई वांग और लिओहाओ शेंग की जोड़ी को 17-7 से हराकर आईएसएसएफ विश्व कप 2025 की 10 मीटर एयर रायफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया भारतीय जोड़ी ने क्वालिफिकेशन में कुल 635.2 का स्कोर किया था, जो वांग और शेंग की रिकॉर्ड 635.9 के ठीक पीछे रहा। यह स्कोर विश्व रिकॉर्ड के बहुत करीब था। व्यक्तिगत तौर पर आर्या ने 317.5 और अर्जुन ने 317.7 अंक हासिल किए। इससे पहले आर्या बोर्से ने इस साल की शुरुआत में पेरू के लीमा में आयोजित विश्व कप में रुद्रांक्ष पाटिल के साथ मिलकर चांदी का तमगा जीता था। इस स्पर्धा में भारत की एक और जोड़ी एलावेनिल वलारिवन और अंकुश जाधव 631.8 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही और फाइनल के लिए

क्वालिफाई नहीं कर सकीं। नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टैड और जॉन-हेरमन हेग की जोड़ी ने कांस्य पदक जीता, जिन्होंने अमेरिका की सेजन मैडालेना और पीटर मैथ्यू फियोरी की जोड़ी को 16-14 से मात दी। इस जीत के साथ भारत के लिए यह इस विश्व कप का चौथा पदक और दूसरा स्वर्ण पदक रहा। इससे पहले सुरुचि सिंह ने स्वर्ण, जबकि सिफ्त कौर समरा और एलावेनिल वलारिवन ने अपने-अपने व्यक्तिगत इवेंट्स में कांस्य पदक जीते थे।

आईसीसी ने एकदिनी क्रिकेट के दो गेंद नियम और कंकशन-सब्स्टीट्यूट प्रोटोकॉल में किया बदलाव

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी)ने वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों के नियम और कंकशन सब्स्टीट्यूट प्रोटोकॉल में अहम बदलाव को मंजूरी दे दी है। ये नए नियम 17 जून से टेस्ट, 2 जुलाई से वनडे और 10 जुलाई से टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में लागू होंगे।

अब ऐसे लागू होगा दो गेंदों का नियम

अब तक पुरुषों के वनडे मुकाबलों में एक पारी में दो नई गेंदों का इस्तेमाल होता था– एक-एक गेंद दोनों सिरों से, लेकिन नए नियम के अनुसार, एक पारी में 34 ओवर तक दोनों सिरों से नई गेंदों का प्रयोग जारी रहेगा। इसके बाद, 35वें ओवर से 50वें ओवर तक गेंदबाजी टीम दो में से एक गेंद चुनकर उसका उपयोग दोनों सिरों से करेगी। आईसीसी ने कहा कि इस बदलाव का उद्देश्य बल्लेबाज और गेंदबाज के बीच संतुलन स्थापित करना है। यदि किसी वनडे मैच की पारी की शुरुआत से पहले ओवरों की संख्या 25 या उससे कम कर दी जाती है, तो पूरी पारी के लिए सिर्फ एक नई गेंद का ही उपयोग होगा।

कंकशन-सब्स्टीट्यूट में पारदर्शिता के लिए सख्त नियम

अब से, किसी खिलाड़ी के सिर पर चोट लगने (कंकशन) की स्थिति में बदलाव किए गए

खिलाड़ी (सब्स्टीट्यूट) की अनुमति पहले से तय नामों की सूची के आधार पर दी जाएगी। टीमों को मैच शुरू होने से पहले पांच विशेष भूमिकाओं में एक-एक खिलाड़ी नामित करना होगाः

- एक विकेटकीपर
- एक बल्लेबाज
- एक तेज गेंदबाज
- एक स्पिनर
- एक ऑलराउंडर

उदाहरण के तौर पर, इस साल जनवरी में भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी20 में बल्लेबाजी ऑलराउंडर शिवम दुबे के स्थान पर गेंदबाजी ऑलराउंडर हर्षित राणा को कंकशन सब्स्टीट्यूट के रूप में उतारा था। राणा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3/33 विकेट लिए थे, लेकिन यह चयन विवादित रहा। नई सूचीबद्ध प्रणाली ऐसे विवादों को रोकने में मदद करेगी।

यदि बदले गए खिलाड़ी को भी कंकशन हो जाए, तो मैच रेफरी को इस सूची से बाहर का खिलाड़ी चुनने की छूट होगी, लेकिन वह 'लाइक-फॉर-लाइक' (समान भूमिका) सिद्धांत के अनुसार ही होगा।

कैच पकड़ने के नियमों में भी बदलाव

मैरीलेबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) ने कैच पकड़ने के नियमों में भी संशोधन किया है। अब बनी हॉप (बाउंड्री के बाहर जाकर हवा में कूदकर कैच पकड़ना और वापस मैदान में आना) की अनुमति नहीं होगी।

रंग और डिजाइन का रखें ख्याल

आप जब ड्रेसेस खरीदने जाती हैं तो कलर को लेकर आपके मन में एक ऊहापोह सा बना रहता है, इससे बचने के लिए सबसे पहले तो आप ये बात ध्यान दें कि कपड़ा किसके लिए ले रही हैं। यदि आपका अपना रंग डार्क है तो आप लाइट कलर को तवज्जों दें तो आपके लिए बेहतर होगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि आप डार्क कलर नहीं पहन सकती हैं।

आप अपने डिजाइनर कलेक्शन में पर्पल, पिंक, पीच और रेड कलर के ड्रेस ले सकती हैं। आपकी पर्सनैलिटी में आपके कपड़ों के रंग के साथ उसके डिजाइन का भी अहम स्थान होता है। इस समय फैशन को लेकर लड़कियों में इंडियन आर्ट् के साथ कढ़ाई वाले ड्रेस साथ में हों, अच्छे कट्स और फिटिंग, यदि इनमें तार और पत्थरों के डिजाइन हों तो और भी अच्छा है। इसके साथ ब्राइट फ्रेश टोन अच्छे हैं। ट्यूनिक ड्रेसेस, इवनिंग गाउन, टॉप, स्कर्ट, लेगिंग्स पैंट और हूडेड जैकेट्स ये आजकल फैशन में हैं। आजकल जींस के साथ शार्ट कुरतों का काफी चलन है, जो आपको फंकी लुक देता है और साथ में आपके अंदर लीडरशिप जैसे गुण भी देता है। इसके साथ ही बफर प्लेटफार्म पहने तो खूब फबेगा और हां, यदि आप चूड़ीदार सलवार की जगह स्लैक्स या जींस ट्राय को अपने पर प्रयोग करें तो काफी आकर्षक और सेक्सी नजर आएंगी। आजकल स्लैक्स का फैशन बाजार में फिर से लौट आया है। हाई वेस्ट कुर्ते और रोल्ड अप स्लीवस के साथ एक खूबसूरत स्टोल आपको एक स्टाइलिश लुक देते हैं। आपकी खूबसूरती आपका कांफिडेंस होता है और ये मिलेगा आपकी थोड़ी सी समझदारी और समझ से, जो आपको अपने दोस्तों के बीच कांफिडेंसिव सुंदरता देता है।

क्या आजमाएं क्या करें एवाइड

आपको गर्मियों में ज्यादा एसेसरीज पहनने से हमेशा बचना चाहिए। ऑक्सीडेंट ज्वैलरी को न पहनें तो ही अच्छा है, इससे आपकी त्वचा पर इंफेक्शन हो सकता है। प्लास्टिक, जूट, लकड़ी की ज्वैलरी पहनें। आप चाहे तो कफ बैंगल्स को भी फैशन में यूज कर सकती हैं। इस समय एक हाथ में मोटे और अलग-अलग स्टाइल के बैंगल्स पहनने का काफी ट्रेंड है। इसमें डेनिम और कॉर्डरॉय के बैग इस समर में आपके स्टाइल को कई गुना बढ़ा सकते हैं। आपकी ये स्टाइल आपको जहां एक नया लुक देगी, वहीं आपको गर्मी के उलझनों से भी मुक्त रखने में सहायक होगी। चढ़ती-जलती धूप में कपड़ों के रंग का भी ख्याल रखना बहुत जरूरी है। गर्मियों में ड्रेस के कलर, कट्स और डिजाइन बिलकुल बदल जाते हैं। हल्के रंगों का महत्व बढ़ जाता है, जिसमें व्हाइट, पिंक, लाइट यलो, लाइट ब्लू रंग खास हैं। वहीं ब्लैक, ब्राउन और ग्रे रंगों को पहनने से बचें। अगर डिजाइन की बात की जाए, तो अंब्रेला, अनारकली, स्टेट जींस, नी-लेंथ कैपरी आदि पहन सकती हैं। हॉल्टेड, बैकलेस नेक भी समर में पहना जा सकता है।

कई कलर्स और डिजाइंस

इंडिगो ब्रदर्स ने इस मौसम के लिए बेहतरीन कलेक्शन लांच किया है। इसमें महिला व पुरुष दोनों के लिए कई तरह की ड्रेसेज लाई गई हैं। ये लाइटवेट हैं और इसमें खासतौर से शर्ट्स व टी- शर्ट में आपको कई कलर्स व डिजाइन मिल जाएंगे। ये डिजाइंस ग्राफिक्स, पैटर्न, स्ट्रिप्स, चेक्स वगैरह में हैं। इंटरनेशनल स्टाइल्स के साथ ही इसमें हाई फैशन, फेमनिन और वोगिस डिजाइंस मिलेंगे।

फैशन इंडस्ट्री अब सबको स्पेशल बनाने की तैयारी में है और वह भी जेब पर भारी पड़े बिना। दरअसल, खास क्लास तक सिमटी यह इंडस्ट्री नए बिजनेस की तलाश में अब मास के लिए भी काम करने लगी है। ऐसे में अब बाजार में कम दामों पर भी डिजाइनर ड्रेसेस मिलने लगी है।

फैशन का पॉकेट फ्रेंडली फंडा

फैशन और स्टाइल के मामले में पिछले कुछ समय से यूथ जितना कॉन्शस हुआ है, यह उतना ही अफोर्डेबल हुआ है। डिजाइनर ड्रेसेज अब उतने महंगे नहीं रहे। अब ये बेहद कम प्राइस वाले रेंज में भी मार्केट में उपलब्ध हैं। इसलिए अब ऑफिस, पार्टी से लेकर शादी तक की खास ड्रेस अपने लिए यूनीक चुनी जा सकती है और वह भी अपने पॉकेट के अनुसार। फैशन डिजाइनर्स भी मानने लगे हैं कि उनका कलेक्शन ऐसा हो जो सबकी पहुंच में हो। दिल्ली में हुए फैशन वीक में भी कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला, जहां डिजाइनर्स अपने कलेक्शंस की प्राइस रेंज को एक खास बजट में लेकर आ रहे हैं।

क्या है कारण

मंदी ने हर बिजनेस का फंडा ठंडा कर दिया है और इससे उबरने के लिए लोग तरह-तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। फैशन भी इससे अछूता नहीं है। मंदी की मार झेल रहे फैशन ने इससे ऊबरने के लिए जोरदार तैयारी कर चुका है। अभी तक एक खास वर्ग के लिए कपड़े डिजाइन करने वाले डिजाइनर्स मिडिल क्लास से जुड़ने की सोच रहे हैं। इसके लिए वे तैयारी भी कर चुके हैं। तमाम डिजाइनर्स इस फंडे पर काम रहे हैं। यही वजह है कि अब डिजाइनर ड्रेसेस की शुरुआती रेंज 3000 से 4000 रुपए के बीच पहुंच गई है।

क्या कहते हैं डिजाइनर्स

फैशन इंडस्ट्री में एक मुकाम बना चुकी डिजाइनर अनुपमा कहती हैं, हर इंडस्ट्री बिजनेस ओरिएंटेड होती है। तमाम फैशन इवेंट्स इसी के लिए काम कर रहे हैं। इतनी बड़ी इंडस्ट्री एक खास क्लास के दम पर नहीं चल सकती। यही वजह है कि डिजाइनर्स अब लोगों के टेस्ट व बजट का ख्याल रखकर काम कर रहे हैं। यंग डिजाइनर सुदेश सोढ़ी कहते हैं कि मास के साथ जुड़ने में ही फैशन इंडस्ट्री को फायदा है, क्योंकि इंडस्ट्री को पैसा यहीं से मिलेगा। वैसे, वह फैशन ट्रेंड को भी इसकी एक वजह बताते हैं। इन दिनों ड्रेसेस में सेपरेट्स का ट्रेंड है। यानी एक बार लेगिंग या ट्राउजर खरीदने के बाद एक्सक्लूसिव कुर्ते, ट्यूनिक्स या शर्ट्स ली जा सकती हैं। बेशक, इस तरह पूरी ड्रेस महंगी नहीं पड़ेगी और आपको एक खास स्टाइल स्टेटमेंट भी मिल जाएगी।

कॉम्पिटीशन

पहले जहां गिने-चुने डिजाइनर्स होते थे, वहीं अब इंडियन फैशन इंडस्ट्री में डिजाइनर्स की काफी संख्या है। इनके आने से कॉम्पिटीशन टफ हुआ है। ऐसे में मार्केट में सरवाइव करने में कॉस्ट फैक्टर बेहद अहम हो जाता है। डिजाइनरों की होड़ से कस्टमर्स का काम आसान हुआ है। डिजाइनर राजीव इस बात से सहमत हैं। वह कहते हैं इस बार फैशन वीक में 141 डिजाइनर्स हिस्सा ले रहे हैं और जाहिर है सभी को बिजनेस चाहिए। इस फेर में फायदा कस्टमर को होगा। अगर किसी डिजाइनर को मास तक पहुंचना है, तो उन्हें खुद की पॉकेट का ख्याल रखना ही पड़ेगा। कुछ का यह भी मानना है कि इंडस्ट्री के पास फिलहाल टारगेट अपर मिडिल क्लास के कस्टमर्स को खुश करना है, दुनिया की निगाहें आज भी भारत के मिडिल क्लास पर टिकी हुई हैं।

क्वॉलिटी फैक्टर

फैशन के इस दौर में सब कुछ साथ साथ नहीं हो सकता। यदि आप चाहते हैं कि आप जो कपड़े पहने, वह डिजानर्स के द्वारा तैयार किया गया हो, क्वालिटी भी बेहतरीन हो और सस्ता भी हो, यह पूरी तरह से सच साबित नहीं हो सकता। आपको कुछ न कुछ तो कंप्रोमाइज करना ही पड़ेगा। डिजाइनर रजनी कहती हैं कि जिस तरह हर फिल्म सभी की पसंद पर खरी नहीं उतरती, उसी तरह हर क्लास के फैशन का टेस्ट भी अलग होगा। अब 5000 रुपए में ड्रेस पर स्पेशल स्वरोस्की वर्क नहीं मिल सकता। हालांकि इसे क्वॉलिटी के साथ कॉम्प्रोमाइज नहीं कहेंगे, क्योंकि डिजाइनर वियर का मतलब ड्रेस के स्पेशल होने से ही होगा। फिर प्रेट लाइन का मतलब ही सभी के लिए स्पेशल रेडी टू वियर की वैरायटी होता है।

आकर्षक दिखने के फेर में त्वचा की शामत

महिलाओं में हमेशा आकर्षक दिखने की चाह रहती है। लेकिन कई बार होता यह है कि आकर्षक दिखने के चक्कर में वह इतनी क्रीमें या अन्य प्रसाधन बदल लेती हैं कि चेहरे का आकर्षण बढ़ने की बजाय कम हो जाता है। आकर्षक चेहरे के लिए पहली आवश्यकता है, ताजगी से भरपूर साफ व सुंदर त्वचा। आज महिलाएं स्वस्थ व कोमल त्वचा के प्रति जागरूक हो गई हैं और त्वचा की कांति बरकरार रखने के लिए किसी जादुई क्रीम की तलाश में हैं। क्रीम खरीदने की इच्छुक महिलाओं को तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है-

- वे महिलाएं जो उत्पादकों के लंबे-चौड़े वादों को झूठा मानती हैं किन्तु हिचकते हुए क्रीम खरीदती हैं।
- वे महिलाएं, जो किसी भी नई क्रीम का नाम सुनते ही उसे इस आशा में खरीद लेती हैं कि शायद इसी से उनका चेहरा आकर्षक बन जाए।
- ऐसी महिलाएं, जो क्रीम की अधिक कीमत को ही उसके असरदार होने की गारंटी मान लेती हैं।

आप इन तीनों में से किसी भी प्रकार की ग्राहक क्यों न हों, वास्तविकता यह है कि कोई भी क्रीम, जो आप लगाती हैं, आपके चेहरे पर असर तो करती ही है क्योंकि हर क्रीम पानी की नमी को बरकरार रख कर त्वचा को सूखने से बचाती है। ज्ञातव्य है कि महिलाओं के चेहरे पर उम्र के लक्षण पैदा करने में सूखी त्वचा ही सबसे अधिक गुनाहगार साबित होती है। आप देखेंगी कि अकसर सौंदर्य विशेषज्ञ किसी एक क्रीम का विज्ञापन करते नजर आते हैं पर लगभग सभी इस बात से सहमत हैं कि कुछ तत्व ऐसे होते हैं, जिनसे कोई भी क्रीम अधिक असरदार हो जाती है, वे तत्व इस प्रकार हैं-

(**सेरामाइड**)- सेरामाइड स्वाभाविक रूप से त्वचा के कोषों को आपस में जोड़े रखता है, तथा त्वचा को लटकने से बचाता है।

(**अल्फा हाइड्रोसी एसिड**)- यह दूध, फल और गन्ने से बनाया जाता है पर अब इस का सिंथेटिक उत्पादन भी शुरू हो गया है। इससे त्वचा में चमक और कोमलता आती है। यह त्वचा की कोशकीय गतिविधि को बढ़ा कर उसकी नमी बरकरार रखने की क्षमता में वृद्धि करता है। झुर्रियों के इलाज के लिए ग्लाइकोलिक और लेक्टिक एसिड सबसे असरदार होते हैं। लेकिन एएचए के अधिक प्रयोग से त्वचा की परतें उखड़ने लगती हैं। सूर्य की किरणों के प्रति भी त्वचा अधिक संवेदनशील हो जाती है इसलिए याद रखें कि इसका प्रयोग सप्ताह में एक या दो बार ही करना चाहिए।

(**विटामिन**)- विटामिन ए से त्वचा की नमी बढ़ती है। विटामिन बी-5 त्वचा की कंडीशनिंग कर उसको मुलायम बनाता है। एंटीआक्सीडेंट ई से भी त्वचा को विशेष लाभ पहुंचता है।

(**सनस्क्रीन**)- त्वचा को रोजमर्रा में यूवीए और यूवीबी किरणों से बचाने के लिए यह अत्यंत आवश्यक तत्व है। त्वचा को सुंदर और आकर्षक बनाए रखने के लिए निम्न हिदायतों पर गौर किया जा सकता है- त्वचा की देखभाल ध्यान से करें क्योंकि झुर्रियों के लक्षण नजर आते ही अनेक महिलाएं घबरा जाती हैं और तरह-तरह की क्रीमों का प्रयोग करने लगती हैं। वैसे क्रीमों का प्रयोग अगर अधिक मात्रा में किया जाए तो उससे त्वचा के प्राकृतिक उत्पादनों में कमी आ जाती है। इससे त्वचा रूखी और बेजान होने लगती है और झुर्रियां भी बढ़ने लगती हैं।

सौंदर्य विशेषज्ञों की सलाह है कि सौंदर्य प्रसाधनों का अत्यधिक प्रयोग करना हानिकारक होता है। यदि आपकी त्वचा ज्यादा तैलीय नहीं है तो टोनर के प्रयोग से बचना चाहिए। चेहरे पर गुनगुने पानी के छींटे मारने से भी त्वचा साफ हो जाती है। अगर आप त्वचा को पानी से धोना पसंद करती हैं तो साबुन रहित क्लींजर का प्रयोग करें। वैसे क्रीम क्लींजर सबसे अधिक असरदार होते हैं। मुलतानी मिट्टी व चंदन का लेप करने से भी काफी फायदा होता है।

गर्मियों में बटर येलो कलर कर रहा ट्रेंड! अंबानी की छोटी बहू भी दिखी इस रंग में, नो मेकअप लुक में खूबसूरत लगी

राधिका मर्चेंट

गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। तेज गर्मी से लोगों को लू लगने का खतरा जाता है। वहीं गर्मी के मौसम में हर किसी को एथनिक वियर पहनना चुनौतीपूर्ण लगता है? अगर हां, तो राधिका मर्चेंट के हालिया बटर येलो सूट सेट से आप प्रेरणा ले सकती हैं।

गर्मी का सीजन शुरू हो चुका है। तेज गर्मी से लोगों को लू लगने का खतरा जाता है। वहीं गर्मी के मौसम में हर किसी को एथनिक वियर पहनना चुनौतीपूर्ण लगता है? अगर हां, तो राधिका मर्चेंट के हालिया बटर येलो सूट सेट से आप प्रेरणा ले सकती हैं।

दरअसल, गुजरात के जामनगर में ITRA की यात्रा के दौरान राधिका ने सादगी भरा और ट्रेंडी लुक अपनाया, जो हर महिला के लिए एक प्रेरणा है। इस मौके पर उन्होंने बटर येलो रंग का हल्का कॉटन फैब्रिक और डेलिकेट एम्ब्रॉयडरी वाला सूट पहना था जो गर्मी के लिए एक परफेक्ट आउटफिट है।

इसे उन्होंने फ्लेयर्ड कॉटन पैंट्स के साथ पेयर किया, जो उसी पेस्टल शेड में थी। पैंट्स के हेम पर स्कैलप्ड लेस ट्रिम डिटेल्स इसे और खूबसूरत बना रहे थे।इस लुक को उन्होंने एक मैचिंग दुपट्टे से पूरा किया, जिसमें एम्ब्रॉयडरी और टैसेल्स की खूबसूरत डिटेलिंग थी। राधिका ने अपने नेचुरल मेकअप और एलीगेंट एक्सेसरीज़ के साथ,इस आउटफिट को बखूबी कैरी किया। राधिका ने अपने बालों को सेंटर-पार्टेड लुक में खुला रखा और उनका मेकअप फ्रेश और मिनिमल था. अपने एथनिक लुक को उन्होंने डायमंड स्टड्स, एक स्टेटमेंट डायमंड रिंग, एक स्लीक गोल्ड ब्रेसलेट वॉच और टैन हर्मेस फ्लैट्स के साथ एक्सेसराइज किया।

'पवित्र रिश्ता' नहीं, इस सीरियल से सुशांत सिंह राजपूत ने किया था डेब्यू, एकता कपूर ने दिया था पहला मौका

टेलीविजन का एक ऐसा एक्टर, जिसने बॉलीवुड में अपने काम से लोगों का दिल जीत लिया था. 2008 में उस एक्टर को टीवी की क्वीन कही जाने वाली प्रोड्यूसर एकता कपूर ने पहला मौका दिया था. जिस एक्टर की बात हम कर रहे हैं उनका नाम सुशांत सिंह राजपूत है, जो आज हमारे बीच नहीं हैं. सुशांत सिंह के निधन को 5 साल हो गए हैं, लेकिन फैंस के दिलों में आज भी वो जिंदा हैं और उनकी फिल्में लोग ओटीटी पर आज भी देखते हैं.

14 जून 2020 को सुशांत सिंह राजपूत के निधन की खबर आई थी, जिससे हर कोई हैरान रह गया था. सुशांत सिंह ने 2013 में आई फिल्म 'काई पो चे' से अपने बॉलीवुड करियर की शुरुआत की थी, लेकिन उन्हें टीवी पर पहला मौका एकता कपूर ने अपने सीरियल 'किस देश में है मेरा दिल' से मौका दिया था. सुशांत सिंह राजपूत को पहला मौका कैसे मिला था? आइए आपको इसके बारे में बताते हैं.

सुशांत सिंह राजपूत को कैसे मिला था पहला मौका ?

21 जनवरी 1986 को पटना में सुशांत सिंह राजपूत का जन्म हुआ था. इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए सुशांत दिल्ली आए थे और बाद में मुंबई एक्टिंग में करियर बनाने गए. दिल्ली में ही सुशांत ने एक डांस एकेडमी ज्वाइन की थी और 2005 में अपने डांस ग्रुप के साथ उन्हें मुंबई आने का मौका मिला. रिपोर्ट्स के मुताबिक, एकता कपूर अपने सीरियल 'किस देश में है मेरा दिल' के लिए एक कैरेक्टर के लिए ऑडिशन ले रही थीं, जहां सुशांत भी पहुंचे थे.

बताया जाता है कि पहले ही राउंड में एकता कपूर को सुशांत भा गए थे और उन्होंने 2008 में इसी सीरियल से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी. एकता कपूर को सुशांत का काम इतना पसंद आया था कि उन्होंने अपने अगले सीरियल 'पवित्र रिश्ता' में उन्हें लीड रोल ऑफर कर दिया था. 'पवित्र रिश्ता' से सुशांत सिंह घर-घर में पसंद किए जाने लगे थे और इस सीरियल को 2011 तक उन्होंने किया था.

सुशांत सिंह राजपूत का बॉलीवुड करियर

2013 'काई पो चे' से बॉलीवुड करियर शुरू करने के बाद उन्होंने 'एमएस धोनी- अनटोल्ड स्टोरी', 'राबता', 'केदारनाथ', 'छिछोरे' जैसी बेहतरीन फिल्में की. सुशांत सिंह की आखिरी फिल्म 'दिल बेचारा' थी, जो उनके निधन के बाद जुलाई 2020 में रिलीज की गई थी. ये फिल्म हॉटस्टार पर आई थी. सुशांत सिंह की थिएटर में लास्ट रिलीज फिल्म का नाम 'छिछोरे' थी.

11 दिन बाद दीपिका कक्कड़ को अस्पताल से मिली छुट्टी, पति शोएब ने बताया अब कैसी है हालत?

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस दीपिका कक्कड़ फिलहाल अपने जीवन के मुश्किल दौर से गुजर रही हैं. पिछले महीने पता चला कि एक्ट्रेस को स्टेज 2 का लीवर कैंसर है. इलाज के दौरान डॉक्टर्स को उनकी सर्जरी करनी पड़ी थी, जो करीब 14 घंटे तक चली थी. दीपिका के पति और एक्टर शोएब इब्राहिम उनके साथ मजबूती से खड़े नजर आ रहे हैं. शोएब लगातार दीपिका की हेल्थ अपडेट अपने व्लॉग के जरिए सभी के साथ शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं. अब अपने नए व्लॉग में एक्टर ने बताया है कि दीपिका को अस्पताल से डिस्टार्ज कर दिया गया है.

शोएब ने दीपिका की हेल्थ से जुड़ी कुछ अहम जानकारियां भी सभी के साथ शेयर की हैं. एक्टर ने कहा कि दीपिका अब ठीक हैं और वो घर आ गईं हैं. 11 दिन बाद उन्हें छुट्टी मिल गई है. शोएब ने कहा, पिछले कुछ दिन मेरे और मेरे परिवार के लिए बेहद मुश्किल रहे हैं, लेकिन लोगों की दुआओं और समर्थन के लिए आभारी हूं. इसके अलावा दोनों ने डॉक्टर्स को थैंक्स का कहा है. घर पहुंचने के बाद दीपिका और शोएब ने पिछले 11 दिनों को लेकर बात की है.

अहमदाबाद विमान हादसे पर जताया दुख

दीपिका ने हर उस शख्स का शुक्रियाअदा किया है, जिन्होंने उनके लिए दुआ की है. वहीं शोएब ने कहा कि चाहे कितनी भी नेगेटिविटी हो जाए यूट्यूब पर लेकिन प्यार बहुत है. लोगों की दुआएं बहुत हैं, ये चीज मुझे एहसास हुई है. शोएब ने ये भी बताया कि उन्होंने अपने व्लॉक को एक दिन लेट इसलिए डाला है, क्योंकि अहमदाबाद में जो विमान हादसा हुआ है, वो काफी दुखद था. उन्होंने कहा कि एक खुशी थी कि 11 दिन बाद दीपिका घर आ रही हैं, लेकिन 242 लोगों की मौत ने उसे गम में बदल दिया.

एक महीने पहले खुद दी थी कैंसर की जानकारी

दीपिका को एक हफ्ते बाद फिर से अस्पताल बुलाया है. दीपिका और शोएब ने सभी को अपने परिवार के साथ अच्छे से रहने की सलाह दी. बता दें, दीपिका ने खुद अपने फैन्स को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कैंसर की जानकारी दी थी. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा था कि पेट के ऊपरी हिस्से में दर्द के बाद जब वो अस्पताल जांच के लिए गईं तो डॉक्टरों को लीवर में टेनिस बॉल के आकार का ट्यूमर मिला, जो स्टेज 2 का कैंसर निकला. इस खबर के सामने आने के बाद तमाम फैन्स ने दीपिका को हिम्मत दी और उनके लिए प्रार्थना भी की.

अहमदाबाद ट्रेजडी पर

हिना खान और रॉकी

ने पहले लिया बड़ा फैसला, बाद में लोगों से मांगी माफी

टीवी का पॉपुलर नाम हिना खान इस वक्त सातवें आसमान पर हैं, पिछले हफ्ते ही उन्होंने अपने लॉन्ग टर्म बॉयफ्रेंड रॉकी जायसवाल के साथ शादी रचाई है. एक्ट्रेस का ये इवेंट काफी प्राइवेट तरीके से ऑर्गेनाइज हुआ, जिसकी केवल तस्वीरें सामने आई. हालांकि, वो शादी के बाद एक वेडिंग पार्टी रखने वाली थीं, लेकिन अब उन्होंने इसे पोस्टपोन कर दिया है. पार्टी कैंसिल करने की वजह अहमदाबाद में हुआ प्लेन क्रैश है, जिसमें काफी सारे लोगों ने अपनी जान गवाई है.13 साल एक-दूसरे को डेट करने के बाद हिना और रॉकी ने 4 जून को रजिस्टर मैरिज की. इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर फोटो पोस्ट करने के साथ दी. एक्ट्रेस की शादी की फोटो देखने के बाद उनके फैंस हैरान होने के साथ काफी खुश भी दिखे. हालांकि, अपनी रजिस्टर मैरिज के बाद से एक्ट्रेस ने पैपराजी के लिए अपनी शादी पर छोटी सी पार्टी रखने की बात बताई थी, लेकिन अब उसे वो पोस्टपोन कर रही हैं.

सोशल मीडिया पर बताया

हिना ने अपने सोशल मीडिया पर अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश पर दुख जताते हुए पोस्ट शेयर की. उन्होंने लिखा, अहमदाबाद में हुई ट्रेजडी को देखते हुए हम लोगों ने अपनी पोस्ट वेडिंग पार्टी को पोस्टपोन करने का फैसला लिया है. हमारी प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं. इसके साथ ही एक्ट्रेस का एक और क्लिप काफी ज्यादा वायरल हो रहा है, जिसमें वो फोटोग्राफर और फैंस से वेडिंग पार्टी को पोस्टपोन करने के लिए

माफी मांग रही हैं.

कई हस्तियों ने जताया दुख

हिना ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही थी, तो इस दौरान उन्होंने रॉकी के साथ की काफी प्यारी तस्वीरें शेयर की थी. मुश्किल वक्त में रॉकी हर समय एक्ट्रेस के साइड ही उनका ख्याल रखते नजर आए हैं. एयर इंडिया प्लेन क्रैश की बात करें, तो इस घटना में 242 में से 241 लोगों की डेथ हो गई. इस घटना पर देशभर की कई बड़ी हस्तियों ने दुख जताया है.